जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

अजमेर, शनिवार 7 फरवरी, 2026

सोना, चांदी और मार्केट ऊपर नीचे हो सकता है

पर सेजस्थान में कोठी की रेट हमेशा ऊपर ही जाएगी।

KEDIA
सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट

FIXED PRICE GUARANTEED

NO MIDDLE-MEN

कोठी
₹4700/ Sq Ft से शुरू

वॉक-अप अपार्टमेंट
₹4000/ Sq Ft से शुरू

FIXED PRICE & RENTAL

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE	PROPOSED RENTAL
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 LACS	22,000
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 LACS	25,000
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 LACS	28,000
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 CRORE	30,000
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.21 CRORE	40,000
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.51 CRORE	50,000

पजेशन शुरू
अब हर महीने रेट और बढ़ेगी

KEDIA®

1800-120-2323
78770-72737

info@kedia.com
www.kedia.com
www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

बच्चों को पालना, उन्हें अच्छे व्यवहार की शिक्षा देना भी सेवाकार्य है, क्योंकि यह उनका जीवन सुखी बनाता है। –स्वामी रामसुखदास

शिक्षा का बदलता स्वरूप: राजस्थान में चुनौतियां और संरक्षण के सरकारी उपाय

शिक्षा मानव सभ्यता का मूल आधार है। यह व्यक्ति को ज्ञान, कौशल और मूल्यों से सुसज्जित कर समाज को प्रगति के पथ पर अग्रसर करती है। आजादी के बाद से भारत में शिक्षा का स्वरूप निरंतर विकसित हो रहा है, लेकिन डिजिटल युग ने इसे अभूतपूर्व गति प्रदान की है। कोविड-19 महामारी ने पारंपरिक कक्षा-कक्ष शिक्षा को ऑनलाइन मोड में धकेल दिया, जिससे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स, एआई आधारित लर्निंग ऐप्स और वर्चुअल क्लासरूम मुख्यधारा बन गए। राजस्थान जैसे विविधतापूर्ण राज्य में यह परिवर्तन राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप तेजी से घटित हो रहा है। राज्य सरकार ने डिजिटल डिवाइड, गुणवत्ता ह्रास और सांस्कृतिक क्षय जैसी चुनौतियों से निपटने हेतु बहुआयामी संरक्षण उपाय अपनाए हैं।

शिक्षा का परंपरागत स्वरूप गुरुकुल परंपरा पर आधारित था, जहाँ गुरु-शिष्य संबंध के माध्यम से समग्र विकास होता था। औद्योगिक क्रांति और वैश्वीकरण ने इसे औपचारिक स्कूलों तक सीमित कर दिया। अब 21वीं सदी में प्रौद्योगिकी ने इसे क्रांतिकारी रूप प्रदान किया है। स्मार्टफोन्स, लैपटॉप और हाई-स्पीड इंटरनेट ने शिक्षा को सीमाहीन बना दिया। एनईपी 2020 ने इसे पुष्ट किया, जिसमें 5 3 3 4 की नई संरचना अपनाई गई-फाउंडेशन (3-8 वर्ष), प्रिपरेटरी (8-11), मिडिल (11-14) तथा सेकेंडरी (14-18)। बहुभाषिकता, कौशल विकास और भारतीय ज्ञान प्रणाली पर जोर दिया गया। डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में स्वयं, एनपीटीईएल, ई-पाठशाला जैसे पोर्टल्स लाखों छात्रों को जोड़ रहे हैं। एआई आधारित प्लेटफॉर्म्स जैसे बायजूज, अनएकेडमी छात्र की गति अनुसार पाठ्यक्रम ढालते हैं। वर्चुअल रियलिटी (वीआर) से छात्र ताजमहल के अंदर भ्रमण कर वास्तुकला सीख सकते हैं। उदाहरणस्वरूप, 2025 में राजस्थान के एक सरकारी स्कूल में वीआर के माध्यम से उदयपुर के झील महल का डिजिटल दौरा कराया गया, जिससे छात्रों की रुचि दोगुनी हो गई। ये नवाचार शिक्षा को रोचक और सुलभ बना रहे हैं।

राजस्थान में यह परिवर्तन स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप ढल रहा है। राज्य में 1.07 लाख से अधिक स्कूल हैं, जहां 7.75 लाख शिक्षक कार्यरत हैं। 2023-24 से विश्वविद्यालय स्तर पर एनईपी लागू हो चुकी है। स्कूली स्तर पर चरणबद्ध क्रियान्वयन जारी है-2025-26 से कक्षा 1-5 में नया सिलेबस शुरू हुआ, जिसमें उदयपुर द्वारा तैयार भारतीय संस्कृति, इतिहास और व्यावहारिक ज्ञान शामिल है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने जुलाई 2025 से प्राथमिक स्तर पर बड़े बदलाव की घोषणा की। एनसीईआरटी, एनसीएफ 2023 और राज्य पाठ्यचर्या रूपरेखा के अनुरूप वीर योद्धाओं, राजस्थान भूगोल, लोक संस्कृति को पाठ्यक्रम में स्थान मिला। डिजिटल इंडिया के तहत भारत नेट परियोजना ने ग्रामीण पंचायतों को ब्रॉडबैंड से जोड़ा है। पीएम ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान (पीएमजीडीआईएसए) ने 6 करोड से अधिक लोगों को साक्षर बनाया, जिसमें राजस्थान का बड़ा हिस्सा शामिल है। 2026 तक राज्य में 90 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों में हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंच गया, जिससे 50 लाख छात्र लाभान्वित हुए।

शिक्षा का बदलता स्वरूप अवसर है, लेकिन असंतुलित हो तो विनाशकारी भी साबित हो सकता है। राजस्थान सरकार के उपाय एनईपी चरणबद्ध क्रियान्वयन, सिलेबस संशोधन, सांस्कृतिक एकीकरण प्रेरक हैं। समग्र शिक्षा, डिजिटल पहलें मील का पत्थर साबित हो रही हैं। समाज, शिक्षक, अभिभावक, नीति-निर्माता मिलकर प्रयास करें। राजस्थानी धरोहर सहेजें, आधुनिकता अपनाएँ। युवा सशक्त हों, राज्य प्रगति करे। विश्व गुरु भारत का स्वप्न साकार हो।

हालांकि, बदलते स्वरूप ने गंभीर चुनौतियाँ उत्पन्न की हैं। प्रथम, डिजिटल डिवाइड। राजस्थान के रेगिस्तानी जिलों-जैसलमेर, बाड़मेर में इंटरनेट पहुंच अभी भी सीमित है। यूनेस्को के अनुसार, भारत के 25 करोड छात्रों में 30 प्रतिशत डिजिटल वंचित हैं; राजस्थान में यह आंकडा 35 प्रतिशत से अधिक है। शहरी छात्र हाई-स्पीड नेट और डिवाइस से लैस हैं, जबकि ग्रामीण बच्चे किताबों तक सीमित रह जाते हैं। द्वितीय, गुणवत्ता ह्रास। ऑनलाइन शिक्षा में एकाग्रता की कमी से लर्निंग आउटकम घटे हैं। लंबे स्क्रीन टाइम से नेत्र समस्या, तनाव बढ़ा। राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) 2021 के आंकड़ों के अनुसार, राजस्थान के ग्रामीण छात्रों का गणितीय प्रदर्शन 15 प्रतिशत गिरा। तृतीय, सांस्कृतिक क्षय। पश्चिमी एडटेक ऐप्स से राजस्थानी लोकगीत, कठपुतली, भोपाओं की परंपरा प्रभावित हो रही है। गुरु-शिष्य संबंध कमजोर पड़ गया। चतुर्थ, निजीकरण। कोचिंग संस्थान और एडटेक कंपनियाँ बाजारीकरण कर रही हैं, जिससे गरीब वंचित रह रहे हैं। उदाहरणस्वरूप, जयपुर के कोटा जैसे शहरों में एडटेक फीस 20 प्रतिशत बढ़ी, जबकि ग्रामीण आय समान रही।

राजस्थान सरकार ने शिक्षा संरक्षण हेतु सक्रिय कदम उठाए हैं। समठा शिक्षा अभियान (2021-26) के तहत 2.15 लाख करोड़ का बजट है, जिसमें राज्य को पर्याप्त हिस्सा मिला। स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल बोर्ड स्थापित हो रहे हैं। माध्यमिक शिक्षा विभाग ने संभागीय कमेटियाँ गठित कीं, जो 186 स्कूलों का अपग्रेड सुनिश्चित कर रही हैं। 2026 तक 500 और स्कूल स्मार्ट बनेंगे। राजस्थानी भाषा प्रोत्साहन योजना से क्षेत्रीय भाषा, लोककथाएँ, लोकगीत पाठ्यक्रम में शामिल हैं। कला एवं हस्तशिल्प शिक्षा योजना स्कूलों में लोककलाएँ-कठपुतली, मांडणा, भोपा नृत्य सिखा रही है। एनईपी में भारतीय ज्ञान प्रणाली वेद, उपनिषद, योग, आयुर्वेद को स्थान दिया गया। डीआईईटी और डिजिटल आईसीटी शिक्षक प्रशिक्षण दे रहे हैं। नवोदय विद्यालयों का विस्तार मेधावी ग्रामीण छात्रों हेतु हो रहा है। पोर्टल से 25 प्रतिशत आरक्षण, छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जा रही हैं। बालिका शिक्षा फाउंडेशन से बेटी बचाओ बेटी पढाओ को गति मिली। मिड-डे मील नामांकन बढ़ा रहा है। कोविड में डीआईएसएचए ने टीवी, रेडियो से 20 करोड छात्रों तक पहुँचा। एनएएस कमजोर क्षेत्र चिह्नित कर रहा है। जयपुर में पाठ्यक्रम समीक्षा समिति विश्वविद्यालय शिक्षाविदों संग कार्यरत है। बीकानेर के 15 स्कूल अपग्रेड हो चुके हैं। ये उपाय भाषाई विविधता मारवाड़ी, मेवाड़ी को सम्मान देते हैं।

सांस्कृतिक संरक्षण विशेष रूप से उल्लेखनीय है। राजस्थान सरकार ने स्थानीय परंपराओं को एनईपी से जोड़ा। स्कूलों में भजन संध्या, कवि सम्मेलन आयोजित हो रहे हैं। हस्तशिल्प से छात्र स्वरोजगार सीख रहे हैं। महिला साक्षरता हेतु विशेष अभियान चल रहे हैं। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों हेतु समावेशी शिक्षा लागू है। डिजिटल सुरक्षा हेतु साइबर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। समग्र शिक्षा से प्री-प्राइमरी तक एकीकरण हुआ। उदाहरणस्वरूप, जोधपुर के एक स्कूल में भोपा कलाकारों ने छात्रों को लोककथाएँ सिखाईं, जिससे सांस्कृतिक जुड़ाव 40 प्रतिशत बढ़ा। फिर भी कमियाँ बरकरार हैं। शिक्षा बजट जीडीपी का 6 प्रतिशत होना चाहिए, वर्तमान लगभग 4 प्रतिशत है। भ्रष्टाचार, क्रियान्वयन देरी बाधा बने हुए हैं। नामांकन ह्रास चिंताजनक है 2025 में प्राथमिक स्तर पर 5 प्रतिशत गिरावट दर्ज। रेगिस्तानी क्षेत्रों में इंटरनेट समस्या बनी हुई। निजीकरण नियंत्रण अपर्याप्त है। भविष्य हेतु एआई का नैतिक उपयोग आवश्यक सांस्कृतिक सामग्री युक्त ऐप्स विकसित करें। सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल अपनाएँ। शिक्षक भर्ती तेज करें। 2026 के राज्य बजट में 10,000 नई भर्तियाँ प्रस्तावित हैं।

शिक्षा का बदलता स्वरूप अवसर है, लेकिन असंतुलित हो तो विनाशकारी भी साबित हो सकता है। राजस्थान सरकार के उपाय एनईपी चरणबद्ध क्रियान्वयन, सिलेबस संशोधन, सांस्कृतिक एकीकरण प्रेरक हैं। समग्र शिक्षा, डिजिटल पहलें मील का पत्थर साबित हो रही हैं। समाज, शिक्षक, अभिभावक, नीति-निर्माता मिलकर प्रयास करें। राजस्थानी धरोहर सहेजें, आधुनिकता अपनाएँ। युवा सशक्त हों, राज्य प्रगति करे। विश्व गुरु भारत का स्वप्न साकार हो। सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े आधुनिक नागरिक गढ़ें। संरक्षण ही प्रगति का आधार है।

–अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

दो वर्ष बनाम पांच वर्ष : राजस्थान में सुशासन, गति और विश्वास का नया अध्याय

यदि दावे के स्तर पर नहीं, बल्कि आंकड़ों की कसौटी पर परखा जाए, तो यह स्पष्ट होता है कि राजस्थान में शासन की शैली और प्राथमिकताओं में बड़ा बदलाव आया है

मदन राठौड़

राजस्थान की राजनीति और प्रशासनिक इतिहास में यह पहला अवसर है, जब कोई सरकार अपने कार्यकाल के मात्र दो वर्षों में न केवल अपने कामकाज का आंकड़ों सहित रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत करे, बल्कि उसे पूर्ववर्ती सरकार के पूरे पाँच वर्षों से तुलनात्मक रूप से बेहतर सिद्ध करने का दावा भी आत्मविश्वास के साथ रखे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस के दौरान प्रस्तुत किया गया दो वर्षों की उपलब्धियों का दस्तावेज़ इसी आत्मविश्वास का प्रतिफल है।

यह दस्तावेज़ केवल राजनीतिक वक्तव्य नहीं, बल्कि प्रशासनिक दक्षता, वित्तीय अनुशासन और विकास की स्पष्ट दिशा का संकेत देता है। मुख्यमंत्री का यह कथन कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के पाँच वर्षों से अधिक कार्य हमारी सरकार ने दो वर्षों में किए हैं, यदि दावे के स्तर पर नहीं, बल्कि आंकड़ों की कसौटी पर परखा जाए, तो यह स्पष्ट होता है कि राजस्थान में शासन की शैली और प्राथमिकताओं में बड़ा बदलाव आया है।

पूर्ववर्ती सरकार के समय प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर वित्तीय कुप्रबंधन का गहरा प्रभाव पड़ा। 5 लाख 79 हजार 781 करोड़ रुपये का कर्ज, खाली खजाना और अधूरी योजनाओ की विरासत नई सरकार को मिली। इसके विपरीत, वर्तमान सरकार ने केवल दो वर्षों में राजस्व घाटे को करीब 8 हजार करोड़ रुपये तक कम कर दिया। वर्ष 2023-24 में 38 हजार 954 करोड़ रुपये के राजस्व घाटे को 2025-26 के बजट अनुमानों में 31 हजार 9 करोड़ रुपये तक लाना वित्तीय अनुशासन का स्पष्ट संकेत है। भारत सरकार के आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में राजस्थान के आर्थिक प्रबंधन, सामाजिक क्षेत्र में नवाचार और प्रशासनिक सुधारों की विशेष सराहना इस बात की पुष्टि करती है कि राज्य की अर्थव्यवस्था को केवल स्थिरता ही नहीं, बल्कि गति और दिशा भी मिली है।

केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और राज्य में भजनलाल शर्मा की सरकार के कारण डबल इंजन की अवधारणा धरातल पर साकार होती दिखी है। जहां पूर्ववर्ती सरकार को चार वर्षों में 15,803 करोड़ रुपये की पूंजीगत निवेश सहायता मिली, वहीं वर्तमान सरकार मात्र दो वर्षों में 19 हजार करोड़ रुपये से अधिक की सहायता केंद्र से प्राप्त कर चुकी है। वर्ष 2024-25 में 30 हजार 700 करोड़ रुपये से अधिक का पूंजीगत व्यय अब तक का सर्वाधिक है। केंद्रीय करों में हिस्सेदारी के रूप में इस वर्ष राजस्थान को 90 हजार 445 करोड़ रुपये प्राप्त होना भी इस सहयोग का प्रतिफल है।

रामजल सेतु परियोजना के अंतर्गत नवनेरा बैराज और ईसरदा बांध में जल संग्रहण प्रारंभ होना, 26 हजार करोड़ रुपये से अधिक के कार्यों का धरातल पर उतरना और यमुना जल समझौते की डीपीआर का अंतिम चरण राजस्थान के जल भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में निर्णायक कदम हैं।

जहां पिछली सरकार ने पाँच वर्षों में 52,182 हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई सुविधा दी, वहीं वर्तमान सरकार ने दो वर्षों में ही 99,562 हेक्टेयर क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई। यह अंतर केवल आंकड़ों का नहीं, बल्कि नीति और क्रियान्वयन की गति का भी है। कृषि क्षेत्र में किसान सम्मान निधि को दो वर्षों में डेढ़ गुना करना और 10,508 करोड़ रुपये सीधे किसानों के खातों में हस्तांतरित करना सरकार की प्राथमिकता को दर्शाता है। 48,325 करोड़ रुपये के ब्याज मुक्त फसली ऋण, 73 लाख से अधिक फसल बीमा पॉलिसियां और 6,415 करोड़ रुपये का क्लेम वितरण जैसे कदम किसानों के आर्थिक संबल को मजबूत करते हैं।

22 जिलों में किसानों को दिन में बिजली, 2 लाख से अधिक नए कृषि कनेक्शन और 48,591 करोड़ रुपये की बिजली सब्सिडी मिलकर ठाामीण अर्थव्यवस्था को ऊर्जा प्रदान करता है।

युवाओं के लिए सबसे बड़ा संदेश पेपरलीक जैसे मामलों पर सरकार की सख्ती है। 140 एफआईआर और 428 से अधिक अपराधियों को जेल भेजना केवल कार्रवाई नहीं, बल्कि भरोसे की बहाली है। अब तक 1 लाख से अधिक नियुक्तियां, 1 लाख 55 हजार से अधिक भर्तियां प्रक्रियाधीन और निजी क्षेत्र में 2 लाख से अधिक रोजगार अवसर यह दर्शाता है कि सरकार रोजगार को घोषणाओं से निकालकर धरातल पर ला रही है।

एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार अपराधों में 14.13 प्रतिशत की कमी, एससी-एसटी अत्याचारों में 28 प्रतिशत और महिला अपराधों में 10 प्रतिशत की गिरावट, ये आंकड़े कानून-व्यवस्था में सुधार की पुष्टि करते हैं। सामाजिक सुरक्षा पेंशन में पूर्ववर्ती सरकार की तुलना में 35 प्रतिशत अधिक भुगतान, एनएफएसए में 73 लाख से अधिक नए लाभार्थी, 450 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर से 1 करोड़ परिवारों को राहत जैसे सभी कदम सामाजिक न्याय के विस्तार को दर्शाते हैं।

स्वास्थ्य, ऊर्जा और औद्योगिक भविष्य

'मा योजना' के तहत 7,645 करोड़ रुपये का कैशलेस उपचार, 34 नई औद्योगिक नीतियां और 'राइजिंग राजस्थान' के माध्यम से 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू से स्पष्ट संकेत हैं कि प्रदेश औद्योगिक युग के नए चरण में प्रवेश कर चुका है।

सौर ऊर्जा में मात्र 25 महीनों में 19,209 मेगावाट की बढ़ोतरी, जबकि पिछली सरकार के पाँच वर्षों में यह आंकड़ा 14,878 मेगावाट था। यह अंतर नीति और निर्णय क्षमता को स्पष्ट करता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान ने दो वर्षों में जिस गति, पारदर्शिता और परिणामोन्मुखी शासन का अनुभव किया है, वह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि कार्य संस्कृति में बदलाव का संकेत है। सड़क, बिजली, पानी, कृषि, महिला सशक्तिकरण, युवा रोजगार और कानून-व्यवस्था हर क्षेत्र में आंकड़े बताते हैं कि दो वर्ष बनाम पाँच वर्ष की यह तुलना केवल राजनीतिक दावा नहीं, बल्कि प्रशासनिक उपलब्धि का ठोस प्रमाण है। आगामी तीन वर्षों में विकास की गति को और तेज करने का सरकार का संकल्प यदि इसी तरह आंकड़ों और परिणामों में बदलता रहा, तो राजस्थान का नाम देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित होना केवल लक्ष्य नहीं, बल्कि स्वाभाविक परिणति होगी।

–मदन राठौड़,
सदस्य, राज्यसभा

–पुस्तक समीक्षा–

''सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि''

लेखक : वासुदेव देवनानी, विधानसभा अध्यक्ष, राजस्थान

'सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि' केवल एक राजनेता की जीवनी या विचार-संग्रह नहीं है, बल्कि यह भारतीय सभ्यता, संस्कृति और राष्ट्रबोध को समझने का एक वैचारिक प्रयास है। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने इस पुस्तक के माध्यम से भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन, चिंतन और कार्यों को सनातन संस्कृति की दृष्टि से देखने का सार्थक प्रयास किया है। यह कृति अटल जी के व्यक्तित्व को राजनीतिक सीमाओं से ऊपर उठाकर एक सांस्कृतिक और नैतिक प्रतिमान के रूप में स्थापित करती है।

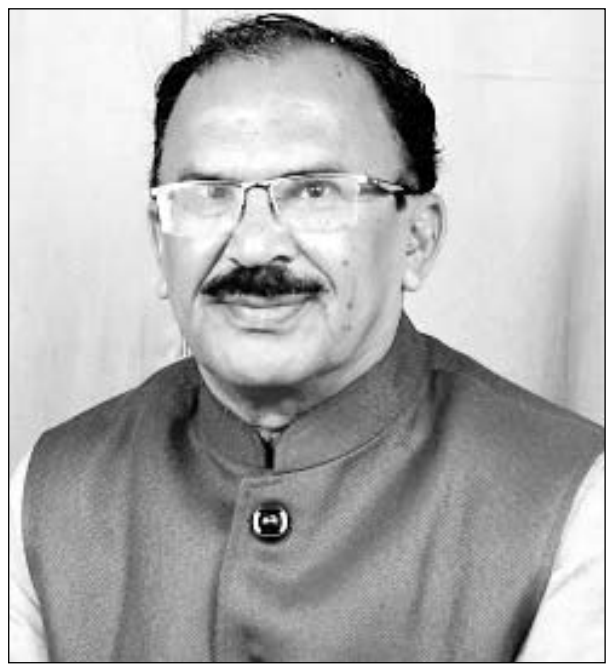

वासुदेव देवनानी, विधानसभा अध्यक्ष, राजस्थान।

पुस्तक का केंद्रीय भाव यह है कि अटल बिहारी वाजपेयी केवल एक कुशल राजनीतिज्ञ या प्रधानमंत्री नहीं थे, बल्कि वे भारतीय सनातन संस्कृति के जीवंत प्रतिनिधि थे। लेखक मानते हैं कि अटल जी की सोच, भाषा, व्यवहार और निर्णयों में भारतीय सभ्यता के शाश्वत मूल्य सहिष्णुता, समन्वय, मानवता, करुणा और राष्ट्रप्रेम स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं। पुस्तक में यह स्थापित किया गया है कि अटलजी का राष्ट्रवाद आक्रामक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक आत्मविश्वास से उपजा हुआ था।

वासुदेव देवनानी अपनी इस पुस्तक में सनातन संस्कृति की परिभाषा को संकीर्ण धार्मिक दायरे से बाहर निकालकर एक व्यापक जीवन-दर्शन के रूप में प्रस्तुत करते हैं। उनके अनुसार सनातन का अर्थ है जो शाश्वत है, जो समय के साथ बदलता नहीं, बल्कि समय को दिशा देता है। अटल बिहारी वाजपेयी इसी सनातन चेतना के वाहक थे। चाहे संयुक्त राष्ट्र में हिंदी में दिया गया उनका ऐतिहासिक भाषण हो या विपक्ष में रहते हुए भी लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन-हर प्रसंग में लेखक सनातन मूल्यों की झलक दिखाते हैं।

पुस्तक की एक बड़ी विशेषता यह है कि इसमें अटल जी के प्रमुख राजनीतिक निर्णयों को सांस्कृतिक दृष्टि से समझने का प्रयास किया गया है। पोखरण परमाणु परीक्षण को केवल सामरिक निर्णय न मानकर लेखक उसे राष्ट्र की आत्मसम्मान और स्वाभिमान से जोड़ते हैं। इसी प्रकार, सड़क, संचार और आधारभूत ढांचे से जुड़ी योजनाओं को 'राष्ट्र निर्माण के यज्ञ' के रूप में देखा गया है। लेखक यह तर्क देते हैं कि अटल जी का विकास मॉडल केवल भौतिक उन्नति तक सीमित नहीं था, बल्कि वह सांस्कृतिक और मानवीय विकास को भी समान महत्व देता था।

शैली की दृष्टि से पुस्तक सरल, प्रवाहपूर्ण और प्रभावशाली है। भाषा न तो अत्यधिक दार्शनिक है और न ही शुष्क राजनीतिक। यही कारण है कि यह पुस्तक सामान्य पाठकों, विद्यार्थियों और युवा पीढ़ी के लिए भी सहज रूप से पठनीय बन जाती है। लेखक का अनुभव और वैचारिक स्पष्टता हर अध्याय में महसूस होती है। कई स्थानों पर अटल जी के विचार, कथन और घटनाएं पाठक को भावनात्मक रूप से भी जोड़ती हैं।

पुस्तक का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि इसमें अटल बिहारी वाजपेयी को एक आदर्श लोकतांत्रिक नेता के रूप में प्रस्तुत किया गया है। लेखक बताते हैं कि सत्ता में रहते हुए भी अटल जी ने कभी अहंकार को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। विरोधियों के प्रति सम्मान, संवाद की संस्कृति और संसदीय मर्यादाओं के प्रति उनकी प्रतिबद्धता आज के राजनीतिक परिदृश्य में और अधिक प्रासंगिक प्रतीत होती है।

पुस्तक अप्रत्यक्ष रूप से यह प्रश्न भी उठाती है कि क्या आज की राजनीति अटल जी के मूल्यों से कुछ सीख लेने को तैयार है? हालाँकि, पुस्तक का वैचारिक झुकाव स्पष्ट है और यह अटल जी के व्यक्तित्व का अत्यंत सकारात्मक चित्र प्रस्तुत करती है। आलोचनात्मक विश्लेषण की अपेक्षा करने वाले पाठकों को यह पक्ष थोड़ा सीमित लग सकता है। फिर भी, पुस्तक का उद्देश्य आलोचना नहीं, बल्कि प्रेरणा देना है-और इस कसौटी पर यह पूरी तरह सफल होती है।

निष्कर्ष रूप में 'सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि' एक प्रेरक, विचारोत्तेजक और समयानुकूल कृति है। यह पुस्तक अटल बिहारी वाजपेयी को समझने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और राष्ट्रचिंतन को भी गहराई से समझने का अवसर देती है। जो पाठक अटल जी के विचारों, सनातन संस्कृति के मूल्यों और भारतीय लोकतंत्र की आत्मा को जानना चाहते हैं, उनके लिए यह पुस्तक अवश्य पठनीय है। यह केवल अटल जी को स्मरण करने की पुस्तक नहीं, बल्कि उनके विचारों को आत्मसात करने का आमंत्रण है।

(पुस्तक समीक्षक-गोपेन्द्र नाथ भट्ट स्वतन्त्र लेखक और सलाहकार विधानसभाध्यक्ष, राजस्थान है।)

जिला कलैक्टर ने ग्राम उत्थान शिविर का किया निरीक्षण

कलैक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि ग्रामीणों को केंद्र व राज्य सरकार की विकास योजनाओं की जानकारी प्रदान कर लाभांवित कराया जाए

अलवर, (निसं)। जिला कलैक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने उपखण्ड क्षेत्र राजगढ़ के गिरदारवर सर्किल ढिगावडा में आयोजित ग्राम उत्थान शिविर का निरीक्षण कर विभिन्न विभागीय योजनाओं से लाभान्वित किसानों को वित्तीय स्वीकृतियां प्रदान की।

जिला कलैक्टर ने शिविर में कृषि, पशुपालन, कॉपरेटिव, राजस्व, ऊर्जा, चिकित्सा विभाग सहित 12 विभागों की लगाई गई स्टालों का निरीक्षण कर शिविरि प्रभारी को निर्देश दिये कि आमजन के मूलभूत कार्यों को शिविर में ही सम्पादित करायें। उन्होंने निर्देश दिये कि यह सुनिश्चित किया जाये कि किसी भी आवेदक को अनावश्यक परेशानी न हो। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि ग्रामीणों को केंद्र व राज्य सरकार की तारबंदी, डिग्गी, पाइपलाइन, फार्म पॉण्ड, फव्वारा एवं ड्रिप, प्लास्टिक मल्च, सौर पंप संयंत्र की स्वीकृतियां, बैलों से खेती करने पर 30 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि, फसल बीमा एवं एमएसपी की जानकारी, आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रदर्शन, सॉइल हेल्थ कार्ड वितरण, सोलर पंप एवं पॉलीहाउस के आवेदन तैयार करने सहित बीज एवं मिनी किट वितरण का सत्यापन, पीएमएफएमई के आवेदन तैयार करना, मुख्यमंत्री कृषक साथी सहायता योजना के आवेदनों का निस्तारण, मुख्यमंत्री किसान निधि का डीबीटी, किसान क्रेडिट कार्ड आवेदन, नवीन गोदाम निर्माण, डीसीएस द्वारा सहकारी बैंक में खाते, स्वयं सहायता समूहों के ऋण, 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान योजना, सहकारिता सदस्यता आवेदन अभियान, सहकारी ऋण योजना की जानकारी एवं कस्टम हायरिंग सेंटर, मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना अंतर्गत पंजीकरण, पशुओं की प्राथमिक चिकित्सा एवं कृमिनाशक औषधि पिलाना, क्लासिकल स्वाइन फीवर रोग प्रतिरोधक टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान, फर्टिलिटी किट का वितरण, पशु आहार एवं खनिज मिश्रण वितरण तथा गौशाला विकास योजनाओं की जानकारी प्रदान कर लाभांवित कराया जाए। उन्होंने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि ग्राम उत्थान शिविरों में पहुंचकर योजनाओं का लाभ लें।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 7 फरवरी, 2026

फाल्गुन मास, कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, चित्रा नक्षत्र रात्रि 2:28 तक, शूल योग रात्रि 11:40 तक, गर करण दिन 2:07 तक, चन्द्रमा आज दिन 1:32 से तुला राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-मकर, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-कुम्भ, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 2:28 से सूर्योदय तक है। रवियोग रात्रि 2:28 से आरम्भ होगा। महापात योग रात्रि 9:37 से रात्रि 2:22 तक है। भद्रा रात्रि 2:55 से आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:35 से 9:57 तक, चर 12:41 से 2:03 तक, लाभ-अमृत 2:03 से 4:47 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 7:13, सूर्यास्त 6:09

मेष
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

मिथुन
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क
परिवार शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यक्तिगत प्रयासों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

तुला
व्यावसायिक यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

धनु
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

मीन
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 36 संख्याः 182 प्रभात अजमेर, शनिवार 7 फरवरी, 2026 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

संसद में कांग्रेस की मुख्य रणनीतिकार के रूप में उभरीं प्रियंका

पहली बार संसद में कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन बेहद असरदार नज़र आया

- सूत्रों ने बताया कि, कहाँ बैनर लगाने हैं, कौनसे नारे बोलने हैं, सब प्रियंका गांधी ने तय किया। यहाँ तक कि अब तक चुप रहने वाले सांसदों को बोलने का अवसर दिया गया।
- इसमें सबसे प्रभावी रूप से उभरे नागालैण्ड के एक सांसद, जिन्हें कोई नहीं जानता था, प्रियंका ने उन्हें किरेन रिजीजू को जवाब देने के लिए आगे किया था, उनका भाषण बहुत प्रभावी रहा।
- सूत्रों ने बताया, प्रियंका गांधी ने ही महिला सांसदों से, प्रधानमंत्री जहाँ बैठते हैं, उस जगह का घेराव करवाया और उनकी ही नीति थी कि कांग्रेस सांसद स्पीकर के कक्ष में जाकर जवाब मांगें। इस प्रभावी रणनीति की वजह से ही पहली बार प्रधानमंत्री लोकसभा में नहीं बोल पाए, उन्हें मजबूरन राज्यसभा में जवाब देना पड़ा।
- सूत्रों ने कहा कि प्रियंका गांधी ही राहुल को भूपिंदर हुड्डा के लंच कार्यक्रम में ले गईं, जो वे हर वर्ष मीडिया व विभिन्न नेताओं के लिए आयोजित करते हैं। इस कार्यक्रम में राहुल और प्रियंका आकर्षण का केन्द्र बने रहे।
- पर, इससे राहुल गांधी के करीबी माने जाने वाले उन नेताओं को अवश्य भारी ईर्ष्या हुई, जो अब तक संसद में पार्टी की गतिविधियों को मैनेज करते रहे हैं।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 फरवरी। प्रियंका गांधी संसद में, खास तौर पर लोकसभा में, कांग्रेस पार्टी की नई ''पॉइन्ट्स पर्सन'' के रूप में उभरकर सामने आई हैं।

पार्टी के उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि नरेन्द्र मोदी और भाजपा के खिलाफ जो विरोध प्रदर्शन हाल के दिनों में देखने को मिले, वे पूरी तरह सुनियोजित और प्रभावी थे, और उनके पीछे मुख्य भूमिका प्रियंका गांधी की रही। बैनर कहां लगाए जाएं, नारे कैसे हों, अब तक चुप और हाशिये पर पड़े सांसदों को साथ लेना, महिला सांसदों को उस बैंच का घेराव करने भेजना, जहां प्रधानमंत्री बैठते हैं, जिसके चलते प्रधानमंत्री लोकसभा में जवाब नहीं दे पाए और उन्हें राज्यसभा में जाना पड़ा, और अंततः स्पीकर के कक्ष तक पहुंच जाना, जिससे वे असहज और शर्मिंदा नज़र आए-यह सब रणनीति का हिस्सा था।

नागालैंड के एक ऐसे सांसद, जिन्हें अब तक न तो खास जाना जाता था और न ही महत्व दिया गया था, ने संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू को जोरदार जवाब दिया, और ऐसे कई अन्य उदाहरण सामने आए।

जहां राहुल गांधी सरकार पर लोकसभा में बोलने की अनुमति न मिलने को लेकर लगातार हमला बोलते

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

असम के मु.मंत्री के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 फरवरी। एक महत्वपूर्ण पहल के तहत, शिक्षाविदों, डॉक्टरों, लेखकों और सेवानिवृत्त नौकरशाहों सहित, 40 से अधिक सूचित नागरिकों (इन्फॉर्म्ड सिटीज़न्स) ने गुवाहाटी उच्च न्यायालय से असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा एक विशेष समुदाय के खिलाफ दिए गए

- 40 से ज्यादा प्रबुद्धजनों, जिनमें डॉक्टर, शिक्षाविद्, लेखक व पूर्व नौकरशाह शामिल हैं, ने हिमन्ता बिस्वा सरमा के खिलाफ अपील की है और हेट स्पीच के लिए स्वतः संज्ञान लेने की मांग की है।

हालिया बयानों पर स्वतः संज्ञान (सुओ मोटो) लेने का आग्रह किया है।

उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि ''संवैधानिक उल्लंघनों के खिलाफ चुप्पी या निष्क्रियता'' से ''स्वयं संविधान की नैतिक प्रामाणिकता क्षीण हो सकती है।

गुरुवार को मुख्य न्यायाधीश अशुतोष कुमार को लिखे पत्र में नागरिकों ने उच्च न्यायालय का ध्यान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बांग्लादेश के हालात पर कब तक तटस्थ रहेगा भारत?

बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ निरंतर बढ़ती हिंसा को लेकर भारत में यह सवाल पूछा जा रहा है

- चुनाव नज़दीक आने के साथ हिंसा और तेज हो गई है। पर, भारत ने अपने बॉर्डर सील कर रखे हैं, बांग्लादेशी हिंदुओं के पास बचने का कोई रास्ता नहीं बचा है।
- लेकिन मुद्दा यह है कि अगर ऐसे ही हिंसा बढ़ती रही तो भारत को अंततः बॉर्डर खोलना पड़ेगा, इससे भारत में भी नई समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 फरवरी। जैसे-जैसे बांग्लादेश में राष्ट्रीय चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है, हिंसा बढ़ रही है, खासकर अल्पसंख्यकों पर हमले तेज हो गए हैं। देश की कुल आबादी का लगभग 8 प्रतिशत हिस्सा रखने वाले हिंदू लगातार बढ़ते हमलों का सामना कर रहे हैं।

भारत के लिए बांग्लादेश में बिगड़ती स्थिति गंभीर चिंता का कारण बन रही है, क्योंकि अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमले भारत में भी तनावपूर्ण हालात पैदा कर रहे हैं। कई लोग यह सवाल उठा रहे हैं कि बांग्लादेशी हिंदुओं और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए भारत को सबसे अच्छा कदम क्या उठाना चाहिए।

अब तक भारत ने अपनी सीमाएं बंद रखी थीं और हमलों का शिकार कोई अल्पसंख्यक अपने उत्पीड़न से बच नहीं पाया था। अगर स्थिति और ज्यादा खराब होती है, तो भारत के लिए सीमाएं खोलना और पीड़ित अल्पसंख्यकों को पार आने देना अपरिहार्य हो सकता है।

ऐसी स्थिति पूर्वी भारत के राज्यों पर भारी दबाव डाल सकती है। जैसे-जैसे बांग्लादेश की हालत दिन-प्रतिदिन खराब हो रही है, भारत को, बढ़ते संकट को रोकने के लिए मामले को अपने हाथ में लेने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

देश कुल मिलाकर अनिश्चितता का सामना कर रहा है और प्रधानमंत्री शेख हसीना के सत्ता छोड़ने के बाद, सत्ता संभालने वाली अंतरिम सरकार शासन की ठीक व्यवस्था देने में बुरी तरह असफल रही है।

आज, शुक्रवार 6 फरवरी को, बांग्लादेश में सरकारी कर्मचारियों ने वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार वेतन संशोधन की मांग को लेकर बड़ा प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन हिंसक हो गया और भीड़ को हटाने के लिए आंसू गैस, साउंड ग्रेनेड और अन्य डराने वाले तरीकों का इस्तेमाल किया गया।

तथापि, गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने पुलिस बैरिकेड तोड़ दिए और अंतरिम सरकार के प्रमुख, मोहम्मद यूनुस के आवास के पास पहुंच गए। जब प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा घेरा तोड़ दिया, तो पुलिस ने उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी।

इस बीच, बांग्लादेश में 12 फरवरी को राष्ट्रीय चुनाव होने वाले हैं और इस्लामी संगठन किसी भी तरह सत्ता हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। इस्लामी जमात पार्टी ज्यादा समर्थन पाने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रैपिड रेल के लिए देश भर में भारी रूझान

दिल्ली के बाद केरल में भी रैपिड रेल योजना को मंजूरी दी गई

- केरल सरकार ने तिरूवनन्तपुरम् और कासरगोड के बीच 583 किलोमीटर लम्बे रैपिड रेल कॉरिडोर को मंजूरी दी, जिसमें मौजूदा मैट्रो सिस्टम को भी जोड़ा जाएगा।
- दिल्ली में अभी नई दिल्ली और मेरठ को जोड़ने वाले रैपिड रेल कॉरिडोर का औपचारिक उद्घाटन होना बाकी है। पर, शहरी आवास एवं नगर विकास मंत्रालय ने दिल्ली-बावल के बीच 93 किलोमीटर के रैपिड रेल कॉरिडोर को मंजूरी दे दी है।
- संसद में प्रस्तुत इकोनॉमिक सर्वे रिपोर्ट में 2900 किलोमीटर लम्बे रेल मार्ग पर रैपिड रेल कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव रखा गया है।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 फरवरी। भले ही नई दिल्ली और मेरठ के बीच 82 किमी दूरी को जोड़ने वाली भारत की पहली रैपिड रेल का औपचारिक उद्घाटन होना अभी बाकी है, लेकिन यह अवधारणा राजनीतिक नेताओं और नीति-निर्माताओं का आकर्षण पैदा कर चुकी है। 29 जनवरी को मेट्रो और शहरी रेल परिवहन की नोडल एजेंसी, आवास और शहरी कार्य मंत्रालय ने पहले चरण में 93 किमी लंबे दिल्ली-बावल रैपिड रेल ट्रांसपोर्ट सिस्टम को मंजूरी दी। इस परियोजना की अनुमानित लागत 32,000 करोड़ रुपये है और इसमें 22 स्टेशन होंगे, जो मानेसर और बावल जैसे औद्योगिक केन्द्रों को सेवा देंगे। दूसरे चरण में बावल से बहरोड़ तक लाइन का विस्तार किया जाएगा। हरियाणा सरकार पहले ही दिल्ली-शाहजहांपुर-नीमराना-बहरोड़ और दिल्ली-पानीपत परियोजनाओं को मंजूरी दे चुकी है।

वामपंथी शासित केरल सरकार ने भी तिरुवनंतपुरम से कासरगोड को जोड़ने वाले 583 किमी लंबे आरआरटीएस कॉरिडोर के निर्माण की योजना को स्वीकृति दी है, जिसमें मौजूदा मेट्रो प्रणालियों के साथ एकीकरण की योजना है और चरणबद्ध

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रशांत किशोर की याचिका खारिज

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर द्वारा स्थापित जन सुराज पार्टी की उस याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि 2025 के बिहार

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा, चुनाव हारने के बाद आप चुनाव को रद्द करवाना चाहते हैं, जब यह योजना चल रही थी, तब हमारे पास कोई नहीं आया, और वैसे भी आपको हाई कोर्ट जाना चाहिए।

विधानसभा चुनावों से पहले मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए एक राज्य कल्याण योजना का दुरुपयोग किया गया था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

देश के लिए पदक जीत चुके पैरालंपिक खिलाड़ी निहाल सिंह को ढाई साल बाद भी नियुक्ति नहीं

राजस्थान सरकार के युवा मामलात एवं खेल विभाग ने उन्हें 29 सितंबर 2023 को ''असिस्टेंट एक्साइज़ ऑफिसर'' के पद पर नियुक्ति देने की घोषणा की थी

- हैरानी की बात यह है कि आबकारी विभाग ने पद नहीं होने का हवाला देकर निहाल सिंह को नौकरी देने से मना कर दिया।
- पिछले ढाई साल में सरकार और कोर्ट में लगातार चक्कर काटने के बावजूद पीड़ित को न्याय नहीं मिला, जबकि, हाई कोर्ट में भी कई बार सुनवाई हो चुकी है।
- निहाल सिंह का कहना है कि, राजस्थान सरकार ने पैरालंपिक खिलाड़ी, अवनी लेखरा, सुंदर गुर्जर और देवेन्द्र झांझड़िया को तो ''असिस्टेंट कन्ज़र्वेटर फॉरेस्ट'' के पद पर नियुक्तियां दे दीं, परंतु मेरे साथ भेदभाव किया जा रहा है।''

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 6 फरवरी। भारत की ओर से पेरिस पैरालंपिक गेम्स-2024 तथा एशियन पैरा गेम्स 2023 में भाग लेकर मैडल जीत चुके निहाल सिंह को राजस्थान सरकार ने ढाई साल बाद भी ''असिस्टेंट एक्साइज़ ऑफिसर'' के पद पर नियुक्ति नहीं दी है। जबकि खेल एवं युवा मामलात मंत्रालय ने उनकी नियुक्ति के लिए 29 सितंबर 2023 को ही आदेश जारी कर दिए थे। परंतु ढाई साल बाद भी राज्य सरकार के वित्त, आबकारी और अन्य संबंधित विभागों द्वारा इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की गयी। ऐसे में अब निहाल सिंह ने राजस्थान हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। इस प्रकरण में न्यायाधीश समीर जैन ने सुनवाई के बाद मामले की अगली तारीख 9 फरवरी तय की है। उन्होंने इस मामले को पूरक सूची (सप्लीमेंट्री लिस्ट) में सूचीबद्ध किया है, ताकि मामले की सुनवाई अवश्य हो।

इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता तनवीर अहमद पैरवी के लिए पेश हुए। उन्होंने अदालत को बताया कि निहाल सिंह, भारत की पैरालंपिक टीम के सदस्य हैं। उनकी टीम ने 20 से ज्यादा पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है। वे खुद भी पेरिस पैरालंपिक गेम्स-2024 तथा एशियन पैरा गेम्स 2023 में भाग लेकर मैडल जीत चुके हैं। उनकी इस उपलब्धि पर राजस्थान सरकार ने उन्हें ''ए-श्रेणी'' के खिलाड़ियों में दर्ज किया था। साथ ही गत 29 सितंबर 2023 को ''असिस्टेंट एक्साइज़ ऑफिसर'' के पद पर नियुक्ति देने की घोषणा की थी। परंतु 4 दिसंबर 2023 को ही अतिरिक्त आबकारी आयुक्त ने पद नहीं होने का हवाला देकर नियुक्ति देने से इनकार कर दिया। इसके बाद जब मामला विशेष योग्यजन आयुक्त के पास पहुंचा तो उन्होंने 12 नवंबर 2024 को आबकारी कमिश्नर को पत्र लिखकर इस संबंध में नियुक्ति की कार्रवाई करने के लिए कहा। परंतु

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एसओजी ने पटवार परीक्षा के मूल अभ्यर्थी व उसके डमी को गिरफ्तार किया

जयपुर, 6 फरवरी। पटवारी भर्ती परीक्षा-2021 में फर्जीवाड़े के सम्बंध में एसओजी ने बड़ा खुलासा किया है। एसओजी ने धोखाधड़ी कर पटवारी बने

- वर्ष 2021 में डमी से परीक्षा दिलाकर गीतेश जादौन का फर्ज़ी तरीके से चयन हो गया और वह सरकारी सेवा में कार्यरत भी हो गया।

मूल अभ्यर्थी और उसके स्थान पर परीक्षा देने वाले डमी कैंडिडेट (फर्जी अभ्यर्थी), दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि वर्ष 2021 की पटवार भर्ती परीक्षा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ में बदलाव अचानक नहीं हुआ

यह लम्बी चली बैक चैनल वार्ताओं, अहम् के टकराव, रणनीतिक तालमेल की कहानी है

- बाज़ार जिसे बड़ी सफलता बता रहे हैं, वह असल में खुले टकराव के बाद आई कूटनीतिक शांति का नतीजा है।
- भारत व अमेरिका के बीच पिछले साल भारी तनाव उत्पन्न हो गया था, जब डॉनल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत दंडात्मक टैरिफ लगाया था। उन्होंने भारत पर, बाज़ार, खासकर कृषि एवं डेयरी सैक्टर, नहीं खोलने व रूस से तेल खरीदकर यूक्रेन युद्ध को फंड देने का आरोप लगाया।
- पर, भारत ने इसके लिए टकराव के बजाय बातचीत से समाधान का रास्ता चुना, साथ ही यह संकेत भी दिया कि भारत किसी दबाव में नहीं आएगा। धीरे-धीरे भारत के रणनीतिक प्रयासों का असर दिखने लगा और ट्रंप का रूख नरम पड़ा और अंततोगत्वा उन्होंने 18 प्रतिशत टैरिफ के साथ ट्रेड डील घोषित कर दी।
- लेकिन ध्यान देने वाली महत्वपूर्ण बात यह है कि टैरिफ में बदलाव भारत की मंज़िल नहीं है, यह मंज़िल के रास्ते का एक पड़ाव अवश्य है, अभी एक लंबा रास्ता तय करना है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 फरवरी। भारत-अमेरिका टैरिफ रीसेट अचानक नहीं हुआ, यह पीछे के दरवाज़ों, आहत अहंकार और रणनीतिक पुनर्संतुलन के जरिए धीरे-धीरे सामने आया। बाजारों ने जिसे बड़ी उपलब्धि बताया, वह असल में खुले टकराव के बाद, शांत कूटनीति का परिणाम था और यह इस बात की याद दिलाता है कि भारत का पश्चिमी देशों के साथ तालमेल न तो अपने-आप होता है और न ही बिना शर्त होता है।

इस तनाव की झलक पिछले साल दिखी, जब अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत तक दंडात्मक टैरिफ लगा दिए। उन्होंने नई दिल्ली पर ज्यादा संरक्षणवाद अपनाने और कच्चे तेल की खरीद के जरिए रूस के युद्ध को फंड देने का आरोप लगाया। इसके बाद सार्वजनिक बयानबाजी भी हुई, जिसमें भारत को मरी हुई अर्थव्यवस्था कहा गया। हालांकि, पर्दे के पीछे, नई दिल्ली ने टकराव की जगह संबंध सुधारने का रास्ता चुना। सितंबर में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को स्पष्ट संदेश के साथ वॉशिंगटन भेजा गया कि भारत दबाव में नहीं आएगा, लेकिन वह रिश्ते को स्थिर करना चाहता है। भारत ने आकलन किया कि ट्रंप अस्थायी हो सकते हैं, लेकिन अमेरिकी पूंजी, तकनीक और रणनीतिक सहयोग स्थायी हैं।

संबंधों में सुधार धीरे-धीरे हुआ। ट्रंप द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिन पर किया गया फोन और उसके बाद हुई नेता स्तर की कई बातचीत ने संबंध सुधार के संकेत दिए। इसका औपचारिक नतीजा इस सप्ताह सामने आया। भारतीय निर्यात के ज्यादातर सामानों पर अमेरिकी टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया, रूसी तेल से जुड़े अतिरिक्त दंड को हटा दिया गया और द्विपक्षीय व्यापार वार्ता को नई गति मिली। भारत के लिए, जो अपने कुल निर्यात का लगभग पांचवां हिस्सा अमेरिका भेजता है, यह राहत वास्तविक है।

लेकिन यह पूरी जीत नहीं थी और न ही कोई व्यापक समझौता था। टैरिफ दरों का यह पुनर्निर्धारण सीमित है। स्टील, एल्युमिनियम और तांबा अभी भी सेक्शन 232 के तहत 50 प्रतिशत टैरिफ में फंसे हुए हैं। कई ऑटो पार्ट्स पर अभी भी लगभग 25 प्रतिशत शुल्क लगता है। यह छूट नहीं मिलने से उन मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्रों को नुकसान होता है, जिन्हें भारत उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन योजनाओं के जरिए बढ़ाना चाहता है। चीन से सप्लाई-चेन को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट जज ने जिंदा बम प्रकरण की सुनवाई से खुद को अलग किया

जयपुर, 6 फरवरी। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ के एक जज ने शहर में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के बीच जिंदा मिले बम को लेकर मिली आजीवन कारावास की सजा के खिलाफ अपील पर सुनवाई से स्वयं को

- जस्टिस शर्मा सीरियल बम ब्लास्ट पर खंडपीठ का हिस्सा रह चुके हैं।

अलग कर लिया। ऐसे में एक्टिंग सीजे अन्य खंडपीठ का गठन करेंगे।

दरअसल, सरवर आजमी और शाहबाज हुसैन की अपील पर सुनवाई के दौरान खंडपीठ के जज समीर शर्मा ने स्वयं को अलग कर लिया। जस्टिस समीर जैन उस खंडपीठ का हिस्सा रहे हैं, जिन्होंने पूर्व में सीरियल बम ब्लास्ट मामले में आरोपियों को निचली अदालत से मिली फांसी की सजा को रद्द करते हुए उन्हें बरी कर दिया था।

संत, मुनि और महंत समाज को दिशा देते हैं : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लाडनूं में सुधर्मा सभा प्रवचन हॉल का लोकार्पण किया व आचार्यश्री महाश्रमण से आशीर्वाद लिया

डीडवाना-कुचामन, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जैन धर्म केवल एक धर्म नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक पूर्ण कला है। इस धर्म के पंच महाव्रत आज के भौतिकवादी युग में भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने सदियों पहले थे। उन्होंने कहा कि संत, मुनि, महंत समाज को दिशा देने का काम करते है तथा हमारी समृद्ध संस्कृति को दुनियाभर में पहुंचाते है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखते हुए उसे नई पीढ़ी तक पहुंचाया जाए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को लाडनूं के जैन विश्व भारती परिसर में आयोजित सुधर्मा सभा प्रवचन हॉल के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

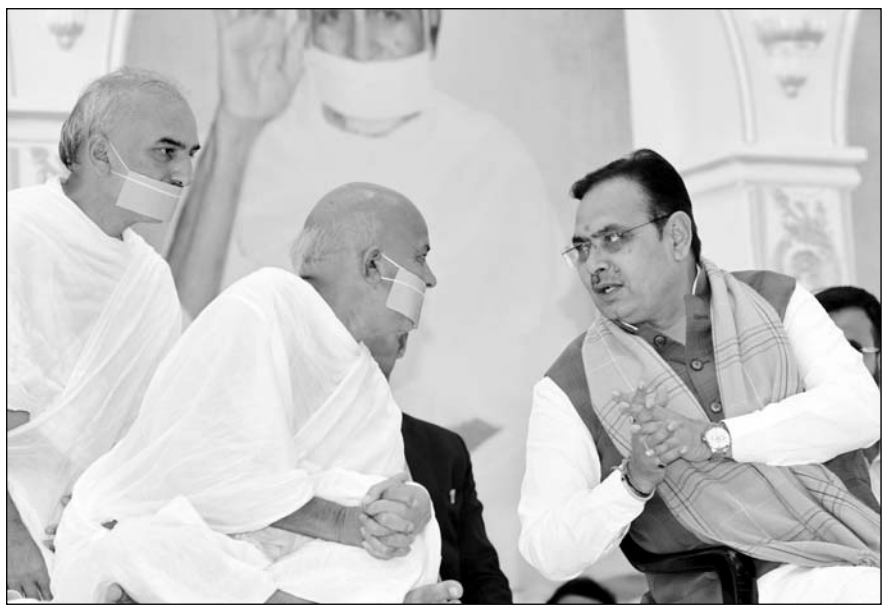

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आचार्यश्री महाश्रमणजी से आशीर्वचन प्राप्त किए।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जैन दर्शन ने ''जियो और जीने दो'' का जो मूलमंत्र दिया है, वह आज पर्यावरण संरक्षण का सबसे बड़ा आधार बन चुका है

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी का पधारना राजस्थान के लिए अत्यंत सम्मान और गौरव का विषय है। जैन विश्व भारती द्वारा आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में सुधर्मा सभा का लोकार्पण भी हो रहा है। यह आने वाले समय में मानवीय मूल्यों और धार्मिक शिक्षा का एक प्रमुख केंद्र बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जैन धर्म अहिंसा का संदेश देकर प्रकाश स्तंभ की तरह मानवता को दिशा दिखा रहा है। जैन दर्शन ने 'जियो और जीने दो' का जो मूलमंत्र दिया है, वह आज पर्यावरण संरक्षण का सबसे बड़ा आधार बन चुका है। उन्होंने कहा कि इस धर्म की यह विशेषता रही है कि इसने हमेशा प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर चलने की शिक्षा दी है। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन से चिंतित है, तब जैन धर्म के सिद्धांत हमें यह बताते हैं कि संयम और सादगी के बिना मानवता का भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी मानवीय मूल्यों के जीवंत प्रतीक हैं। इनकी साधना, ज्ञान और त्याग लाखों लोगों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। इन्होंने अपना संपूर्ण जीवन मानव कल्याण और धर्म प्रचार के लिए समर्पित कर दिया है। उन्होंने कहा कि आचार्यजी ने जैन धर्म की प्राचीन परंपराओं को आधुनिक समय के साथ जोड़कर एक नई दिशा दी है। उनका यह योगदान केवल जैन समाज के लिए नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए वरदान है। उनकी शिक्षाओं में जो सरलता और व्यावहारिकता है, वह हर वर्ग के लोगों तक पहुँचती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जैन विश्व भारती ने पिछले कई दशकों में धर्म, शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में अविस्मरणीय योगदान दिया है। आचार्य तुलसी के बाद आचार्य महाप्रज्ञ ने इस परंपरा को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि इस संस्थान ने जैन दर्शन का प्रचार-प्रसार के साथ ही आधुनिक शिक्षा को मानवीय मूल्यों के साथ जोड़कर एक नई दिशा दी है। यहाँ संचालित शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान के साथ जीवन जीने की कला भी सिखाई जाती है। विश्व भारती ने अहिंसा और शांति के संदेश को घर-घर तक पहुँचाने का काम किया है। यह संस्थान विदेशों में भी भारतीय संस्कृति और जैन दर्शन का प्रतिनिधित्व कर रहा है। उन्होंने कहा कि सुधर्मा सभा मानवीय मूल्यों का एक मंदिर है। यहाँ से सत्य, अहिंसा और करुणा का संदेश दूर-दूर तक फैलेगा। इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आचार्यश्री महाश्रमणजी से आशीर्वचन प्राप्त किए। शर्मा ने जैन विश्व भारती में नवनिर्मित सुधर्मा सभा प्रवचन हॉल का लोकार्पण किया। इस अवसर पर साध्वी प्रमुखा विश्रुत विभा, मुनि महावीर कुमार, साध्वी वर्या सम्बुद्ध यशा, जैन विश्व भारती के अध्यक्ष अमरचंद लुंकड़ सहित जैन मुनि साध्वी, जैन विश्व भारती के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

पावटा में महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

पावटा, (निसं)। क्षेत्र में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। महिला अपने ससुराल स्थित घर में फांसी के फंदे पर लटकी हुई मिली। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। वहीं पीहर पक्ष ने महिला की मौत को संदिग्ध बताते हुए ससुराल पक्ष के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है।

प्रागपुरा थाना प्रभारी भजनाराम ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतका रेखा का विवाह कृपा शंकर निवासी भांकरी के साथ वर्ष 2004 में हुआ था। उनके परिवार में दो पुत्रियां तनुजा (18) व ज्योति (12) तथा एक पुत्र ब्रजेश (15) है। मृतका महिला के भाई घनश्याम पुत्र फूलचंद निवासी मोरोड़ी ने मामला दर्ज कराते हुए ससुराल पक्ष पर दहेज की मांग, मारपीट और प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं। परिजनों ने आशंका जताई है कि घटना को आत्महत्या का रूप दिया गया है। महिला को ससुराल पक्ष द्वारा लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। परिजनों का कहना है कि उनकी बेटी की मौत आत्महत्या नहीं बल्कि संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। पीहर पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने ससुराल पक्ष के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रागपुरा थाना प्रभारी भजनाराम का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच में जुटी हुई है। पुलिस ने शव को अस्पताल पहुंचाया, जहां पोस्टमार्टम के बाद दोनों पक्षों की सहमति के बाद शव ससुराल पक्ष को सौंप दिया।

सड़क हादसे में तीन की मौत

उदयपुर, (कासं)। जिले के कुराबड़ थाना क्षेत्र में आमने-सामने दो बाइक की भिड़ंत में घायल दो युवकों सहित तीन जनों की मौत हो गई।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरूवार रात में कुराबड़ थाना क्षेत्र लाली वली से अडिंदा रोड़ पर दो बाइक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक चालक हुक्मीचंद (22) पुत्र शंकरलाल निवासी लाली वली, साथी हेमराज (17)पुत्र चेनराम निवासी लालीवली कुराबड़ तथा चेतन (20) पुत्र मोहनलाल मीणा निवासी वासा थाना गींगला सलूम्बर की मौत हो गई। हुक्मीचंद के साथ हेमराज बाइक पर लालीवली से अडिंदा की तरफ जला रहे थे। जहां बीच रास्ते में सामने से आ रही चेतन की बाइक से भिड़ंत हो गई। हादसे में गंभीर घायल तीनों को एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया। जहां उनकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर एएसआई भगवतसिंह ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक शिक्षा, जालोर

क्रमांकः- जिशिअ / मु./माध्य./जा/लेखा/2026/66 दिनांक-04.02.2026

ई- निविदा सूचना संख्या-4/बोर्ड परीक्षा 2026

इस कार्यालय से बोर्ड परीक्षा-2026 के परीक्षा केन्द्रो की वीडियोग्राफी प्रतिष्ठित फर्मो/अनुभवी वीडियोग्राफर से कराने हेतु ई- निविदा जारी की जाती है जिसकी अनुमानित लागत 25 लाख रूपये है। ई-निविदा दिनांक 09-02-2026 को दोपहर बाद 12:30 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 09-02-2026 को दोपहर बाद 01:30 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी। निविदा संबंधी विस्तृत विवरण htpp://sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। इन निविदाओं में भाग लेने वाले संवेदको को निविदा इलेक्ट्रोनिक फॉरमेट में वेबसाईट htpp://eproc.rajasthan.gov.in पर जमा करवानी होगी।

UBN NO. EDU2526SLOB00133

जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक, जालोर

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड, बाड़ी

पता :- बाईपास किला बाडी-328021 फोन नं. 05647-274684 ई मेल-ee pwdbari@rediffmail.com

क्रमांकः 1050-53 UBN No. PHD2526RFP0005 दिनांकः 27.01.2026

निविदा सूचना संख्या : 10/2025-2026

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से बाडी जिला धौलपुर में कुल 2 नं. पर सडक कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों, राज्य सरकार के अन्य विभागों में पंजीकृत ''एए ''ए''बी''सी'' एवं डी'' श्रेणी संवेदकों एवं केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजसथान सरकार के ''एए'',''ए''बी''सी'' एवं डी'' श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण वेबसाईट "www.eproc.dipronline.org" व http://www.pwd.rajasthan.gov.in/, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं "www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

(पूरन सिंह) अधिशाषी अभियन्ता सानिवि खण्ड बाडी

DIPR/C/2451/2026

TEL NO:-07469-230595 EMAIL:- xenphedhnd@yahoo.in

कार्यालय अधिशाषी अभियंता जन स्वा0 अभि0 विभाग खण्ड हिण्डौन

Notice Inviting Bid

Bids for Various work in PHED Dn. Hindaun is invited from interested bidders. Other particulars of the bids may be visited on the procurement portal sppp.raj.nic.in of the state and http://eproc.rajasthan.gov.in departmental website. NIB No. PHE2526A5746

S.No.	NIT No.	UBN No.
1.	40/2025-26	PHE2526SLOB12051
2.	41/2025-26	PHE2526WSOB12054
3.	42/2025-26	PHE2526WSOB12055
4.	43/2025-26	PHE2526WSOB12056
5.	44/2025-26	PHE2526WSOB12057
6.	45/2025-26	PHE2526WSOB12058

S.No.	Total Work	
1.	Total Estimated Cost	15.86 Lacs
2.	Tender Submission Start Date	04.02.2026 Upto 12:00 PM
3.	Tender Submission End Date	12.02.2026 Upto 6:00 PM
4.	Technical Bid Opening Date	13.02.2026 Upto 12:00 PM

(जय नारायण चेतीवाल) अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा. अभियांत्रिक विभाग, खण्ड हिण्डौन सिटी

DIPR/C/1981/2026

7.83 लाख का डोडा-चूरा जब्त, तीन गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। बपावर कला पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान कार्रवाई करते हुए एक कार से तलाशी के दौरान अवैध मादक पदार्थ 52.200 किलोग्राम डोडा-चूरा बरामद किया। अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा की अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 7 लाख 83 हजार रूपये करीब बताई गई है। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि ग्रामीण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकल्याण मीणा के निर्देशन में पुलिस उप अधीक्षक सांगोद नरेन्द्र जैन के सुपरविजन में थानाधिकारी मदनलाल ढाका के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने बारां-झालावाड़ राष्टीय राजमार्ग खानपुर तिराहा पर नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग की। वाहन चैकिंग के दौरान एक कार की तलाशी लेने पर कार में से अवैध मादक पदार्थ 52.200 किलोग्राम डोडा-चूरा बरामद हुआ। पुलिस ने कार्रवाई कर माल एवं कार को जब्त किया।

अलवर में भाई ने कुल्हाड़ी से हमला कर भाई की हत्या की

अलवर, (निसं)। अलवर में पेड़ काटने को लेकर हुए विवाद में भाई ने कुल्हाड़ी से हमला कर भाई की हत्या कर दी।

बेटा अपने पिता को बचाने पहुंचा तो आरोपियों ने उस पर भी हमला कर दिया। हमले में परिवार की तीन महिलाओं को भी चोटें आई हैं। हत्या के बाद आरोपी और उसका परिवार फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और सबूत जुटाए और लोगों से भी घटना की जानकारी ली। हत्या के बाद गांव में तनाव का माहौल है। मामला बगड़ तिराया थाना इलाके का है।

- पिता को बचाने पहुंचे बेटे पर भी आरोपियों ने हमला कर दिया, तीन महिलाओं को भी चोटें आई हैं
- हत्या के बाद आरोपी और उसका परिवार फरार हो गया, सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची

अकरम हुसैन निवासी बेरे गांव ने बताया कि एक दिन पहले मेरे पिता के चचेरे भाई फकरु और उसके बेटों ने हमारे नीम के पेड़ की डालियां काट दी थी, जिसे लेकर कहासुनी हुई थी। सुबह नौ बजे फकरू अपने बेटों और परिवार के साथ में दोबारा पेड़ काटने आया। मेरे पिता बली (65) ने विरोध किया तो फकरु ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया, जिसके कारण उनके सिर से खून बहने लगा।

हुसैन ने बताया कि विवाद होने पर मैं मौके पर पहुंचा तो उन लोगों ने मुझ पर भी हमला कर दिया। मेरे सिर में भी गंभीर चोट आई है, परिवार की तीन महिलाएं भी घायल हो गई। पिता को गंभीर हालत में अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन ज्यादा खून बहने के कारण उनकी मौत हो गई।

मृतक के भाई इमामुद्दीन ने बताया कि घर और खेत के पास स्थित एक नीम का पेड़ बली के हिस्से में आता था, लेकिन फकरू जबरन पेड़ काटना चाहता था।

इसको लेकर पिछले कई दिनों से दोनों के बीच कहासुनी चल रही थी। फकरू ने शुक्रवार सुबह पेड़ काटना शुरू कर दिया। बली ने उसे रोकने की कोशिश की तो फकरू ने कुल्हाड़ी के सिर पर हमला कर दिया।

इमामुद्दीन ने बताया कि कुल्हाड़ी बली के सिर में फंस गई थी और खून बहने लगा था। हमले के बाद फकरू और उसका परिवार भाग गया। हमने बली के सिर से कुल्हाड़ी निकाली और गंभीर हालत में अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बगड़ तिराया थाना पुलिस ने बताया कि मामले में अस्पताल में मौजूद परिजनों से रिपोर्ट ली गई है।

घटना के बाद आरोपी और उसका परिवार फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है।

कार्यालय जिला खेल अधिकारी, करौली

क्रमांकः पंच गौरव/खेल/निविदा/2025-26/211 दिनांक-30.01.2026

निविदा सूचना संख्याः 01/2025-26

पंच गौरव खेल के अन्तर्गत मुंशी त्रिलोक चंद माथुर स्टेडियम एवं राजीव गांधी खेल संकुल, करौली में हाई मास्ट लाईट कार्य हेतु केन्द्र / राज्य सरकार में विद्युत कार्य के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों द्वारा विद्युत कार्योंहेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेंगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.dipr.rajasthan.gov.in http://www.sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा की कुल लागत	राशि 60.00 रू लाख
कुल धरोहर राशि	अनुमानित लागत की दो प्रतिशत अथवा नियमानुसार
निविदा आवेदन / डाउनलोड करने की तारीख व समय	31/01/2026से 10/02/2026 दोपहर 1.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा जमा कराने की तारीख व समय	31/01/2026 से 10/02/2026 दोपहर 1.00 बजे तक
तकनिकी बिड खोलने की तारीख व समय	10/02.2026 अपरांह 03.00 बजे से

NIB NO. CKL2526A0020 UBN NO. CKL2526WSOB00030

जिला खेल अधिकारी करौली

DIPR/C/2403/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा.अभि. विभाग खण्ड सॉचौर

एन.एच. 68, PHED Campus, सॉचौर (जालोर)

Te. Pho. No 02979-283624 E-mail. eephedscr@gmail.com

क्रमांकः अ.अ./ जन स्वा./ सॉ/ निविदा/2025-26/1598 दिनांकः- 27/01/2026

निविदा सूचना संख्या - 14/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से खण्ड सॉचौर के अधीन विभिन्न कार्य कराने हेतु लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया में ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

कार्यालय का नाम व स्थान	अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वा. अभि. विभाग खण्ड सांचौर
निविदा का कार्य	Annual Rate contract for Transportation of water.(Block Sanchore and Chitalawa); Rewinding of Mono Block pump and-leakage removal
निविदा की कुल लागत (राशि लाखो में)	कुल निविदा 25 रु. 286.00 लाख
निविदा प्रपत्र वेबसाईड पर उपलब्ध एवं ऑन लाईन सबमिट की दिनांक	27.01.2026 से 16.02.2026 को 13.00 बजे तक
निविदाएं खोलने की तिथी व समय	17.02.2026 को 15.00 बजे से
UBN No	PHE2526WSRC11939, PHE2526WSRC11940, PHE2526WSRC11941, PHE2526WSRC11942, PHE2526WSRC11943, PHE2526WSRC11944, PHE2526WSRC11945, PHE2526WSRC11946, PHE2526WSRC11947, PHE2526WSRC11948, PHE2526WSRC11949, PHE2526WSRC11950, PHE2526WSRC11951, PHE2526WSRC11952, PHE2526WSRC11955, PHE2526WSRC11957, PHE2526WSRC11958, PHE2526WSRC11960, PHE2526WSRC11963, PHE2526WSRC11965, PHE2526WSRC11971, PHE2526WSRC11976, PHE2526WSRC11979, PHE2526WSRC11983, PHE2526WSRC119784, PHE2526WSRC119786

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाइट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://dipr.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा एवं भरा जा सकता है। शुद्धि पत्र केवल वेबसाईड पर ही अपलोड किये जायेगे।

(पृथ्वीसिंह) अधिशाषी अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, खण्ड सॉचौर

DIPR/C/1963/2026

Jodhpur Development Authority, Jodhpur

E-Auction Programme of Residential, Commercial & Farm House Plots in Jodhpur (FEB. -MAY. 2026)

क्रमांक :–एफ46 / नीलामी / 2026 / फरवरी / **20349231** दिनांक :– 05.02.2026

भूखण्डों की भव्य ई–नीलामी
दिनांक 25.02.2026 से 07.05.2026 तक

150 आवासीय, व्यावसायिक एंव फार्म हाउस भूखण्ड

राजीव गांधी नगर में कुल भूखण्ड (190.80 वर्ग मीटर से 352 वर्ग मीटर) — 15

ग्राम उजलिया, फार्म हाउस में कुल भूखण्ड (1500 वर्ग मीटर से 2580.22 वर्ग मीटर) — 10

खसरा संख्या–701 ग्राम चौखा में कुल भूखण्ड (72 वर्ग मीटर से 340.77 वर्ग मीटर) — 09

पंडित दीन दयाल उपाध्याय विहार में कुल भूखण्ड (41.82 वर्ग मीटर से 198.99 वर्ग मीटर) — 20

अरणा विहार ग्राम बड़ली में कुल भूखण्ड (324 वर्ग मीटर से 351 वर्ग मीटर) — 10

झरणा विहार ग्राम बड़ली में कुल भूखण्ड (150 वर्ग मीटर से 172.5 वर्ग मीटर) — 10

महात्मा गांधी नगर में कुल भूखण्ड (167.29 वर्ग मीटर से 306.56 वर्ग मीटर) — 05

मण्डलनाथ आवास में कुल भूखण्ड (72.49 वर्ग मीटर से 354.08 वर्ग मीटर) — 14

विज्ञान नगर में कुल भूखण्ड (92.00 वर्ग मीटर से 679.83 वर्ग मीटर) — 30

सुन्दर सिंह भण्डारी नगर में कुल भूखण्ड (41..81 वर्ग मीटर से 462.12 वर्ग मीटर) — 25

पंडित दीन दयाल उपाध्याय नगर बासनी तम्बोलिया में कुल भूखण्ड (250.83 वर्ग मीटर से 501.66 वर्ग मीटर) — 02

ईएमडी जमा दिनांक
25 फरवरी 2026 से प्रारम्भ

ऑनलाईन बिड
प्रारम्भ तिथिः 25 फरवरी 2026
अंतिम तिथिः 07 मई 2026

राज.संवाद / सी / 24 / 19366

प्रभारी अधिकारी (नीलामी शाखा) जोधपुर विकास प्राधिकरण जोधपुर

अधिक जानकारी के लिए QR स्कैन करें।

निदेशक वित्त जोधपुर विकास प्राधिकरण जोधपुर
फोनः– 0291–2656355, 2656356

नीलामी के समस्त भूखण्डों की विस्तृत जानकारी एंव नीलामी की शर्तें जोधपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट : joda.rajasthan.gov.in पर देखें या कार्यालय में सम्पर्क करें।
नीलामी की प्रक्रिया SSO ID के जरिये Urban Services के माध्यम से की जाएगी।

आर्मी जवान ने व्यापारी से मांगी थी दो करोड़ की फिरौती

श्रीगंगानगर, (निसं)। छुट्टी पर घर आया आर्मी का जवान दो करोड़ की फिरौती मांगने का मास्टरमाइंड निकला। साथी के साथ मिलकर उसने राहगीरों से मोबाइल लूटे और फिर अलग-अलग नंबरों से व्यापारी को धमकी देकर दो करोड़ की फिरौती मांगी थी।

व्यापारी को धमकाने के बाद आरोपी उन मोबाइल को फेंक देते थे, ताकि ट्रेस न हो सके और पुलिस की पकड़ में नहीं आए। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी मदद से जानकारी जुटाकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मामला रामसिंहपुर और श्रीविजयनगर थाना इलाके का है।

एसपी डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि 28 जनवरी को श्रीविजयनगर थाना क्षेत्र के एक व्यापारी को फोन पर धमकी भरा कॉल आया। फोन करने वाले ने व्यापारी से दो करोड़ रुपए फिरौती मांगी थी और नहीं देने पर बेटे को जान से मारने की धमकी दी।

एसपी ने बताया कि व्यापारी की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने फोन लूटकर व्यापारी से 2 करोड़ मांगने वाले आर्मी के जवान गुरलाल सिंह उर्फ लाली (33) निवासी तरनतारन (पंजाब) और दिलप्रीत सिंह (18) निवासी 47 जीबी, रामसिंहपुर (श्रीगंगानगर) को गिरफ्तार किया है।

एसपी ने बताया कि पूछताछ में खुलासा हुआ कि वारदात का मास्टरमाइंड आरोपी गुरलाल सिंह एक फौजी है, जो जम्मू-कश्मीर में तैनात है। वह चार-पांच दिन पहले छुट्टी लेकर दिलप्रीत सिंह के पास आया और दो करोड़ की फिरौती की पूरी प्लानिंग रची।

अमृता दुहन ने बताया कि जांच में सामने आया कि आरोपियों ने 28 जनवरी को रावला-खाजूवाला रोड पर ओमप्रकाश का मोबाइल लूटा और उसी से व्यापारी को धमकी दी। इसके बाद 30 जनवरी को सूरतगढ़-अनूपगढ़ रोड पर ढाबे से फोन लूटकर धमकी दी गई। 31 जनवरी को रामसिंहपुर थाना क्षेत्र में करनैल सिंह का फोन लूटा। 1 फरवरी को चन्दूराम का फोन लूटकर फिर से व्यापारी को धमकी दी।

फौजी ने लूटे फोन से ही कॉल करके फिरौती की मांग की। पुलिस ने मोबाइल लूट की घटनाओं को गंभीरता से लिया और सर्विलांस, सीसीटीवी फुटेज के साथ ही मुखबिरों की सूचनाओं के आधार पर जांच शुरू की और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

जांच में सामने आया कि आरोपी दिलप्रीत व्यापारी के यहां काम कर रहा था। गुरलाल की दिलप्रीत से जान-पहचान थी। गुरलाल को पैसों की जरूरत थी तो उसने दिलप्रीत के साथ मिलकर व्यापारी से फिरौती मांगने की प्लानिंग की।

राजस्थान सरकार

कार्यालय जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) (पंचायत) करौली

क्रमांक :- पं0अ0चु0/2026/318 दिनांकः- 02/02/2026

ई - बोली सूचना संख्या-11-22/2025-26

पंचायत आम चुनाव 2026 के लिए निम्नांकित समाग्री आपूर्ति / व्यवस्था कार्य के लिए इच्छुक फर्मों www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajsthan.gov.in प्रक्रिया द्वारा ऑनलाईन बोलियों निर्धारित प्रपत्र में आंमत्रित की जाती है।

क्र. सं.	बोली सूचना संख्या	सामग्री/व्यवस्था का नाम	अनुमानित राशि (लाखों)	Mode	UBN No.
1	11	स्टेशनरी/लेखन सामग्री की आपूर्ति	09.50	Offline	CKL2526 GSOB00017
2	12	मतदान / मतगणना सामग्री आपूर्ति	30.00	Offline	CKL2526 GSOB00018
3	13	माईक व्यस्तस्था	09.50	Offline	CKL2526 GSOB00019
4	14	कम्प्यूटर उपकरण/ स्टेशनरी की आपूर्ति	09.50	Offline	CKL2526 GSOB00020
5	15	फोटो स्टेट कार्य एवं पेन ड्राइव का कार्य	09.50	Offline	CKL2526 GSOB00021
6	16	मुद्रण कार्य	09.50	Offline	CKL2526 GSOB00022
7	17	मतपत्र मुद्रण	09.50	Offline	CKL2526 GSOB00023
8	18	अल्पाहार एवं भोजन व्यवस्था	50.00	Online	CKL2526 GSOB00024
9	19	विद्युत/जनरेटर व्यवस्था	40.00	Online	CKL2526 GSOB00026
10	20	विडियोग्राफी/डिजीटल/फोटोग्राफी /सीसीटीवी कैमरा/एलईडी	150.00	Online	CKL2526 GSOB00027
11	21	वहनो के लिए किराये पर जीपीएस व्यवस्था	05.00	Offline	CKL2526 GSOB00028
12	22	टैन्ट/फर्नीचर कार्य व्यवस्था	50.00	Online	CKL2526 GSOB00029

नोट :- मूल डी.डी./बैंकर चैक दिनांक 09.02.2026 समय दोपहर 12 बजे तक कार्यालय में जमा करवानी होगी अन्यथा निविदा पर विचार नहीं किया जावेग। (हेमराज परिडवाल)

उप जिला निर्वाचन अधिकारी, करौली

DIPR/C/2459/2026

1.18 करोड़ की स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। राजधानी में मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) और सांगानेर थाना पुलिस ने एक शातिर नशा तस्कर कल्याण सिंह (22) निवासी जिला राजगढ़ को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब 589.95 ग्राम स्मैक बरामद की है। पकड़ी गई स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 1 करोड़ 18 लाख रुपये आंकी जा रही है। फिलहाल आरोपी तस्कर से पूछताछ की जा रही है।

कैप्चा सॉल्विंग के नाम पर ठगों का नया जाल

जयपुर। घर बैठे आसान कमाई का सपना देखने वालों के लिए एक खतरनाक जाल बिछाया जा रहा है। महानिदेशक पुलिस साइबर क्राइम के निर्देशन में साइबर क्राइम थ्रेट एनालिटिक्स यूनिट ने एक ऐसे ट्रेंड का खुलासा किया है, जो कैप्चा सॉल्विंग के नाम पर मासूम लोगों की मेहनत की कमाई डकार रहा है।

पुलिस उपमहानिरीक्षक साइबर क्राइम विकास शर्मा ने बताया कि ठगों की कार्यप्रणाली बेहद शातिर है। ये जालसाज फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म्स पर लुभावने विज्ञापन चलाते हैं। विज्ञापन में दावा किया जाता है कि आपको केवल स्क्रीन पर दिखने वाले कैप्चा कोड टाइप करने हैं और बदले में आप हर महीने हजारों रुपये कमा सकते हैं। न्यूनतम प्रयास और अधिकतम लाभ का लालच बेरोजगार युवाओं और गृहणियों को आसानी से अपनी ओर खींच लेता है। जैसे ही कोई व्यक्ति इनके झांसे में आता है, उसे एक फर्जी जॉब एग्रीमेंट दिखाया जाता है ताकि सब कुछ असली लगे। इसके बाद शुरू होता है वसूली का खेल। कभी सॉफ्टवेयर चार्ज, कभी ट्रेनिंग फीस तो कभी सिक्योरिटी डिपॉजिट के नाम पर पीड़ित से हजारों रुपये जमा करवा लिए।

बिना आयोडिन का 92 हजार किलो नमक जब्त

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेशभर में मिलावट के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शुद्ध आहार-मिलावट पर आहार अभियान के तहत शुक्रवार को 92 हजार किलो से अधिक नमक जब्त किया, जिसमें आयोडीन नहीं था। खाद्य सुरक्षा आयुक्त डॉ. टी. शुभमंगला ने बताया कि शुद्ध आहार-मिलावट पर अभियान के तहत शुक्रवार को अतिरिक्त आयुक्त भगवत सिंह के नेतृत्व में केंद्रीय दल के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने नावा सिटी स्थित नमक फैक्ट्री मैसर्स कस्तूरी कैमफूड प्रा.लि. पर कार्रवाई की गई। यहाँ पर टीटू ब्रांड नाम से लगभग 92 हजार 500 किलो नमक मौके पर पाया गया, जिसकी आयोडिन स्पॉट टेस्ट किट से जाँच करने पर पाया गया कि नमक में आयोडिन की मात्रा नहीं थी। फर्म मालिक राहुल काला ने भी नमक में आयोडिन नहीं होना स्वीकार किया। मौके से नमक का सैंपल एफएसएस एक्ट के तहत लिया गया। लगभग 92 हजार 500 किलो नमक मौके पर सीज किया गया। जाँच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

जलदायकर्मी 9 फरवरी को करेंगे प्रदर्शन

जयपुर। प्रान्तीय नल मजदूर यूनियन (इंटक) जयपुर के आव्हान पर 9 फरवरी को सैकड़ों कर्मचारी अपनी लंबित मांगों को लेकर अधीक्षण अभियंता कार्यालय पानी पेच जयपुर पर विरोध-प्रदर्शन करेंगे। संघ के प्रदेशाध्यक्ष संजय सिंह शेखावत एवं जिला अध्यक्ष ताराचन्द सैनी ने संयुक्त रूप से बताया कि विभाग द्वारा लंबे समय से जलदाय कर्मचारियों की समस्याओं की अनदेखी की जा रही है, जिससे कर्मचारियों में भारी रोष व्याप्त है। इसी के विरोध में यह प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि विरोध प्रदर्शन के दौरान मौके पर जलदाय कर्मचारियों की आम सभा भी आयोजित की जाएगी, जिसमें कर्मचारियों की मांगों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी तथा आगे के आंदोलन की रणनीति तय की जाएगी।

विदेशी एमबीबीएस डॉक्टरों को फर्जी सर्टिफिकेट बेचने वाला सरगना एसओजी के हत्थे चढ़ा

थाईलैंड और दुबई में छिपा था मुख्य आरोपी, कजाकिस्तान से लौटा डॉक्टर बना दलाल

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान पुलिस की स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) ने विदेश से एमबीबीएस की डिग्री लेकर आने वाले अभ्यर्थियों को फर्जी स्क्रीनिंग टेस्ट पास सर्टिफिकेट मुहैया कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। एसओजी ने गिरोह के मुख्य सरगना सहित एक अन्य डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह उन डॉक्टरों को निशाना बनाता था जो भारत में प्रैक्टिस के लिए जरूरी विदेशी मेडिकल स्नातक परीक्षा (एफएमजीई) परीक्षा पास नहीं कर पाते थे।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पुलिस (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि विदेश से एमबीबीएस की डिग्री लेकर आने वाले अभ्यर्थियों को फर्जी स्क्रीनिंग टेस्ट पास सर्टिफिकेट मुहैया कराने वाले मुख्य आरोपी भानाराम माली उर्फ भानू (30) निवासी ब्यावर पिछले काफी समय से फरार था। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह थाईलैंड, श्रीलंका, दुबई, कजाकिस्तान और नेपाल जैसे देशों में ठिकाने बदल रहा था। एसओजी की टीम को सूचना मिली कि वह दिल्ली पहुंचने वाला है। जिस पर टीम ने जाल बिछाकर उसे एयरपोर्ट से दस्तयाब कर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी फिलहाल सात फरवरी तक पुलिस रिमांड पर है।

- **विदेश से डिग्री लेकर आए 73 अन्य डॉक्टरों की भूमिका भी जांच रही एस.ओ.जी.**

जांच में एक और चौंकाने वाला नाम सामने आया है। एसओजी ने डॉ. इन्द्रराज सिंह गुर्जर (27) निवासी करौली को भी गिरफ्तार किया है। इन्द्रराज खुद कजाकिस्तान से एमबीबीएस कर लौटा था, परंतु परीक्षा पास नहीं कर सका। उसने आरोपी भानाराम को पैसे देकर दिसंबर 2022 का कूटरचित एफएमजीई सर्टिफिकेट प्राप्त किया। इसी फर्जी सर्टिफिकेट के आधार पर उसने अलवर के राजीव गांधी मेडिकल कॉलेज से इंटर्नशिप पूरी की और प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन भी हासिल कर लिया। बाद में वह अन्य अभ्यर्थियों को भी फर्जी सर्टिफिकेट दिलवाने के खेल में शामिल हो गया।

एसओजी की जांच में यह तथ्य सामने आया है कि इस गिरोह ने दर्जनों अभ्यर्थियों को फर्जी दस्तावेज बांटे हैं। वर्तमान में विदेश से डिग्री लेकर आए 73 अन्य डॉक्टरों की भूमिका की गहनता से जांच की जा रही है, जिन्होंने संभवत इसी गिरोह के माध्यम से कूटरचित प्रमाणपत्र हासिल किए हैं। पुलिस ने इनके खिलाफ धोखाधड़ी की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। इस कार्रवाई में डीआईजी परिस देशमुख के निर्देशन में अनुसंधान अधिकारी हरपाल सिंह और जितेंद्र नवारिया ने इस पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश किया।

32वां ध्रुवपद समारोह 10 को

जयपुर (कासं)। इन्टरनेशनल ध्रुवपद धाम ट्रस्ट एवं रसमंजरी संगीतोपासना केन्द्र, जयपुर द्वारा पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर की सहभागिता में राजस्थान की ध्रुवपद - विरासत के हस्ताक्षर ध्रुवपदाचार्य पद्मश्री पं लक्ष्मण भट्ट तैलंग की पुण्यतिथि 10 फरवरी को 32वां अखिल भारतीय ध्रुवपद नाद-निनाद विरासत समारोह जयपुर ध्रुवपद घरोहर आयोजित किया जाएगा। जवाहर कला केन्द्र के कृष्णायन सभागार में सायं 6 बजे से विभिन्न प्रस्तुतियां होंगी। इसका प्रारम्भ भारत के 150 वर्ष पूर्ण कर चुके राष्ट्रगीत वन्देमातरम् के गौरव-गान से होगा, उसकी गुण-बखान की विविधता के भाव के अनुरूप परम्परागत धुन को नवीन ध्रुवपद के छंद में कुछ नये स्वर - संयोजनों के सौन्दर्य के साथ विस्तार दिया जायेगा, जिसे ध्रुवपद - गायिका प्रो. मधु भट्ट तैलंग के निर्देशन में उनके शिष्य प्रस्तुत करेंगे।

वास्तुकार प्रमोद जैन को 12वाँ ऑल इंडिया स्टोन आर्किटेक्चरल अवॉर्ड

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने प्रसिद्ध वास्तुकार प्रमोद जैन को उनके उत्कृष्ट प्रोजेक्ट मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर जोधपुर के लिए प्रतिष्ठित 12वाँ ऑल इंडिया स्टोन आर्किटेक्चरल अवॉर्ड (आइसा)- 2025 प्रदान किया। वास्तुकार प्रमोद जैन को बतौर पुरस्कार ट्रॉफी और 1 लाख की नकद राशि प्रदान की गई। उन्हें यह सम्मान जेईसीसी सीतापुरा में आयोजित इंडिया स्टोन मार्ट में शुक्रवार शाम को दिया गया।

पुरस्कार प्रशस्ति पत्र में वास्तुकार जैन को एक दूरदर्शी वास्तुकार बताते हुए पत्थर के अभिनव और उत्कृष्ट उपयोग के लिए उनकी सराहना की गई। जूरी ने विशेष रूप से मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर को जोधपुर की समृद्ध स्थापत्य विरासत से प्रेरित एक उत्कृष्ट भवन बताया। स्थानीय सूरसागर सैंडस्टोन से निर्मित यह भवन पारंपरिक पत्थर निर्माण तकनीकों को समकालीन और नवाचारी शैली में प्रस्तुत करता है। इसकी आकर्षक मुखाकृति, भव्य प्रवेश द्वार और सूक्ष्म पारंपरिक अलंकरणों की विशेष प्रशंसा की गई। इस पुरस्कार चयन प्रतिष्ठित राष्ट्रीय जूरी द्वारा किया गया, जिसमें काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर (सीओए), नई दिल्ली, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स (आईआईए), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीरियर डिज़ाइनर्स (आई आईआईडी), मुंबई के अध्यक्ष तथा इंडियन सोसाइटी ऑफ लैंडस्केप आर्किटेक्ट्स (आइसोला) के अध्यक्ष शामिल थे।इससे पूर्व भी वास्तुकार प्रमोद जैन को लगातार राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) जयपुर के लिए डिज़ाइन स्केप अवॉर्ड-2024 तथा एमआईसी, जोधपुर के लिए वर्ष 2025 में मिल चुका है।

सार-समाचार

डॉ. लीलाधर के काव्य संग्रह का विमोचन

जयपुर। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के सेवानिवृत उप निदेशक डॉ. लीलाधर दोचानिया के नव प्रकाशित कविता संग्रह "जिन्दगी मुस्कुराती रहे..." का विमोचन शुक्रवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में संपन्न हुआ। विमोचन वरिष्ठ साहित्यकार और फिल्म लेखक त्रिलोक चंद कौशिक, महाराष्ट्र के वरिष्ठ साहित्यकार मनीषा खटाते ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि डॉ. लीलाधर अपनी कविताओं के जरिये एक मुस्कुराते हुए समाज का स्वप्न देखते है और उन चीजों की गहरी पड़ताल करते है जो हमें निरंतर अमानुष बना रही है। कविताएं नकारात्मक माहौल में सकारात्मक सन्देश देती है। जीवन की सहज अनुभूतियों और संवेदनाओं को प्रकट करता कविता संग्रह समाज और जीवन की विसंगतियों और सच्चाइयों को रेखांकित करती है। कवि की गहन सोच शब्दों के माध्यम से प्रकट होती है। ऐसा लगता है कविताएं उनके मन की अकुलाहट और चिंतन का साक्षात परिणाम है। समारोह में लीलाधर ने भी अपनी कुछ रचनाओं का वाचन किया। समारोह का संयोजन सीमा वालिया ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ रंगकर्मी, नाटककार और जाने माने कलाकार ईश्वर दत्त माथुर, वरिष्ठ लेखक और पत्रकार बाल मुकुंद ओझा, वरिष्ठ साहित्यकार नन्द भारद्वाज, वरिष्ठ जनसम्पर्ककर्मी और कवि गोविन्द शर्मा, पूर्व प्रशासनिक अधिकारी कनिष्क सैनी, कमांडेंट सतवीर सिंह, दलीप सिंह सहित अनेक प्रमुख लोग उपस्थित थे।

न्यू लोहा मंडी तक हटाए अतिक्रमण

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण के प्रवर्तन दस्ते ने सीकर रोड पर 200 फीट बाईपास से न्यू लोहामंडी क्षेत्र तक करीब 2 किलोमीटर दूरी में अवैध अतिक्रमणों को ध्वस्त किया। यह कार्रवाई 100 फीट सड़क पर सुगम यातायात मुहैया करवाने के उद्देश्य से की गई। इसके अलावा करीब 5 बीघा निजी खातेदारी की जमीन पर बसाई जा रही अवैध कॉलोनी को भी ध्वस्त किया। इसी प्रकार सड़क मोड से मुख्य दिल्ली रोड आमेर, कुण्डा चैक पोस्ट तक भी अतिक्रमण हटाए गए। जे.एल.एन. मार्ग पर बिरला मंदिर से रामनिवास बाग तक दोनों तरफ सड़क सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया। महानिरीक्षक पुलिस राहुल कोटोकी ने बताया सीकर रोड पर 100 फीट सड़क सीमा में अवैध अतिक्रमणों के कारण लोगों को आवाजाही में भारी परेशानी हो रही थी। इसके लिए शुक्रवार को 200 फीट बाईपास से न्यू लोहा मण्डी तक 100 फीट सड़क सीमा में आ रहे चबूतरे, सीढ़ियां, लोहे के गेट, बाउण्ड्रीवाल, लोहे के ऐंगल, टीनशेड, रेलिंग, थडियां, ठेले, बांस-तम्बू, तिरपाल, काउण्टर, टेबल कुर्सियां, होर्डिंग औश्र साईन बोर्ड हटाए गए। इसके अलावा बस्सी के ग्राम भवासाई ईशरवाला में 5 बीघा निजी खातेदारी की कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन और बिना भू रूपान्तरण करवाए काटी जा रही अवैध कॉलोनी को ध्वस्त किया। यहां पर अवैध कॉलोनी के लिए भूमि समतल करके मिट्टी-ग्रेवल की सड़कें, बाउण्ड्रीवाल और अन्य अवैध निर्माण कर लिए गए थे।

महेन्द्र सिंह बने कार्यवाहक प्रांतीय अध्यक्ष

जयपुर। जल भवन में राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ का विशाल प्रांतीय अधिवेशन संपन्न हुआ। इस अधिवेशन ने प्रदेश की कर्मचारी राजनीति में एक नया इतिहास रच दिया, जहाँ श्रीगंगानगर से जैसलमेर और धौलपुर से बाड़मेर तक, राजस्थान के प्रत्येक जिले से आए हजारों कर्मचारियों के सैलाब ने संगठन की अटूट एकता का प्रदर्शन किया। प्रदेश प्रवक्ता बलराम गुर्जर ने बताया कि अधिवेशन के दौरान लोकतांत्रिक मूल्यों को प्राथमिकता देते हुए, प्रांतीय अध्यक्ष राजेश पारीक ने संघ के संविधान की धारा 12(घ) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग किया। उन्होंने उपस्थित जनसमूह की गूँजती तालियों और नारों के बीच महेन्द्र सिंह धायल (वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षा विभाग) को कार्यवाहक प्रांतीय अध्यक्ष मनोनीत करने की घोषणा की। राजेश पारीक ने प्रदेश की समस्त जिला एवं ब्लॉक स्तरीय कार्यकारिणी को तत्काल भंग करने का आदेश जारी किया।

भ्रामक विज्ञापन पर सलमान खान को राहत

जयपुर (कासं)। राज्य उपभोक्ता आयोग ने राजश्री पान मसाला के भ्रामक विज्ञापन से जुडे मामले में फिल्म अभिनेता सलमान खान को राहत दी है। इसके साथ ही आयोग ने जिला उपभोक्ता आयोग, द्वितीय को कहा है कि अवमानना करने वाले व्यक्ति पर यदि जमानती वारंट की तामील नहीं हो तो उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी नहीं किए जाए। आयोग पुनः जमानती वारंट जारी कर सकता है, लेकिन गिरफ्तारी वारंट जारी नहीं किया जाए। आयोग अध्यक्ष देवेन्द्र कच्छावा और सदस्य सुरेन्द्र सिंह व करुणा जैन ने यह आदेश राजश्री पान मसाला की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

सीवर लाइन की मांग

जयपुर। पत्रकार कॉलोनी विकास समिति ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर इस कॉलोनी में आसपास की शेष बची कॉलोनियों को सीवरेज लाइन से जोड़ने की मांग की है। पत्रकार कॉलोनी विकास समिति के अध्यक्ष अजीत तिवारी, संरक्षक श्याम सुंदर शर्मा, महासचिव नरेंद्र सर्वोदयी, उपाध्यक्ष डौ. जे.पी. गुप्ता, तथा राजीव जैन, ने पत्रकार कॉलोनी को शीघ्र शिवराज लाइन से जोड़ने की मांग है। पत्रकार कॉलोनी विकास समिति ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में इस कॉलोनी व आसपास की शेष बची कॉलोनियों को सीवरेज लाइन से जोड़ने की मांग करते हुए बताया कि 22 वर्ष पूर्व सृजित यह कॉलोनी आज भी सीवर लाइन से वंचित है।

सोशल मीडिया पर हथियार के साथ फोटो डालने वाला युवक गिरफ्तार

जयपुर। सोशल मीडिया पर रसूख दिखाने के लिए अवैध हथियारों के साथ फोटो अपलोड करने वाले युवाओं के खिलाफ जयपुर पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। मुरलीपुरा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ऑपरेशन आग के तहत कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध देशी कट्टा बरामद किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त (जयपुर पश्चिम) हनुमान प्रसाद ने बताया कि शहर में अवैध हथियारों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत पुलिस की साइबर टीम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर ऐसे लोगों की निगरानी कर रही थी। जिन्होंने हथियारों के साथ अपनी फोटो पोस्ट की थी। निगरानी के दौरान एक युवक का फोटो देशी कट्टे के साथ मिला। जिसे पुलिस ने तुरंत चिन्हित किया।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश कुमार गुप्ता और एसीपी (झोटवाड़ा) आलोक सैनी के सुपरविजन में थानाधिकारी वीरेन्द्र कुरील के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने रोड नंबर 9 स्थित सेंट्रल कॉलोनी में शनि देव मंदिर के सामने घेराबंदी की। वहां मौजूद संदिग्ध राजकुमार उर्फ गुड्डू (22) की तलाशी लेने पर उसके पास से एक अवैध देशी कट्टा बरामद हुआ। पुलिस द्वारा हथियार का लाइसेंस मांगने पर वह कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सका।

गिरफ्तार आरोपी राजकुमार उर्फ गुड्डू मूलत: अनाह गेट (भरतपुर) का रहने वाला है और वर्तमान में मुरलीपुरा के सीकर रोड स्थित रोड नंबर 8 पर किराए से रह रहा था। अब पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी यह हथियार कहां से लेकर आया था और उसका उद्देश्य क्या था। इस सफल कार्रवाई में थानाधिकारी वीरेन्द्र कुरील के साथ हेड कांस्टेबल बाबूलाल, कांस्टेबल लोकेश, कान सिंह और महेश की विशेष भूमिका रही।

पीएम कुसुम योजना में प्रदेश ने 3 हजार मेगावाट क्षमता अर्जित की

राजस्थान अक्षय एवं सौर ऊर्जा के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पीएम कुसुम योजना (कम्पोनेन्ट ए तथा सी) में राजस्थान ने तीन हजार मेगावाट की क्षमता अर्जित की है। डबल इंजन सरकार के विजन से किसान 'अन्नदाता' के साथ 'ऊर्जादाता' और प्रदेश ऊर्जा के क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर' बन रहा है। मुख्यमंत्री ने पीएम कुसुम योजना की इस उपलब्धि के लिए मेहनती किसानों, ऊर्जा विभाग और राजस्थान डिस्कॉम्स के कार्मिकों को बधाई दी है। राजस्थान अक्षय ऊर्जा एवं सौर ऊर्जा के साथ-साथ पीएम कुसुम योजना कम्पोनेन्ट ए तथा सी में देश का अग्रणी राज्य है। राज्य सरकार के प्रयासों से प्रदेश के 22 जिलों में किसानों को अब दिन में बिजली मिल रही है। साथ ही, सौर ऊर्जा के क्षेत्र में किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कम्पोनेन्ट बी में सोलर पम्पसेट लगाने पर अनुदान भी दिया जा रहा है। इसके साथ ही पीएम-कुसम योजना के कम्पोनेन्ट-सी के अन्तर्गत विकेन्द्रित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर चुके प्रदेश के ऊर्जादाताओं तथा डबलपरों के लिए केन्द्रीय वित्तीय सहायता स्वीकृत हुई है। केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने प्रथम चरण में 46 करोड़ 64 लाख़ रूपए की केन्द्रीय वित्तीय सहायता जारी करने की मंजूरी प्रदान कर दी है।

साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए बताए गए उपायों के लिए क्या किया?

राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से इस प्रकरण में जवाब मांगा

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि प्रदेश में साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए अदालत की ओर से पूर्व में बताए उपायों के लिए अब तक क्या कार्रवाई की गई है। वहीं शेष काम कब तक पूरा कर लिया जाएगा। जस्टिस रवि चिरानिया की एकलपीठ ने यह आदेश साइबर अपराध से जुड़े मामले में दायर जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान अदालती आदेश की पालना में एसीएस गृह भास्कर ए. सावंत, डीजी कानून व्यवस्था संजय संजय अग्रवाल, एडीजी साइबर क्राइम वीके सिंह सहित विधि सचिव अदालत में हाजिर हुए। अदालत ने कहा कि वे मामले में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हैं, लेकिन पुलिस कमिश्नर को बुलाने के बाद भी अब तक ऐसे मामलों में कुछ नहीं किया गया। अदालती आदेश के बावजूद साइबर क्राइम कंट्रोल सेंटर नहीं बना है। इस पर एसीएस भास्कर सावंत ने कहा कि इसके लिए करीब दस हजार वर्गफीट जगह चाहिए। मामला मुख्यमंत्री के संज्ञान में भी है। उन्होंने भी सेंटर बनाने का आश्वासन दिया है। इस पर अदालत ने कहा कि कोई समस्या हो तो बताओ, हम न्यायिक आदेश जारी कर देते हैं। आप बिल्डिंग चिन्हित करो, आदेश हम कर देते हैं। वहीं एफएसएल विंग में कर्मचारियों की कमी को लेकर वीके सिंह ने कहा कि आरपीएससी की परीक्षा में योग्य उम्मीदवार नहीं मिले। इस पर अदालत ने कहा कि सालों से जो संविदा पर काम कर रहे हैं, उनकी सेवाएं ली जा सकती हैं। जिला मुख्यालय पर साइबर अपराध विशेषज्ञ सरकारी वकील की नियुक्ति पर एसीएस ने कहा कि हर जिला मुख्यालय पर एक और हाईकोर्ट की दोनों पीठ में एक-एक विशेषज्ञ सरकारी वकील नियुक्त करने का निर्णय लिया गया है। इसकी स्वीकृति भी मिल गई है। पन्द्रह दिन में सभी नियुक्तियां हो जाएगी। अदालती की ओर से डिजिटल उपकरणों की खरीद के मामले में जानकारी देते हुए राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि अधिकतर केस सिम कार्ड और बैंक खातों से जुडे हैं, लोग अपने सिम कार्ड और बैंक खाते इन्हें बेच देते हैं। इन्हे चिन्हित कर ब्लॉक करने का काम भी चल रहा है। अदालत ने चिंता जताई की गीग वर्कर्स के रूप में घरों में कौन घुस रहा है, किसी को पता नहीं है। पंजीकृत एक व्यक्ति है, लेकिन आता दूसरा है। सुनवाई के दौरान अदालत ने हल्के अंदाज में कहा कि आज भी हाईकोर्ट को बम से उडाने की धमकी मिली है, लेकिन हमेशा कोर्ट को ही यह धमकी क्यों मिल रही है। आज तक पुलिस के भवन में बम धमाका करने की ई-मेल किसी ने नहीं भेजी।

रीको के 24 नए औद्योगिक क्षेत्रों में मिलेगा पेयजल

जयपुर। रीको द्वारा प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। रीको के 24 नवीन औद्योगिक क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए लगभग 143 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इन औद्योगिक क्षेत्रों में पेयजल की व्यवस्था पीएचईडी के माध्यम से करवाई जाऐगी।

रीको के नवीन औद्योगिक क्षेत्र बड़गांव (सिरोही), मसूदा, किशनगढ़-6 एवं खोडा (अजमेर), रामा आसपुर (डूंगरपुर), प्रतापगढ़ एक्सटेंशन (प्रतापगढ़), कोटड़ा (धौलपुर), करनपुरा, उखालिया, फतेहपुरा समेलिया (भीलवाड़ा), मलसीसर (झुन्झुनूं), खुडियाला एवं तिंवरी (जोधपुर), सियामाली एवं बडी सीड (फलौदी), हरसौर (नागौर), श्रीराम जानकी राजास (डीडवाना-कुचामन), डोला जागीर, नाडोल एवं वरकाना (पाली), स्टोन पार्क मासलपुर (करौली), श्रीराम जानकी जटलाव गोठडा (सवाई माधोपुर), मऊ एवं नीमकाथाना-द्वितीय (सीकर) में कार्यरत इकाइयों को पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। रीको प्रबंध निदेशक शिवांगी स्वर्णकार ने बताया कि रीको द्वारा औद्योगिक क्षेत्रों में उद्यिमयों व कामगारों को आधारभूत सुविधाएं भी उपलब्ध की जा रही है। रीको का हरसंभव प्रयास रहा है कि निवेशकों को रीको औद्योगिक क्षेत्रों में अपनी उत्पादन इकाइयां स्थापित करने एवं उनके संचालन में किसी प्रकार की असुविधा ना हो ताकि वे निर्बाध रूप से अपने उद्योगों को संचालन कर सकें। इसी उद्देश्य से रीको प्रदेश में औद्योगिक ढांचे के सर्वांगीण विकास में जुटा है।

- **इस प्रोजेक्ट पर करीब 143 करोड़ रुपए खर्च होंगे**

दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने वाले एनसीसी कैडेट्स का सम्मान

जयपुर (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने राष्ट्रीय कैडेट कोर को विद्यार्थी जीवन को गढने वाला बताते हुए कहा कि यह देश का अनुशासित, राष्ट्र प्रतिबद्ध सैन्य प्रशिक्षण से ही जुड़ा संगठन नहीं है बल्कि आपदा काल में देश सेवा से जुड़ा भी प्रमुख संगठन है। उन्होंने गणतंत्र दिवस परेड में राजस्थान कैडेट्स के परेड में भाग लेने और सांस्कृतिक आयोजनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की।

राज्यपाल बागडे शुक्रवार को लोकभवन में दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने वाले एनसीसी कैडेट्स के सम्मान समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एनसीसी युवाओं के चरित्र निर्माण के साथ-साथ सेवा और एकता की भावना जगाने वाला संगठन है। उन्होंने कहा कि एनसीसी कैडेट्स एक बार इसमें आता है तो फिर हमेशा राष्ट्र के लिए समर्पित हो जाता है। उन्होंने सभी को देश को समृद्ध बनाने में भूमिका निभाने का आव्हान किया।

उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने एनसीसी को चरित्र निर्माण की पाठशाला बताते हुए कहा कि राज्य सरकार इस संगठन के विकास के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। उन्होंने एनसीसी कैडेट्स को सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के लिए कार्य करने का आव्हान किया। इससे पहले राज्यपाल बागडे ने एनसीसी के विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त कैडेट्स सीनियर अंडर ऑफिसर मोनिका, सलोनी यादव, नमन चौधरी, आयुषी जैन और अंडर ऑफिसर युवराज राठौड़ को लोकभवन में सम्मानित किया। उन्होंने चयनित कैडेट्स को उपहार भी प्रदान किए। कर्नल नितिन ने गणतंत्र दिवस परेड में राजस्थान के एनसीसी कैडेट्स के विभिन्न क्षेत्रों में प्रदर्शन के बारे में जानकारी दी।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शुक्रवार को लोकभवन में आयोजित समारोह में एनसीसी कैडेट्स को सम्मानित किया।

- **राष्ट्रीय कैडेट कोर विद्यार्थी जीवन को गढ़ने वाला : बागड़े**
- **समारोह में कैडेट्स ने लोक संस्कृति से जुड़ी प्रस्तुतियां दी**

इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका और राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी भी उपस्थित रहे। छात्र-छात्राओं ने इस अवसर पर राजस्थान की लोक संस्कृति और परम्पराओं से जुड़ी नृत्य और संगीत प्रस्तुतियां दी। बिड़ला बालिका विद्यापीठ, पिलानी की छात्राओं ने गणतंत्र दिवस परेड के दौरान प्रस्तुत राष्ट्र भक्ति से जुड़ी मधुर धुनें बैंड पर पेश की।

मंत्री सुरेश सिंह रावत आज रहेंगे पनगढ़ दौरे पर

रूपनगढ़। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत शनिवार को क्षेत्र के दौरे पर रहेंगे। मंत्री रावत प्रात: 11 बजे ठाम कोटड़ी में आयोजित हिन्दू सम्मेलन को करेंगे संबोधित इसके पश्चात रूपनगढ में विभिन्न विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम के अंतर्गत भदूण रोड पुलिया का उद्घाटन, साथ ही अटल चौक पर विधायक मद से स्वीकृत सार्वजनिक मंच का शिलान्यास करेंगे।

अजमेर में नई शामिल कॉलोनियों और मार्गों पर लगेंगी हजारों लाइटें : देवनानी

- विधानसभा अध्यक्ष ने नगर निगम के अधिकारियों की बैठक ली
- रामसेतु के नीचे होगी दोपहिया वाहनों की पार्किंग
- डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण और सफाई व्यवस्था सुचारू रखने के निर्देश

अजमेर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने नगर निगम को निर्देश दिए हैं कि वरूण सागर मार्ग पर नगर निगम में शामिल नई कॉलोनियों में स्ट्रीट व रोड लाईटें लगाई जाएं। डोर-टू-डोर कचरा संठाहण और सफाई व्यवस्था को पूरी गंभीरता से जारी रखा जाए। रामसेतु के नीचे दोपहिया वाहनों की पार्किंग करवाई जाए।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को सर्किट हाउस में नगर निगम के अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने निर्देश दिए कि वरूण सागर मार्ग, कीर्ति नगर, करणी नगर, द्वारकाधीश कॉलोनी, गोटा कॉलोनी, अरावली नगर, अम्बिका नगर, रावत नगर, बोराज गांव, स्वास्तिक नगर, नवकार नगर, झूलेलाल कॉलोनी, पंकज नगर, चामुंडा कॉलोनी, मेरी माता कॉलोनी, एम.एस. रावत नगर, जगदम्बा कॉलोनी, प्रज्ञा नगर, वर्धमान नगर, विनायक विहार, हाथीखेड़ा पंचायत, राज कॉलोनी, अत्री वाली गली, आदित्य नगर, डिफेंस कॉलोनी, दादा विहार, जनता स्वीट्स, काजीपुरा गांव, लक्की चौराहा कॉलोनी में स्ट्रीट लाईटें तुरंत लगाई जाएं। इन सहित सभी क्षेत्रों में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, समुचित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसी तरह रामसेतु के नीचे दोपहिया वाहनों की पार्किंग करवाई जाए। देवनानी ने निर्देश दिए कि जयपुर की हिंगोनिया गौशाला की तर्ज पर अजमेर कांजी हाउस की व्यवस्था भी सुधारी जाएं।

इसी तरह शहर में वेंडिंग और नॉन-वेंडिंग जोन का स्पष्ट निर्धारण कर ठेलों की व्यवस्था की जाए। इन क्षेत्रों को अतिक्रमण से मुक्त रखा जाए। इसी प्रकार वरूण सागर मार्ग, सिने वर्ल्ड मार्ग और रामभवन क्षेत्र में नई हॉईमास्ट लाईटें लगाई जाएं। जिन क्षेत्रों में डीएमएफटी फंड से शौचालय व महिला शौचालय स्वीकृत किए गए हैं, उनका काम जल्द करवाया जाए। इसी तरह दरगाह एवं आसपास सहित तंग गलियों में अग्निशमन उपकरणों की स्थायी व्यवस्था हो, ताकि आग लगने की स्थित में तुरंत काबू पाया जा सके। राजस्थान पत्रिका कार्यालय के पास नवनिर्मित नाले के दोनों ओर पार्क का निर्माण करवाया जाए ताकि अतिक्रमण ना हो। इसी तरह अन्य निर्माण कार्य भी जल्द पूरे हों। बैठक में उपायुक्त एवं अभियंताओं सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

नुक्कड़ नाटक से ऊर्जा संरक्षण का संदेश

अजमेर। एचपीसीएल मुंद्रा -दिल्ली पाइपलाइन के अजमेर स्टेशन के तत्वावधान में ग्राम बाबरा में 'सक्षम 2026' अभियान के तहत एक जागरूकता आधारित नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की थीम 'तेल एवं गैस बचाओ, हरित ऊर्जा अपनाओ' रही, जिसका उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों के लिए ऊर्जा संरक्षण के महत्व को सरल और प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुंचाना रहा। नुक्कड़ नाटक में गोपाल बंजारा और उनकी टीम ने हास्य और व्यंग्य के माध्यम से ऊर्जा बचत से जुड़े व्यवहारिक संदेश प्रस्तुत किए। नाटक को देखने और समझने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की, जिसमें महिलाएं और पुरुष दोनों शामिल रहे। कलाकारों ने रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े उदाहरणों के जरिए बताया कि अनावश्यक रूप से वाहन चालू रखना ईंधन की बर्बादी है, टायर में सही हवा और समय पर सर्विस से खर्च और प्रदूषण दोनों कम किए जा सकते हैं। छोटी दूरी के लिए पैदल या साइकिल का उपयोग, गैस और बिजली का सोच-समझकर प्रयोग, सोलर ऊर्जा को अपनाना और ट्रैफिक सिग्नल पर वाहन बंद रखने जैसे संदेशों को नाटक का प्रमुख हिस्सा बनाया गया।

सर्वेश्वर मित्र मंडल के स्वर्ण जयंती सेवा वर्ष में निरंतर सेवा कार्य

- लाडली घर में दृष्टि बाधित बालिकाओं के लिए भोजन सेवा

अजमेर, (कासं)। सर्वेश्वर मित्र मंडल अजमेर की स्थापना के स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर संस्था द्वारा सेवा कार्यों की श्रृंखला निरंतर जारी है। संस्था अध्यक्ष शैलेंद्र अग्रवाल एवं महासचिव प्रवीण अग्रवाल ने बताया कि 5 दिसंबर को संस्था का 50वां स्थापना दिवस मनाया गया था। इस अवसर पर 5 दिसंबर 2025 से 5 दिसंबर 2026 तक पूरे वर्ष को 'स्वर्ण जयंती सेवा वर्ष' के रूप में मनाने तथा प्रत्येक माह विभिन्न सेवा कार्य आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

इसी क्रम में दिसंबर माह में संस्था सदस्य गोविंद प्रसाद गर्ग के सहयोग से आदर्शनगर स्थित अंध विद्यालय में लगभग 17 हजार रुपये लागत के 100 थाली, कटोरी एवं गिलास के बर्तन सेट भेंट किए गए। साथ ही गौशाला एवं कबूतर शाला में भी सेवा कार्य किया गया। जनवरी माह में संस्था संरक्षक हनुमान दयाल बंसल के सहयोग से अंध विद्यालय आदर्शनगर में 18 हजार रुपये लागत के 40 गद्दे भेंट किए गए।

फरवरी माह में सेवा कार्यों की इस श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए बधिर विद्यालय, वैशाली नगर अजमेर में संस्था कार्यकारिणी सदस्य रमेशचंद अग्रवाल की ओर से 30 हजार रुपये तथा संरक्षक हनुमान दयाल बंसल की ओर से 15 हजार रुपये का चेक सेवा कार्य हेतु भेंट किया गया। इसी क्रम में दृष्टि बाधित कन्या शिक्षण संस्थान एवं छात्रावास 'लाडली घर', शास्त्री नगर अजमेर में आवासीय छात्राओं के लिए भोजन सेवा का आयोजन किया गया। यह सेवा संस्था सदस्य सुबोध कुमार गर्ग एवं उनकी धर्मपत्नी शकुंतला गर्ग के सहयोग से संपन्न हुई।

वहीं समाजसेवी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता गणेशीलाल अग्रवाल ने सभी बालिकाओं को ड्राई फ्रूट प्रसाद के पैकेट वितरित किए। इस अवसर पर लाडली घर के संचालक राष्ट्रीय संत कृष्णानंद जी महाराज का स्वागत किया गया तथा उनके भतीजे अजय के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की गई। कृष्णानंद जी महाराज ने सेवा कार्य में सहयोग करने वाले सुबोध कुमार गर्ग, शकुंतला गर्ग एवं अधिवक्ता गणेशीलाल अग्रवाल का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया और आशीर्वाद प्रदान किया।

कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

अजमेर, (कासं)। राजस्थान की आशा सहयोगिनियों ने बजट 2026-27 को लेकर राज्य सरकार से अपनी लंबित समस्याओं के समाधान की मांग की है। इस संबंध में अजमेर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री को मांग-पत्र सौंपा गया है, जिसमें आशा बहनों की आर्थिक, सेवा सुरक्षा और पदोन्नति से जुड़ी प्रमुख समस्याओं को उठाया गया है। वर्तमान में राजस्थान में लगभग 53,353 आशा सहयोगिनियां कार्यरत हैं। इनका चयन वर्ष दिसंबर 2003 से शुरू हुआ था, उस समय मानदेय मात्र 500 रुपये प्रतिमाह निर्धारित किया गया था। आज भी आशा सहयोगिनियां बेहद कम मानदेय में स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ बनी हुई हैं। आशा सहयोगिनियों ने मांग की है कि उनके कार्य की प्रकृति और जिम्मेदारियों को देखते हुए उन्हें राजस्थान सिविल सेवा नियम 2022 के अंतर्गत शामिल किया जाए और न्यूनतम 18 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाए। मांग-पत्र में बताया गया है कि वर्ष 2004 की चयन प्रक्रिया में सरकार द्वारा निर्धारित शर्तों को हटाकर आशा सहयोगिनियों को वेतनमान प्रणाली से जोड़ा जाए, ताकि उन्हें नियमित कर्मचारियों की तरह लाभ मिल सके। आशा सहयोगिनियों ने पदोन्नति एवं नियमित वेतन वृद्धि लागू करने की मांग की है।

सार-समाचार

विधायक भदेल की केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल से भेंट

अजमेर। अजमेर दक्षिण विधानसभा विधायक अनिता भदेल ने शुक्रवार को दिल्ली प्रवास के दौरान भारत सरकार के विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल से शिष्टाचार भेंट कर अजमेर जिला एवं सत्र न्यायालय से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की। इस मौके पर विधायक भदेल ने अजमेर जिला बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं की लंबे समय से लंबित मांगों को प्रमुखता से रखते हुए नवीन न्यायालय भवन में सुविधाओं के अभाव की ओर ध्यान आकृष्ट कराया। विधायक भदेल ने मंत्री को अवगत कराया कि नवीन न्यायालय भवन में अधिवक्ताओं के लिए पर्याप्त संख्या में चैम्बर्स, बैठने की समुचित व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक बुनियादी सुविधाओं का अभाव है, जिससे अधिवक्ताओं को अपने दैनिक कार्यों में असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि न्याय प्रणाली के महत्वपूर्ण स्तंभ अधिवक्ता होते हैं और उनके लिए अनुकूल कार्य वातावरण उपलब्ध कराने को लेकर चर्चा की गई। भदेल ने स्पष्ट रूप से अधिवक्ताओं के हितों की पैरवी करते हुए कहा कि सुविधाओं के अभाव का सीधा प्रभाव न्यायिक कार्य की गुणवत्ता पर पड़ता है। उन्होंने आग्रह किया कि अजमेर जिले के न्यायालय परिसर को आधुनिक एवं सुविधाजनक बनाया जाए ताकि अधिवक्ताओं के साथ-साथ दूरदराज से आने वाले पक्षकार लोगो को भी सुविधाए एवं न्यायिक सेवाएं मिल सकें। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने विधायक भदेल द्वारा बताए गए विषयों को गंभीरता से सुना और आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया। साथ ही विधायक अनिता भदेल ने अजमेर जिला बार एसोसिएशन के वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक कुमार अग्रवाल को भारत सरकार के मामलों में पैरवी करने के लिए अतिरिक्त स्थाई राजकीय अधिवक्ता नियुक्त किए जाने पर शुभकामनाएं प्रेषित की।

पनेर में निकली भव्य कलश यात्रा

रूपनगढ़। समीपवर्ती गांव पनेर में गुरुवार को विराट हिंदू धर्म सम्मेलन आयोजित किया गया जो कि हिंदू धर्मावलंबियों की विशाल व विपुल भागीदारी से ऐतिहासिक रहा। इस अवसर पर वृहत्तर कलश यात्रा निकाली गई जिसमें हजारों महिलाओं ने पूर्ण अनुशासित ढंग से एक से परिधान में भाग लेकर इतिहास रच दिया। श्री ठाकुर जी मंदिर से डीजे के साथ कलश यात्रा शुरू हुई जो बस स्टैंड होते हुए दूधिया बालाजी मंदिर पहुंची। यहां पर विराट हिंदू धर्म सम्मेलन विधिवत पूजा अर्चना के साथ शुरू हुआ। यहां पर अपना बौद्धिक देते हुए साध्वी अनुराग ज्योति जी शास्त्री रामद्वारा आश्रम(पुष्कर), हेमराज तिवाड़ी, संघ में अजयमेरू विभाग के सह कार्यवाह गणपत माटोलिया, संजय शर्मा, भंवर जी बराला, गणपत शर्मा, शोभाराम ढेल, रघुनाथ बराला, रामेश्वर जाजड़ा, नारायण जाजड़ा, कृष्णगोपाल शर्मा, रामदीन डसानिया, बीरम सामरिया, परमाराम देवंदा, लक्ष्मीनारायण ठोलिया, रामनारायण प्रजापत, देवकरण देवंदा, नाथूराम मंडूसिया, सर्वेश्वर चौधरी, महेन्द्र सामरिया, सुरेन्द्र वैष्णव, रवि चौधरी, राधाकृष्ण प्रजापत, श्यामसुंदर शर्मा, विकास वैष्णव, हरिराम कांटिया, मोहन जाजडा, रामस्वरूप जुनावां सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित थे। कलशयात्रा व शोभायात्रा में शान्ति व कानून व्यवस्था के लिए रूपनगढ पुलिस का जाब्ता शामिल रहा। कस्बे के विभिन्न समाजों द्वारा गांव के विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा करके शोभायात्रा व कलश यात्रा का जोर शोर से स्वागत किया गया।

नए सदस्य जोड़ कर मिशन 1.50 को साकार करे

अजमेर, (कासं)। लायंस क्लब इंटरनेशनल के प्रांत 3233 ई 2 के प्रांतपाल लायन रामकिशोर गर्ग ने प्रांत के सभी क्लब्स को आव्हान किया है कि वे अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष के मिशन 1.50 के लक्ष्य को पूरा कर उनके सपने को साकार करे। डिस्ट्रिक चीफ मीडिया कॉर्डिनेटर एमजेएफ लायन राजेंद्र गांधी ने बताया कि प्रांतपाल ने 20 फरवरी तक कम से कम तीन सदस्य क्लब्स में जोड़ने पर मंदसौर में 22 फरवरी को होने वाली तृतीय प्रांतीय केबिनेट मीटिंग में क्लब अध्यक्ष, सचिव एवं कोषाध्यक्ष को सम्मानित किया जाएगा। जिसके तहत मोमेंटो एवं प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। आओ खुशियां बांटे की थीम को आगे बढ़ाने के लिए सेवा के लिए नए हाथों को जोड़ने पर अतिथियों द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम में छात्रों से संवाद

भीलवाडा। राज्य सरकार एवं शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, राजेंद्र मार्ग द्वारा परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम के 9वें एपिसोड का आयोजन सूचना केंद्र चौराहे पर किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विद्यार्थियों से किए गए संवाद का सजीव प्रसारण किया गया, जिसे बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं आमजन ने रुचिपूर्वक सुना। कार्यक्रम के दौरान माननीय प्रधानमंत्री मोदी ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए परीक्षा से संबंधित विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की तथा लाइव टेलीकास्ट के माध्यम से उनके समाधान प्रस्तुत किए। इस संवाद से विद्यार्थियों को परीक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा मिली। अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक कैलाश चंद्र सुथार ने बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा विद्यार्थियों से किए जा रहे संवाद से बोर्ड परीक्षाओं के दौरान विद्यार्थियों के मानसिक तनाव को कम करने में सहायता मिलती है, जिससे वे परीक्षा पर एकाग्र होकर अपने अध्ययन को अधिक रोचक बना सकते हैं। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेंद्र सिंह गहलोत ने कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा विद्यार्थियों के साथ की गई परीक्षा पर चर्चा संपूर्ण भारत के विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच एवं आत्मविश्वास का संचार करती है। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, सुवाणा रामेश्वर प्रसाद जीनगर ने बताया कि परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम विद्यार्थियों के जीवन, कौशल विकास एवं परीक्षा प्रबंधन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है।

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी/अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारियों द्वारा निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र के आधार पर नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारुप

-आम सूचना-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की अम्बे विहार, बी.के. कौल नगर, योजना के आवासीय / व्यावसायिक भूखण्ड संख्या 352 क्षेत्रफल 112.50 वर्ग मीटर के आवंटी / अन्तरिति श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी श्री श्रवण कुमार सोनी निवासी अजमेर की मृत्यु दिनांक 04.08.2020 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट संलग्न कर मृतक के वारिसों क्रमशः श्री श्रवण कुमार सोनी, सुपुत्र श्री मांगीलाल सोनी, श्रीमती रेखा सोनी, पत्नी श्री राजकपूर वर्मा, श्रीमती शिखा सोनी पत्नी श्री चेतनप्रकाश सोनी द्वारा अपने सहहिस्सेदार श्री कमलकिशोर सोनी सुपुत्र श्री श्रवण कुमार सोनी एवं श्री देवेन्द्र सोनी पुत्र श्री श्रवण कुमार सोनी निवासी अजमेर के पक्ष में निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र दिनांक 04.09.2023 के आधार पर नामान्तरण हेतु ओवदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावें। उक्त नियत अवधि पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदकों के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी -योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर

कार्यालय नगर पालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राजस्थान

क्रमांक-नामा/2025/ 6043 — आम सूचना — दिनांक:5-2-26

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित मकान व प्लाट गृहकर पंजिका में अन्तरण हेतु निम्न विरासत पत्रावली प्राप्त हुई है। अगर किसी को आपति/उज्ज हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपति प्रस्तुत कर सकते है. बाद मियाद, गुजरने पर कोई उज्ज/आपति मान्य नहीं होगी।

नामान्तरण

फाईल नं.	आवेदक नाम	मूल आंवटी/नामान्तरण	भूखण्ड का विवरण	भूखण्ड का नाप	प्रयोजनार्थ
457	1. प्रकाश अब्बानी पुत्र जतन चंद 2. अर्हम पुत्र प्रकाश अब्बानी 3. अरनव पुत्र प्रकाश अब्बानी	घेवरचन्द पीपाडा पुत्र कन्हैयालाल पीपाड़ा	महावीर कॉलोनी बरल द्वितीय ख.सं. 1028 व 1041 मू.सं. 44 का पूर्वी हिस्सा	66.66 SQ. Yard	आवासीय

-अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगर पालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राजस्थान

क्रमांक-न.प.बि/निमार्ण स्वी./2025/6040 — आम सूचना — दिनांक:5-2-26

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित मकान निर्माण हेतु निम्न भवन निर्माण पत्रावली प्राप्त हुई है, अगर किसी को आपति/उज्ज हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपति प्रस्तुत कर सकते है, बाद मियाद गुजरने पर कोई उज्ज/आपति मान्य नहीं होगी।

भवन निर्माण

फाइल नं.	आवेदन नाम	भूखण्ड का विवरण	भूखण्ड का नाप	प्रयोजनार्थ
197	जोजफ विक्टर पुत्र इमेनवल जे. लाल	कृष्ण सुदामा नगर-सी ख.सं. 63/6 भू सं. 64 का उत्तरी दिशा का हिस्सा	52.25 SQ.MTR	आवासीय

-अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, अजमेर

क्रमांक : 2148 — जाहिर आम सूचना — दिनांक-06-2-26

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 1-MA-18, नाकामदार, अजमेर क्षेत्रफल 90.00 वर्ग, मीटर मूल आवंटी कुमारी लाजवन्ती यादव पुत्री श्री बस्तीराम यादव को आवंटित कर दिनांक 03.07.2014 को आवास का भौतिक कब्जा सौपा गया था। कुमारी लाजवन्ती यादव पुत्री श्री बस्तीराम यादव द्वारा दिनांक 10.11.2014 को उप पंजीयक कार्यालय द्वारा उक्त आवास का पंजीयन करवा लिया गया है। पंजीयन पश्चात् लाजवन्ती यादव पुत्री श्री बस्तीराम यादव द्वारा आवास का वैचान श्रीमती सोफिया रोमसन पत्नि श्री अंजुमन ऑलिवर को दिनांक 09.08.2019 को कर दिया गया। पुन श्रीमती सोफिया सेगसन पत्नि श्री अंजुमन ऑलिवर सेमसन द्वारा आवास का वैचान श्री चन्द्रभान मित्तल पुत्र श्री देशबंधु गुप्ता एवं श्रीमती निधि मिताल पत्नि श्री चन्द्रभान मित्तल को दिनांक 18.11.2025 को कर दिया गया। जो कि पंजीयन विभाग की पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 2316 में पृष्ठ संख्या 148 क्रम संख्या 202503001107548 पर पंजीबद्ध किया गया। तथा अतिरिक्त पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 8259 के पृष्ठ संख्या 90 से 101 पर दिनांक 18.11.2025 को चस्पा किया गया है। अब श्री धन्द्रभान मितल एवं श्रीमती निधि मितल ने उक्त आवास से संबंधित विक्रय वैनुल प्रस्तुत कर स्वयं के नाम दोहरा पंजीयन उपरांत नाम हस्तान्तरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। श्री चन्द्रमान मित्वल एवं श्रीमती निधि मितल का नाम मण्डल रिकार्ड में. प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है। अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपति हो तो इस जहिर आस सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी/आपति भय रामूत एवं पहवान के दस्तावेज के साथ इत कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पश्चात् कोई आपति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी। -सहायक प्रशासनिक अधिकारी राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड- अजमेर

कार्यालय आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, अजमेर

क्रमांक : 2152 — जाहिर आम सूचना — दिनांक-06-2-26

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 3-4-11, घोलाभाटा, अजमेर क्षेत्रफल 78.187 वर्ग मीटर मूल आवटी श्री रूपचन्द पुत्र श्री पोहूमल की आर्बटित कर दिनांक 21.07.1979 को आवास का भौतिक कब्जा सौपा गया था। श्री रूपचन्द पुत्र श्री पोहूमल द्वारा जरिये इकरारनामा, मुच्चारनामा एवं वसीयतनामा के आवास का बेचान श्रीमंती मुभा देवी पत्नि श्री पैसूमल को कर दिया गया। मणात द्वारा दिनांक 01.05.2019 को श्रीमती मुमा देवी पत्नि श्री पैसूमल के पक्ष में नियमितीकरण के आदेश जारी किये गये। श्रीमती मुमा देवी पत्नि स्व. श्री पैसूमल द्वारा दिनांक 14.11.2019 को उम पंजीयक कार्यालय द्वारा उक्त जादास का पंजीयन करवा लिया गया है। श्रीमती मुभा देवी की मृत्यु दिनाक 06.05.2020 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री रोवी राम देवनानी पुत्र स्व. श्री पेसूमल देवनानी द्वारा रजिस्टर्ड हकत्याग पत्र प्रस्तुत कर मृत्यु पश्चात् आधारा हस्तान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। श्री रोवी राम देवनानी पुत्र स्व. श्री पेसूमल देवनानी के पक्ष में श्री अशोक देवनानी, श्री लक्ष्मण देवनानी पुत्रगण स्व. श्री पेसूमल देवनानी एवं श्रीमती जयवंती चबलानी पुत्री स्व. श्री प्रेसूमल देवनानी एवं पत्नि श्री संजीव चंवलानी द्वारा रजिस्टर्ड हकत्याग पत्र प्रस्तुत किया अब श्री रोवीराम देवनानी पुत्र स्व. श्री पेसूमल देवनानी ने उक्त आवास के संबंधित मृत्यु हस्तान्तरण प्रपत्र प्रस्तुत कर स्वयं की नाम हस्तावारण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। श्री रोवीराम देवनानी पुत्र स्व. श्री बेशुमल देवनानी का नाम मण्डल रिकार्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचारधीन है। अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपतित हो तो इस जाहिर आम सूचना की, विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस ने अपनी उपजरदारी/आपति मम सबूत एवं पहवान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पर बाद कोई आपति वीकार नहीं होगी नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।

-सहायक प्रशासनिक अधिकारी राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड- अजमेर

TEJAL PETROLIUM

KH. NO. 554/62 & 553/62, VILLAGE FALODA TEHSIL KISHANGARH, AJMER (RAJ.)

मैसर्स तेजल पेट्रोलियम, खसरा नं. 554/62 एण्ड 553/62, गांव फलौदा, तहसील किशनगढ़ जिला अजमेर (राज.) जो कि रजिस्ट्रार ऑफ फर्मस् के पास रजिस्ट्रेशन नं. RF/AJM/2023/4498 से पंजीकृत है। इस फर्म में साझेदारी विलेख दिनांक 12/02/2025 के अनुसार साझेदारों का लाभ हानि अनुपात निम्नानुसार है -

क्र.सं.	साझेदार का नाम	लाभ / हानि अनुपात
1	प्रवीण कुमार बैरवा पुत्र श्री रामेश्वर लाल, निवासी धर्मशाला के पास, तिलोनिया, अजमेर (राज.) 305816	20 प्रतिशत
2	तेज मल प्रजापति पुत्र श्री हनुमान प्रसाद प्रजापति निवासी 541, सोनगरा का जाव रत्ना रावत कॉलोनी, मालियों की ढाणी, किशनगढ अजमेर (राज.) 305801	60 प्रतिशत
3	अरविन्द चौधरी पुत्र श्री रंग लाल चौधरी निवासी मूंडोती, नरूकान, अजमेर (राज.) 305801	10 प्रतिशत
4	प्रवीण चौधरी पुत्र श्री रामलाल चौधरी निवासी जाटो का मौहल्ला, अजमेर (राज.) 305801	10 प्रतिशत

दिनांक 28.07.2025 को साझेदारी विघटन विलेख निष्पादित किया गया जिसमें आपसी सहमति से साझेदारों ने उक्त साझेदारी विलेख को दिनांक 28.07.2025 से विघटीत किया गया। अतः इस सम्बन्ध में यदि किसी को कोई भी आपत्ति या ऐतराज होवें तो इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 दिवस में अपना ऐतराज/आपत्ती रजिस्ट्रार ऑफ फर्म्स, जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र, अजमेर पर प्रस्तुत करें बाद में कोई ऐतराज/आपत्ती मान्य नहीं होगा।

(प्रवीण कुमार बैरवा) (साझेदार) (तेज मल प्रजापति) (साझेदार) (अरविन्द चौधरी) (साझेदार) (प्रवीण चौधरी) (साझेदार)

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

झलकारी बाई पंचशील नगर अजमेर (राज.) 300501

दूरभाष-0145-2429953, फैक्स-0145-2433813, Email-ajmermc@gmail.com,web. https://urban.rajasthan.gov.in/meajmer

क्रमांक: न.नि.अ/69क/25-26/ — आम सूचना — दिनांक-

श्रीमती नजमा बेगम पत्नि स्व. श्री एस.एम.अफाक द्वारा सम्पति संख्या ए.एम.सी नं 321ए/26 आनासागर रोड शारदा मार्ग मिराज मॉल के आगे अजमेर का व्यावसायिक पटटा क्रमांक न.नि.अ/69क/2025-26/एस.एस.एस/129 दिनांक 29.01.2026 को नगर निगम अजमेर के आदेश क्रमांक न.नि.अ. /69क/1256 दिनांक 02.02.2026 द्वारा निरस्त किया चुका है। अत: उक्त पटटा विलेख को शून्य समझा जावे। कोई भी व्यक्ति यदि इस पटटा विलेख के आधार पर किसी भी प्रकार से हस्तानान्तरण करता है। तो वह हस्तानान्तरण भी शून्य माना जावेगा। सूचित रहे। -उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

राजस्थान सरकार
कार्यालय-खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी मेड़तासिटी (नागौर)

E mail: bcmo.merta@yahoo.com — PH: 01590-231488

क्रमांक: लेखा/चिकि / 2026 / 608 — निविदा विज्ञप्ति — दिनांक: 05.02.2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के क्षेत्राधिकार मे स्थित विभिन्न चिकित्सा संस्थानों के लिए निम्न कार्यों / सेवाओं / सामग्री आपूर्ति हेतु मोहरबन्द निविदायें आमंत्रित की जाती है।

क्र.स.	कार्य / सेवा का नाम	अनुमानित राशि	निविदा शुल्क	धरोहर राशि	निविदा विक्रय तिथि
1	साफ सफाई व्यवस्था	25 लाख	500 रू	50,000 रू	05.02.2026 से 19.02.2026 तक
2	किराये पर वाहन	6 लाख	500 रू	12,000 रू	05.02.2026 से 19.02.2026 तक
3	परीक्षण मेज मय फुट स्टेप	5 लाख	500 रू	10,000 रू	05.02.2026 से 19.02.2026 तक
4	फर्नीचर	9.90 लाख	500 रू	20,000 रू	05.02.2026 से 19.02.2026 तक
5	अग्नि शमन यंत्र	9.90 लाख	500 रू	20,000रू	05.02.2026 से 19.02.2026 तक
6	आवश्यक सर्जिकल आईटम्स	9.90 लाख	500 रू	20,000 रू	05.02.2026 से 19.02.2026 तक
7	बायोमेडिकल वेस्ट आईटम्स	5 लाख	500 रु	10,000 रू	05.02.2026 से 19.02.2026 तक

NIB CODE MHS2526A4508

नोट- 1. क्रम संख्या 1 की दरें ऑनलाईन एवं शेष की दरें ऑफ लाईन प्रस्तुत करनी होगी।
2. निविदा प्रपत्र दिनांक 20.02.2026 को दोपहर 12 बजे तक कार्यालय मे जमा किये जायेगें एवं निविदा उसी दिन सांय 4 बजे खोली जायेगी।

(डॉ. रविन्द्र कुमार तँवर)
खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी मेड़तासिटी (नागौर)

NAME CHANGE

I, Arati Ray Wife of Army No. 14646863N, HAV, Khirod Chandra Ray Residing at Vill & Po:- Bagar Gaon,Teh:- Bijni, Distt:- Chirang, Assam, Pin:-783390 have change my name from Aroti Barman to Arati Ray vide E-Stamp affidavit dt 02/ 02/2026 at court campus Bijni

राजस्थान सरकार कार्यालय तहसीलदार रूपनगढ़-जिला अजमेर

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री जगु मल पुत्र रिझु मल जाति सिन्धी निवासी 560 रूप श्याम मन्दिर का चौक रूपनगढ़ तहसील रूपनगढ़ जिला अजमेर राजस्थान ने इस कार्यालय में अपने सम्बन्ध ,भतीजा श्री गिरीश कुमार पुत्र विरेन्द्र कुमार जाति सिन्धी निवासी 560 रुपश्याम के चौक रूपनगढ़ तहसील रूपनगढ़ जिला अजमेर राजस्थान के निधन तारीख 16-10-2018 का होने पर इसके मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए तहसील कार्यालय रूपनगढ़ जिला अजमेर में आवेदन किया है। जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था/परिवार/संगठन आदि को आपति हो तो मय दस्तावेज/सबूत सहित दिनांक 06-02-2026 से 7 दिवस में कार्यालय में सम्पर्क /आपति प्रस्तुत करे।
-तहसीलदार रूपनगढ़,जिला अजमेर राजस्थान

पाकिस्तान 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप स्टेज मैच में भारत के खिलाफ बहिष्कार के अपने फैसले पर कभी भी यू-टर्न ले सकता है।

- इरफान पठान

पूर्व भारतीय गेंदबाज, पाकिस्तान टीम को लेकर बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी

विराट कोहली

भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने पूर्व भारतीय क्रिकेटरों दिनेश कार्तिक और मिताली राज के साथ मिलकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की महिला टीम की महिला प्रीमियर लीग फाइनल में खिताब जीतने वाली परफॉर्मेंस की तारीफ की, और इस जीत को महिला क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण पल बताया। सोशल मीडिया पर कोहली ने कप्तान स्मृति मंधाना और आरसीबी टीम को उनके दूसरे डब्ल्यूपीएल खिताब के लिए बधाई दी। कोहली ने कहा, फिर से चैंपियन। आरसीबी का झंडा ऊंचा रखना कुछ ऐसा है जिस पर आप सभी को गर्व हो सकता है।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय क्रिकेट टीम के नाम वनडे में 300 रनों का सफल पीछा (20 बार) करने का विश्व रिकॉर्ड और टी20 में 67 प्रतिशत से अधिक मैच जीतने का रिकॉर्ड है।

भारत ने इंग्लैंड को 100 रनों हराकर जीता अंडर-19 विश्वकप का छठा खिताब

हरारे, 6 फरवरी । वैभव सूर्यवंशी (175) के विस्फोटक शतक के बाद अम्ब्रिश (तीन विकेट), दीपेश देवेंद्रन और कनिष्क चौहान (दो-दो विकेट) की बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत भारत ने शुक्रवार को फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड पर 100 रनों से बड़ी जीत दर्ज करते हुए अंडर-19 विश्वकप का अपना छठा खिताब जीता। वैभव सूर्यवंशी को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच तथा प्लेयर ऑफ द सीरीज से नवाजा गया।

412 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं हुई और उसने पांचवें ही ओवर में जोसेफ मूर्स (17) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये बेन मेयस ने बीजे डॉवकिंस ने दूसरे विकेट के लिए 74 रन जोड़े। 13वें ओवर में खिलन पटेल ने बीजे डॉवकिंस को आउट कर इंग्लैंड को दूसरा झटका दिया। बीजे डॉवकिंस ने 28 गेंदों में सात चौके और दो छक्के लगाते हुए 45 रन बनाये। कप्तान थॉमस रियू (31) को कनिष्क चौहान ने आउट किया। इसके बाद 21वें ओवर में भारत ने इंग्लैंड के तीन विकेट झटककर अपनी जीत पक्की कर ली। रलफी एलबर्ट (शून्य) रनआउट, फरहान अहमद (एक) और सेबेस्तियन मॉर्गन (शून्य) को दीपेश देवेंद्रन ने आउट किया। जेम्स मिंटो (28) रन बनाकर आउट हुए।

इंग्लैंड की टीम 40.2 ओवरों में 311 रन ही बना सकी और 100 रनों से मुकाबला हार गई। इंग्लैंड की ओर से कैलेब फाल्कनर ने शतकीय पारी खेली, लेकिन अपनी टीम को जीत दिलाने में विफल रहे। उन्होंने 67 गेंदों में नौ चौके और सात छक्के लगाते हुए 115 रनों की पारी खेली। उन्हें कनिष्क चौहान ने आउट किया।

भारत के लिए अम्ब्रिश को तीन विकेट मिले। दीपेश देवेंद्रन और कनिष्क चौहान ने दो-दो विकेट लिये। खिलन पटेल और आयुष म्हात्रे ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां वैभव सूर्यवंशी (175) के विस्फोटक शतक, कप्तान मयंक अग्रवाल (53) और अभिज्ञान कुंडु (40) की पारियों की बदौलत भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ नौ विकेट पर 411 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया।

वैभव सूर्यवंशी ने 80 गेंदों पर 175 रन में 15 चौके और 15 छक्के लगाये। उनके क्रीज पर रहते भारत 500 रन की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा था, लेकिन इंग्लैंड ने अंतिम 10 ओवरों में अच्छी वापसी की।

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं हुई और उसने चौथे ही ओवर में एरन जॉर्ज (नौ) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान आयुष म्हात्रे ने वैभव के साथ पारी को संभाला और दोनों बल्लेबाजों ने तेजी के साथ रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 142 रनों की साझेदारी हुई। 19वें ओवर में एलेक्स ग्रीन ने आयुष म्हात्रे को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा, लेकिन उससे एक गेंद पहले छक्का लगाकर वह अपना अर्धशतक पूरा कर चुके थे। आयुष म्हात्र ने 51 गेंदों का सामना किया और सात चौके और दो छक्के लगाये।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आये वेदांत त्रिवेदी एक छोर थामे खड़े रहे। वहीं दूसरे छोर से वैभव सूर्यवंशी छक्के और चौकों की बरसात करते हुए तेजी के साथ अपना और टीम का स्कोर बढ़ाते रहे। इसी दौरान वैभव सूर्यवंशी ने 55 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। उन्होंने 20वें ओवर की अखिरी गेंद पर एक रन लेकर अपना शतक बनाया। 26वें ओवर में वैभव सूर्यवंशी तीसरे विकेट के रूप में आउट हुये। उन्हें मैनी लुम्सडेन की गेंद पर विकेट के पीछे थॉमस रियू ने कैच आउट किया। वैभव सूर्यवंशी ने 80 गेंदों में 15 चौके और 15 छक्के लगाते हुए 175 रनों की विस्फोटक शतकीय पारी खेली।

वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास, तोड़े सारे रिकॉर्ड

हरारे, 6 फरवरी । भारत के युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने अंडर-19 विश्व कप 2026 के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ शुक्रवार, 6 फरवरी को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में एक शानदार शतक जड़ा और इतिहास रच दिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था, जिसके बाद 14 वर्षीय इस प्रतिभाशाली खिलाड़ी ने फाइनल में सिर्फ 55 गेंदों में तूफानी शतक बनाया। सूर्यवंशी ने अपनी शानदार पारी के दौरान कई रिकॉर्ड भी बनाए। इस बल्लेबाज ने अंडर-19 विश्व कप फाइनल में सबसे तेज शतक और टूर्नामेंट में दूसरा सबसे तेज शतक बनाया। उनका 55 गेंदों का शतक ऑस्ट्रेलिया के विल मलाजचुक से थोड़ा ही पीछे था, जिन्होंने टूर्नामेंट में पहले 51 गेंदों में शतक जड़ा था। उन्होंने 80 गेंदों में शानदार 175 रन बनाए, जिसमें 15 चौके और 15 छक्के शामिल थे। यह टूर्नामेंट के इतिहास में दूसरा सबसे तेज शतक है, जो ऑस्ट्रेलिया के विल मलाजचुक के बाद है, जिन्होंने जापान के खिलाफ 51 गेंदों में शतक बनाया था। सूर्यवंशी टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे कम उम्र के शतकवीर भी बन गए। सूर्यवंशी ने टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे अधिक छक्कों का सर्वकालिक रिकॉर्ड भी तोड़ दिया, उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के देवाल्ड ब्रेविस को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 2024 में 18 छक्के लगाए थे। इस लेख को लिखे जाने तक, भारत के इस सनसनीखेज बल्लेबाज ने आठ छक्के लगाए थे और टूर्नामेंट में उनके छक्कों की संख्या 23 हो गई थी। इस बीच, उन्होंने अफगानिस्तान के फैसल शिनोजादा के 435 रनों के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए 2026 संस्करण में सर्वोच्च रन बनाने का रिकॉर्ड भी बना लिया है। कुल मिलाकर, वह आईसीसी अंडर-19 विश्व कप फाइनल में शतक बनाने वाले छठे खिलाड़ी और दूसरे भारतीय हैं। उन्मुक्त चंद, मनजोत कालरा, ब्रेट विलियम्स, जारार्ड बर्क और स्टीफन पीटर्स जूनियर वनडे विश्व कप फाइनल में शतक लगाने वाले अन्य पांच बल्लेबाज हैं। 14 वर्षीय खिलाड़ी पहली बार तब सुर्खियों में आए जब उन्होंने 2024 में आयोजित मेगा नीलामी में राजस्थान रॉयल्स के साथ रिकॉर्ड डील हासिल की। और उन्होंने पिछले सीजन में करियर की पहली ही गेंद पर छक्का लगाकर शानदार एंट्री की।

अंडर 23 ट्रॉफी : पहले दिन राजस्थान के अनिरुद्ध व रोहन राजभर के अर्धशतक

जयपुर 6 फरवरी। आज से नागपुर में शुरू हुए राजस्थान - विधर्भ अंडर 23 मैच के पहले दिन राजस्थान के अनिरुद्ध सिंह व रोहन राजभर ने शानदार अर्धशतक बनाये। राजस्थान पहली पारी 261/7, पहले दिन का खेल समाप्त होने तक राजस्थान ने पहली पारी ,में 7 विकेट के नुकसान पर 261 रन बना लिए थे , टीम के लिए अनिरुद्ध सिंह 81 , रोहन राजभर 53 , करण लाम्बा 43 , सुमित गोदारा 26 , रजत बघेल 20 व चेतन शर्मा नाबाद 11 रन।विधर्भ के गेंदबाज संस्कार , साहिल 2 - 2 विकेट।

राजस्थान -छत्तीसगढ़ सीनियर वीमेन ट्रॉफी मैच (छत्तीसगढ़ जीती)। वड़ोदरा में खेली जा रही बीसीसीआई सीनियर वीमेन ट्रॉफी के आज खेले गए राजस्थान - छत्तीसगढ़ मैच में छत्तीसगढ़ जीती।राजस्थान पारी 197 आल आउट। टीम के लिए आयुषी गर्ग 47, संगीता कुमावत 44, सुमित्रा जाट 26, डिंपल कँवर 23, सुमन मीणा 20 रन।छत्तीसगढ़ की गेंदबाज तर्रनुम 32 / 2, छत्तीसगढ़ पारी 200 / 6, टीम के लिए प्रीति नाबाद 46 , ऐश्वर्या 48 व शिवानी नाबाद 37, राजस्थान की गेंदबाज सोनल कलाल 40 /2 , सुमन मीणा , संगीता कुमावत 1 - 1 विकेट।

आल इंडिया सब जूनियर बैडमिंटन में जयपुर के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

जयपुर, 6 फरवरी। कल संपन्न हुई योनेक्स सनराइज ऑल इंडिया सब जूनियर बैडमिंटन रैंकिंग टूर्नामेंट में जयपुर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते एक स्वर्ण, एक रजत व कांस्य पदक जीता अंडर 15 बालक युगल में जयपुर की गैर वरीयता प्राप्त जोड़ी वयम लांबा व श्रेयांश चौधरी ने स्वर्ण पदक जीता तथा इसी श्रेणी के मिश्रित युगल में जयपुर के मनन शर्मा ने पंजाब की पार्टनर के साथ रजत पदक जीता। दूसरी वरीयता प्राप्त अन्वी राठौर को बालिका एकल में कांस्य पदक हासिल किया। जिला बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष अनिल मेहता, सचिव मनोज दासोत व कोषाध्यक्ष अतुल गुप्ता ने स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों को 11-11 हजार रुपए देने की घोषणा की। साथ ही रजत में कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को भी पदक अनुसार राशि दी जाएगी।

के एल सैनी ''ए'' डिवीजन लीग आज से

जयपुर, 6 फरवरी। जयपुर जिला क्रिकेट संघ के द्वारा दिनांक 7 फरवरी से के एल सैनी स्मृति ''ए'' डिवीजन लीग का आयोजन किया जा रहा है। उदघाटन मुकाबला सुराना क्रिकेट अकेडमी बनाम यूनियन क्रिकेट क्लब के मध्य के एल सैनी स्टेडियम पर खेला जाएगा। प्रतियोगिता 8 टीमों के मध्य राउंड रॉबिन आधार पर खेली जाएगी।

फ़्लू से लड़कर मंधाना ने आरसीबी को जिताया ख़िताब

वडोदरा, 6 फरवरी । महिला प्रीमियर लीग के फाइनल में स्मृति मंधाना ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए उस वक्त मोर्चा संभाला, जब टीम को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 204 रन के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए मंधाना ने सिर्फ 41 गेंदों में 87 रन की तूफानी पारी खेली। गौरतलब है कि यह पारी इसलिए और खास मानी जा रही है क्योंकि फाइनल से एक रात पहले स्मृति मंधाना तेज बुखार से जूझ रही थीं। मौजूद जानकारी के अनुसार उनका तापमान 103 डिग्री तक पहुंच गया था, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने फाइनल खेलने का फैसला किया और मैदान पर उतरकर मैच का रुख ही बदल दिया।

आरसीबी ड्रेसिंग रूम में कोच मलोलन रंगराजन ने फाइनल से पहले पूरी टीम को मंधाना की तबीयत के बारे में बताया था। उन्होंने कप्तान की तारीफ करते हुए कहा कि स्मृति ने बिना किसी शिकायत के खुद को फिट करने की पूरी कोशिश की और टीम के लिए उपलब्ध रहीं। कोच के शब्दों में यह सिर्फ एक पारी नहीं, बल्कि नेतृत्व और प्रतिबद्धता की मिसाल है।

मैच में मंधाना को जॉर्जिया वोल का भरपूर साथ मिला। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 165 रन की साझेदारी कर दिल्ली के गेंदबाज़ों पर जबरदस्त दबाव बनाया हैं। वोल ने भी 79 रन की अहम पारी खेली, जिससे लक्ष्य का पीछा आसान होता नजर आया। हालांकि दोनों बल्लेबाज़ सेट होने के बाद आउट हो गईं, जिससे मुकाबला आखिरी ओवर तक खिंच गया। अंतिम ओवर में आरसीबी को 10 रन चाहिए थे और क्रीज पर राधा यादव और नादिन डी क्लार्क मौजूद थीं। राधा ने दबाव में संयम दिखाते हुए लगातार दो चौके लगाए और टीम को जीत दिला दी। जैसे ही जीत पक्की हुई, मंधाना डगआउट में खुशी से उछलती नजर आईं और साथी खिलाड़ियों ने उन्हें गले लगा लिया। इस खिताबी जीत के साथ आरसीबी ने दूसरी बार महिला प्रीमियर लीगट्रॉफी अपने नाम की हैं। यह सफलता इसलिए भी खास रही क्योंकि टूर्नामेंट शुरू होने से पहले एलिस पेरी निजी कारणों से बाहर हो गई थीं।

इजहार खान 125 रन की शतकीय पारी

जयपुर, 6 फरवरी। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित प्रथम श्रीमती मुमताज खान स्मृति अंडर-14 लीग कम नाकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज नैना एकेडमी पर खेले गए मैच में इजहार खान 125 रन की शतकीय पारी आरव शर्मा 85 रन की अद्धर्शतकीय पारी व जिज्ञांस मीणा की 17 रन पर 4 विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदौलत एकतरफा क्वार्टर फाईनल मुकाबले में कैण्डलविक क्रिकेट एकेडमी को 317 रन से हरकार सेमीफाईनल में प्रवेश किया।

टॉस जीतकर नैना एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए इजहार खान 125 रन, आरव शर्मा 85 रन, उर्मित सिंह 45 रन, तनिष यादव 44 रन, अली खान 29 रन तथा अतिरिक्त 61 रन की मदद से निर्धारित 40 ओवर में 5 विकेट खोकर 395 रन बनायें। गेंदबाजी में कैण्डलविक एकेडमी की ओर से मानव गुप्ता 61 रन पर 2 विकेट, आर्यमान सिंह 89 रन पर 2 विकेट तथा साकेत 63 रन पर 1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहें।

जवाबी पारी में कैण्डलविक एकेडमी के कौशलेन्द्र टेकरीवाल 16 रन, आरव शर्मा 14 रन तथा शौर्य चौपड़ा 12 रन को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज नैना एकेडमी के गेंदबाजों जिज्ञांश मीणा 17 रन पर 4 विकेट, कयांश 7 रन पर 2 विकेट, रिशभ 32 रन पर 2 विकेट की शानदार गेंदबाजी के समक्ष नहीं टिक सकें और पूरी टीम 252 ओवर में 78 रन पर सिमट गयी।

स्टार ऑलराउंडर हर्षित राणा चोट के कारण बाहर

नई दिल्ली, 6 फरवरी। भारतीय टीम के ऑलराउंडर हर्षित राणा चोट के कारण आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 से बाहर हो गए हैं। हर्षित राणा बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टीम इंडिया के टी20 विश्व कप 2026 के वार्म-अप मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। शनिवार को अमेरिका के खिलाफ टीम के पहले मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने बताया कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वार्म-अप मैच के बाद हर्षित राणा की तबीयत ठीक नहीं लग रही थी और टीम के फिजियो उनकी चोट की जांच कर रहे हैं। सूर्यकुमार यादव ने कहा कि वार्म-अप मैच के बाद हर्षित की तबीयत ठीक नहीं लग रही थी। फिजियो उनकी चोट का आकलन कर रहे हैं। 24 वर्षीय दिल्ली के इस तेज गेंदबाज ने सिर्फ एक ओवर फेंका, जिसमें उन्होंने 16 रन दिए और मैच में आगे कोई भूमिका नहीं निभाई। इससे पहले मैच में राणा ने भारतीय टीम के लिए बल्लेबाजी भी की थी, जिसमें उन्होंने सिर्फ एक गेंद का सामना किया था।

एक जिला एक खेल (कबड्डी) खिलाड़ियों का चयन 9 को

जयपुर, 6 फरवरी। मुख्यमंत्री योजना के तहत पंच गौरव योजना के अन्तर्गत एक जिला एक खेल (कबड्डी)को जयपुर जिले को चयन किया गया है। खिलाडीयों के शारिरीक मानसिक एंव बेसिक विकास हेतु भारतीय खेल प्राधिकरण साउथ सेन्टर बैंगलोर में एक सप्ताह का भ्रमण कार्यक्रम रखा गया है। उक्त भ्रमण हेतु 18 वर्ष तक के बालक बालिकाओं का उनके प्रदर्शन (खेल) के आधार पर चयन किया जायेगा। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी, राष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता ओर राज्य स्तर पर पदक विजेता व राष्ट्रीय स्तर पर भाग लिया है।

दौसा से महिला खिलाड़ी तानिका शर्मा और याना वर्मा का चयन

जयपुर, 6 फरवरी। जिला क्रिकेट संघ के सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि आरसीए द्वारा आयोजित अंडर -23 महिला चैलेंजर प्रतियोगिता जयपुर में आयोजित की गई जिसमें 3 मैच करवाए गए उन मैचों की परफॉर्मेंस को देखते हुए पूरे राजस्थान से 30 महिला खिलाड़ीयों का कैंप में चयन किया गया है जिसमें दौसा से तनिका शर्मा और याना वर्मा का चयन किया है।

तानिका को चैलेंजर प्रतियोगिता में 3 में से 2 मुकाबलों में खिलाया जिसमें पहले मैच में नाबाद 35 रन बनाए और दूसरे मुकाबले में नाबाद 103 रन की शतकीय पारी खेली। इसके अलावा याना को टीम डी की कप्तानी करते हुए 3 मैच में 44 रन और 1 विकेट लिया इनकी परफॉर्मेंस से कैंप में इनका चयन हुआ।

प्रदेश के नमन चौधरी बेस्ट एनसीसी कैडेट रहे

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ एनसीसी कैडेट्स से रूबरू हुए

जयपुर, 6 फरवरी। युवा मामले एवं खेल, उद्योग एवं सैनिक कल्याण मंत्री, राजस्थान सरकार कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने शुक्रवार को सवाई मान सिंह स्टेडियम में प्रदेश के एनसीसी कैडेट्स से रूबरू हुए, जो अभी हाल में ही 26 जनवरी के रिपब्लिक डे परेड में भाग लेकर आए थे। उन्होंने इन कैडेट्स से उनके प्रशिक्षण शिविर से लेकर परेड तक के अनुभव के बारे में जानकारी हासिल की और उनकी उपलब्धियों पर बधाई दी।

राजस्थान से कुल 184 एनसीसी कैडेट्स ने भाग लिया था, जिसमें नमन चौधरी बेस्ट एनसीसी कैडेट रहे। वही मोनिका ने एडवेंचर में भाग लेते हुए एवरेस्ट पर गई। रिपब्लिक डे परेड में पूरे देश की एनएसएस की टीम को जयपुर की एमिटी यूनिवर्सिटी की चारू सिंह ने लीड किया। प्रदेश से एनएसएस की ओर से 10 बच्चो ने भाग लिया था। शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान सरकार तथा अध्यक्ष, राजस्थान युवा बोर्ड डा. नीरज के. पवन ने बताया कि दिल्ली में राष्ट्रीय युवा महोत्सव के दौरान आयोजित विकसित भारत यंग लीडरशिप डायलॉग में प्रधानमंत्री के सामने विकसित भारत की प्रस्तुतिकरण के प्रदेश के दो बच्चे प्राची और दीपक शर्मा का चयन हुआ था।

विकसित भारत यंग लीडरशिप डायलॉग में प्रधानमंत्री ने युवाओं को देश के विकास में अपनी भूमिका निभाने का आ ान किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का निर्माण युवाओं के हाथ में है और हमें मिलकर इस लक्ष्य को हासिल करना है। यूथ ही 2047 में विकसित भारत का निर्माण करेंगे। शुक्रवार को मुख्य सचिव ने प्रदेश की प्राची और दीपक शर्मा से वीडियो कॉल पर बात की और उनकी उपलब्धियों पर बधाई दी। प्रदेश के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास से सचिव, युवा मामले, भारत सरकार श्रीमती पल्लवी जैन ने मुलाकात की और बताया कि राजस्थान में यूथ पर सबसे अच्छा काम हो रहा है।

कार्यालय भरतपुर विकास प्राधिकरण,भरतपुर

क्रमांकः-स्टोर / 2025-26 / 1742 दिनांकः 04.02.2026

ऑक्शन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण, भरतपुर द्वारा निर्मित विश्वप्रिय शास्त्री चौपाटी की दुकान संख्या 01 से 09 किराये पर दिया जाना है। जिसके लिए उपयुक्त सक्षम श्रेणी की फर्मे ऑक्शन हेतु आमंत्रित की जाती है। उक्त ऑक्शन की पूर्ण जानकारी व शर्ते प्राधिकरण कार्यालय में देखी जा सकती है।

क्र. सं	चौपाटी का नाम	न्यूनतम प्रारंभिक बोली राशि (प्रति दुकान / माह)	अमानत राशि
1	विश्वप्रिय शास्त्री पार्क चौपाटी	7000.00 रू0	15000.00 रू0

लोहागढ घना चौपाटी विश्वप्रिय शास्त्री पार्क भरतपुर व्यावसायिक दुकानें मय ओपन स्पेस अस्थायी रजिस्ट्रेशन / अमानत राशि / दस्तावेज, जमा करने की कार्यवाही 09.02.2026 से दिनांक 25.02.2026 प्रातः 11:00 बजे से सायं 06:00 बजे के मध्य एवं ऑफलाईन नीलामी दिनांक 27.02.2026 प्रातः 11:00 बजे प्राधिकरण कार्यालय सभागार में आयोजित की जावेगी।

UBN No. WAQ2526SSOB00298

राज.संवाद / सी / 25 / 19316 सचिव

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति, (अनाज) पूगल रोड़, बीकानेर

E-mail: kums.pugalroad@rajasthan.gov.in

क्रमांक :-20289550 दिनांकः-03.02.2026

Notice Inviting Bid (NIB 07 /2025-26)

Single stage, two-envelopes unconditional e-bids are invited from manufacturers/direct importers/Authorized Dealer on behalf of the Krishi Upaj Mandi Samiti (Anaj) Pugal Road, Bikaner for the procurement of Oil Testing Machine /NIR Grain Analyser. Details may be seen in the Bidding Document at the office of the Krishi Upaj Mandi Samiti (Anaj) Pugal Road, Bikaner or State Public Procurement Portal website https://sppp.rajasthan.gov.in. or on departmental website https://agriculture.rajasthan.gov.in/dam or https://eproc.rajasthan.gov.in. The bidding document may be downloaded from either of the above websites and uploaded duly filled in with payment of Rs. 1180/- through banker's cheque/demand draft in favour of Secretary, Krishi Upaj Mandi Samiti (Anaj) Pugal Road, Bikaner payable at Pugal Road Bikaner Details of bid are following:-

S. NO.	Bid Title	Estimated Cost (In Lakhs)	UBN No. & TENDER ID
1	Supply and Installation of Oil Testing Machine-NIR/Grain Analyser	15.00	DAM2526GLOB01174 TENDER ID 2026_DAMJP_535313_1

Raj.Samwad/C/25/19322 Administrator Secretary

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

झलकारी बाई स्मारक के पास पंचशील-लोहागल मार्ग, अजमेर (राजस्थान) फोन नं. 0145-2429971, 2429920

क्रमांक :-MEW/2025-26/1962 दिनांकः- 02.02.2026

:: ई-निविदा सूचना संख्या 56/2025-26 ::

नगर निगम अजमेर की ओर से नगर निगम अजमेर एवं राजकीय विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको जो कि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, डाक एवं दूरसंचार, रेलवे या अन्य राज्य सरकार, केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनो जो राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो (निविदा पात्रता पंजीकरण के नियमो के अनुसार मान्य) जो निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल निर्माण कार्यो हेतु ऑनलाईन ईनिविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा कार्यो की कुल लागत	राशि 62.65 लाख (03 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड / अपलोड करने की अवधि	Date 02.02.26 से 12.02.26 को 6.00 PM तक
Technical निविदा खोलने की तिथि व समय	Date 13.02.26 को 11:30AM पर
Financial निविदा खोलने की तिथि	सफलतम निविदादाता को उचित माध्यम के द्वारा सूचित कर दिया जावेगा।

विस्तृत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http:/www.eproc.rajasthan.gov.in पर एवं नगर निगम के निर्माण विभाग के कार्यालय में भी देखी जा सकती है।

Nib Code :-ANN2526A0213

S.No.	UBN No.	S.No.	UBN No.
1	ANN2526WSOB00275	2	ANN2526WSOB00276
3	ANN2526WSOB00277		

राज.संवाद / सी / 25 / 19281 अधिशाषी अभियन्ता नगर निगम अजमेर

कार्यालय नगरपरिषद, राजसमन्द

जिला परिषद रोड़, राजनगर

टेलिफोन नं. 02952-220034, फेक्स नं. 02952-221233, ई-मेल rajsamandnagarpalika@gmail.com

क्रमांक : एफ( )नपरा / इंजी / ई निविदा / 32 / 2025-26 / 9040 दिनांक :- 02.02.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 32/2025-26

नगर परिषद राजसमन्द द्वारा विकास कार्यो हेतु समस्त विभागों में पंजीकृत संवेदकों, कम्पनी, संगठनों / संस्थानों से ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन तकनीकी व वित्तिय निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड़ की जा सकती है।

निविदा क्रार्यक्रम	तिथि व समय
कार्य की संख्या	10
कार्यो की अनुमानित लागत	159.98 लाख
निविदा अपलोड की तिथि	03.02.2026 06:00 PM
निविदा डाउनलोड प्रारम्भ तिथि	04.02.2026 09:00 AM
ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि	16.02.2026 06:00 PM
भौतिक रूप से दस्तावेज जमा करने की तिथि	17.02.2026 01:00 PM
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि	17.02.2026 04:00 PM
ऑनलाईन निविदा हेतु वेबसाईट	http://eproc.rajasthan.gov.in
दोष निवारण अवधी	नियमानुसार
UBN NO-	DLB2526WSOB32968, 32969, 971, 972, 973, 978, 979, 981, 982

राज.संवाद / सी / 25 / 19244 सभापति नगरपरिषद राजसमन्द आयुक्त नगरपरिषद राजसमन्द

कार्यालय नगरपरिषद, राजसमन्द

जिला परिषद रोड़, राजनगर

टेलिफोन नं. 02952-220034, फेक्स नं. 02952-221233, ई-मेल rajsamandnagarpalika@gmail.com

क्रमांक : एफ( )नपरा / इंजी / ई निविदा / 33 / 2025-26 / 9116 दिनांक :- 03.02.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 33/2025-26

नगर परिषद राजसमन्द द्वारा विकास कार्यो हेतु समस्त विभागों में पंजीकृत संवेदकों, कम्पनी, संगठनों / संस्थानों से ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन तकनीकी व वित्तिय निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड़ की जा सकती है।

निविदा क्रार्यक्रम	तिथि व समय
कार्य की संख्या	6
कार्यो की अनुमानित लागत	80.99 लाख
निविदा अपलोड की तिथि	04.02.2026 06:00 PM
निविदा डाउनलोड प्रारम्भ तिथि	05.02.2026 09:00 AM
ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि	17.02.2026 06:00 PM
भौतिक रूप से दस्तावेज जमा करने की तिथि	18.02.2026 01:00 PM
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि	18.02.2026 04:00 PM
ऑनलाईन निविदा हेतु वेबसाईट	http://eproc.rajasthan.gov.in
दोष निवारण अवधी	नियमानुसार
UBN NO-	DLB2526WSOB33121, 122, 123, 124, 125 & 126

राज.संवाद / सी / 25 / 19245 सभापति नगरपरिषद राजसमन्द आयुक्त नगरपरिषद राजसमन्द

जवाहर कला केन्द्र, जयपुर

कार्यालय महानिदेशक

क्रमांक :- प.3 () जकके/हैल्पर इलेक्ट्रिशियन की सेवा आपूर्ति कार्य/ 2025-26/1348 दिनांक :- 02/02/2026

जवाहर कला केन्द्र में स्थापित स्टेज लाईटस् एवं उपकरणों से संबंधित काम्प्रेहेंसिव रखरखाव का कार्य हेतु खुली-निविदा आंमत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत सूचना एवं शर्ते https://sppp.rajasthan.gov.in or jkk.artandculture.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। NIB No. JKK2526A0038, UBN NO. JKK2526SSOB00037

राज.संवाद/सी/25/19341 अतिरिक्त महानिदेशक (प्रशा.)

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड

कार्या. अधीक्षण अभियंता (उत्पादन वृत्त), बांसवाड़ा, फोनः 02962-251252

ऑनलाइन निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित सामग्री की आपूर्ति हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है:- 24(RVU2526GLOB02154) SF-6 सर्किट ब्रेकर्स एवं 25(RVU2526SLOB02233) वार्षिक अनुबंध पर वाहनों की आपूर्ति। निविदा विवरण वेबसाइट www.energy.rajasthan.gov.in/rvunl, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/25/19334 RVUN/PR-4336 अधीक्षण अभियन्ता (उत्पादन)

RajCOMP Info Services Limited (RISL)

C-Block 1st Floor, Yojana Bhawan, Tilak Marg, C-Scheme, Jaipur

Notice Inviting Bid

NIB No. F4.9(1191)/RISL/Tech/Misc/2025/6163 Dated 02.02.2026

RISL invites bids from the eligible bidders for RFP "Selection of Firms for providing Co-Working Spaces on rental basis for setting up of iStart Facilitation desks at Hyderabad, Bangalore, Delhi & Mumbai for three years" till 12/03/2026 at 04.00 PM. With Pre-bid on 11-02-2026 at 03.00 PM For more details please visit on the websites: https://sppp.rajasthan.gov.in, https://risl.rajasthan.gov.in.

UBN - RIS2526SLOB00076

Raj.Samwad/C/25/19320

कार्यालय नगरपरिषद, करौली (राज0)

फोन न0 07464-294024 ई-मेल आईडी np.karauli@yahoo.com website- www.npkarauli.in

क्रमांक : न0परि0क0 / निविदा / 2025 / 5023 दिनांक : 02.02.2026

संशोधित ई-निविदा सूचना

नगरपरिषद करौली द्वारा आमंत्रित ई-निविदा सूचना संख्या 4653 दिनांक : 12.01.2025 की तिथिओं में निम्न प्रकार संसोधन किया जाता है।

क्र.सं.	तिथिओं का विवरण	पूर्व की तिथि	संशोधित तिथि
1	ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	03.02.2026 समय 6:00 पीएम तक	09.02.2026 समय 6:00 पीएम तक
	भौतिक दस्तावेज जमा कराने की अंतिम तिथि	04.02.2026 समय 4:00 पीएम तक	10.02.2026 समय 04:00 पीएम तक
2	निविदा खोलने की तिथि व समय	05.02.2026 समय 1:30 पीएम तक	11.02.2026 समय 02:00 पीएम तक

राज.संवाद / सी / 25 / 19254 आयुक्त नगरपरिषद, करौली

राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एंड इनवेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड

(राजस्थान सरकार का उपक्रम)

उद्योग भवन, तिलक मार्ग, जयपुर- 302005, फोन-0141-2227751,4593201

ई-मेल-riico@riico.co.in वेबसाइट-riico.rajasthan.gov.in

निविदा सूचना

रीको द्वारा निम्नांकित कार्यो / आपूर्ति / सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सीलबंद निविदाऐं एवं राशि रू. 2.00 लाख से अधिक की निविदाऐं ई-प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया से ऑनलाइन निर्धारित प्रपत्र में eproc.rajasthan.gov.in पर आमंत्रित की जाती हैं:-

इकाई का नाम, UBN एवं कार्य की राशि (लाख रू. में):- **जोधपुर**-औद्योगिक क्षेत्र बासनी फेज-1 व 2, सांगरिया फेज-1 व 2 एवं सभी स्थानांतरित औद्योगिक क्षेत्रों का संचालन एवं रखरखाव का कार्य। **RDC2526WLOB01708(519.02)**, RDC2526WSOB01696(6.67), RDC2526WSOB01697(3.78), RDC2526WSOB01698(5.69), RDC2526WSOB01699(12.28), RDC2526WSOB01700(8.30), RDC2526WSOB01701(7.17), **भीलवाड़ा-RDC2526WSOB01678(451.54), कोटा-RDC2526WSOB01731(415.48), अजमेर**-RDC2526WSOB01679(9.47), RDC2526WSOB01680(3.76), RDC2526WSOB01681(3.55), RDC2526WSOB01683(6.24), RDC2526WSOB01682(133.23), **उदयपुर**-RDC2526WSOB01684(6.86), RDC2526WSOB01685(6.48), RDC2526WSOB01686(36.49), RDC2526WSOB01695(44.15), RDC2526WSOB01694(4.96), RDC2526WSOB01693(5.05), RDC2526WSOB01692(4.36), RDC2526WSOB01691(9.31), **अलवर**-RDC2526WSOB01687(7.75), RDC2526WSOB01688(13.99), RDC2526WSOB01689(5.74), **झुंझुनुं**-RDC2526WSOB01690(1.77), **भिवाड़ी-द्वितीय**-RDC2526WSOB01702(60.06), RDC2526WSOB01703(56.78), RDC2526WSOB01704(56.78), RDC2526WSOB01705(10.74), RDC2526WSOB01706(7.12), **भरतपुर**-RDC2526WSOB01707(26.27), **बांसवाड़ा**-RDC2526WSOB01710(11.27), RDC2526WSOB01712(11.63), **जयपुर(दक्षिण)**-RDC2526WSRC01717(3.72), RDC2526WSRC01719(2.11), RDC2526WSOB01721(1.95), **आबूरोड**-RDC2526WSOB01709(1.83), RDC2526WSOB01711(1.74), RDC2526WSOB01713(1.83), RDC2526WSOB01715(1.67), RDC2526WSOB01714(1.84), RDC2526WSOB01716(1.90), RDC2526WSOB01722(8.33), **भिवाड़ी-प्रथम**-RDC2526WSOB01718(22.18), RDC2526WSOB01720(6.69), RDC2526WSOB01723 (38.15), RDC2526WSOB01724(48.63), RDC2526WSOB01726(99.17), RDC2526WSOB01725(7.58), **जयपुर(ग्रामीण)**-RDC2526WSOB01727(23.69), RDC2526WSOB01728(9.60), RDC2526WSOB01729 (4.33), RDC2526WSOB01730(1.99), RDC2526WSOB01732(1.98), RDC2526WSOB01733(1.97), RDC2526WSOB01734(1.99), **ईपीआईपी सीतापुरा, जयपुर**-RDC2526WSOB01735(7.80)

कुल कार्यो की संख्या-58

निविदा का विस्तृत विवरण, नियम इत्यादि एवं भविष्य में निविदा में किसी प्रकार के संशोधन / तिथि बढ़ने की जानकारी हेतु वेबसाइट riico.rajasthan.gov.in/ www.eproc.rajasthan.gov.in/ www.sppp.rajasthan.gov.in को देखें। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: महाप्रबंधक (सिविल), फोन- 0141-4593214

Raj.Samwad/C/25/19358

प्रदेश के 1500 ग्राम उत्थान शिविरों में 72 लाख काम किये गए- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने लाडनूं में आमजन से इन शिविरों में जाकर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की

डीडवाना-कुचामन/जयपुर, 6 फरवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है। हमारी सरकार गांवों के उत्थान के लिए निरंतर काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेशभर में लगाए जा रहे ग्राम उत्थान शिविर सरकार की जनता के प्रति जवाबदेही का प्रतीक है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि इन शिविरों में जाकर सरकारी योजनाओं

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शिविरों में अब तक 28 हजार सॉइल हैल्थ कार्ड तथा 55 हजार स्वामित्व कार्ड वितरित किए जा चुके हैं।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को लाडनूं में ग्राम उत्थान शिविर एवं जनसभा को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चैक एवं प्रमाण पत्र वितरित किए।

की पूरी जानकारी लें और उनका भरपूर लाभ उठाएं।

शर्मा ने शुक्रवार को लाडनूं में आयोजित ग्राम उत्थान शिविर एवं जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य है कि राजस्थान का किसान, गरीब, पशुपालक सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे। इसी सोच के साथ हमारी सरकार ने प्रत्येक गिरदावर सर्किल पर ग्राम उत्थान शिविरों की शुरुआत की है, जिससे ग्रामीणों को घर के नजदीक ही राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक प्रदेश में 1500 से ज्यादा ग्राम उत्थान शिविर लगाकर 77 लाख से अधिक काम किए गए हैं। आमजन को 98 हजार से ज्यादा सॉइल हेल्थ कार्ड तथा 55 हजार से अधिक स्वामित्व कार्ड वितरित किए गए हैं।

शर्मा ने कार्यक्रम में डीडवाना-कुचामन जिले को करीब 529 करोड़ रुपये राशि के 71 विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और नागरिक सुविधाओं से जुड़े 465 करोड़ रुपये से अधिक राशि के 59 कार्यों का शिलान्यास किया। साथ ही, लगभग 64 करोड़ रुपये की राशि के 12 विकास कार्यों का लोकार्पण किया।

इससे पहले, शर्मा ने परिसर में आयोजित ग्राम उत्थान शिविर का अवलोकन किया एवं विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चैक एवं प्रमाण पत्र वितरित किए।

विपक्ष के हंगामे के कारण शुक्रवार को दिन भर लोकसभा बाधित रही

नई दिल्ली, 06 फरवरी। विपक्षी दलों के लगातार हंगामे के चलते शुक्रवार को लोकसभा की कार्यवाही पहले दोपहर 12 बजे तक और बाद में पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। सदन की अगली कार्यवाही अब सोमवार, 9 फरवरी को सुबह 11 बजे पुनः शुरू होगी।

सदन की कार्यवाही पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होते ही प्रश्नकाल के दौरान विपक्षी सदस्यों ने नारेबाजी शुरू कर दी और हाथों में प्लेकार्ड लेकर सदन के बीचोंबीच आ गए। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि बजट सत्र में अब तक सदन के 19 घंटे 13 मिनट हंगामे की भेंट चढ़ चुके हैं। अध्यक्ष ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि नियोजित तरीके से गतिरोध पैदा कर सदन की मर्यादा समाप्त की जाती है, तो ऐसे सदन को चलाना संभव नहीं है। अध्यक्ष के बार-बार आग्रह के बावजूद हंगामा नहीं थमने पर सदन की कार्यवाही पहले 12 बजे तक स्थगित की गई। दोपहर में कार्यवाही पुनः शुरू होने पर भी विपक्ष का शोर-शराबा जारी रहा। पीठासीन सदस्य कृष्ण प्रसाद तेन्नेटी ने बताया कि स्थगन प्रस्ताव की किसी भी सूचना को अध्यक्ष ने अनुमति नहीं दी है।

दो माह में चौथी बार अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी मिली

जोधपुर-जयपुर हाई कोर्ट व अजमेर जिला कोर्ट को पुलिस ने खाली कराकर गहन जाँच की

- **तीनों स्थानों पर कोर्ट की ऑफिशियल ई-मेल आईडी पर धमकी भरे मेल प्राप्त हुए थे। पुलिस को जाँच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस ई-मेल का सोर्स प्राप्त करने में जुटी हुई है।**

जयपुर, 6 फरवरी। राजधानी जयपुर स्थित राजस्थान हाईकोर्ट सहित, जोधपुर और अजमेर कोर्ट को शुक्रवार की सुबह बम से उडाने की धमकी मिलने से हडकंप मच गया। तीनों स्थानों पर कोर्ट की ऑफिशियल ई-मेल आईडी पर धमकी भरा मेल प्राप्त हुआ, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां तत्काल सक्रिय हो गईं। पुलिस ने एहतियातन कोर्ट परिसरों को खाली कराकर बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड की मदद से सघन तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान जयपुर हाईकोर्ट में करीब एक घंटे तक न्यायिक कार्य स्थगित रहा।

जयपुर हाईकोर्ट चौकी प्रभारी सुमेर सिंह ने बताया कि शुक्रवार सुबह कोर्ट की ऑफिशियल मेल पर हाईकोर्ट को बम से उडाने की धमकी मिलते ही पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंचीं। बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड ने कोर्ट परिसर के चप्पे-चप्पे की जांच की। सुरक्षा कारणों से एक घंटे तक सुनवाई टाल दी गई। जांच के बाद, कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिलने पर प्रशासन ने राहत की सांस ली।

जोधपुर हाईकोर्ट की ऑफिशियल मेल पर भी शुक्रवार सुबह धमकी मिली। रजिस्ट्रार प्रशासन ने तत्काल आला अधिकारियों को सूचना दी। मुख्य न्यायाधीश के निर्देश पर प्रशासन हरकत में आया और झालामंड स्थित नए हाईकोर्ट परिसर सहित दोनों परिसरों को कुछ ही मिनटों में खाली करा लिया गया।

एडीसीपी नीरज शर्मा ने बताया कि बम की सूचना के बाद पूरे परिसर की गहन जांच की गई। एसीपी छवि शर्मा ने बताया कि यह सिक्योरिटी से जुड़ा कम्युनिकेशन था। जोधपुर हाईकोर्ट परिसर को लेकर यह पहली बार धमकी मिली है, जबकि जोधपुर कलेक्ट्रेट को पहले भी धमकियां मिल चुकी हैं। पुलिस ई-मेल के स्रोत की जांच में जुटी है।

अजमेर में संभागीय आयुक्त को मेल के जरिए कोर्ट परिसर में 13 आरडीएक्स लगाए जाने की सूचना दी गई, जिससे अफरा-तफरी मच गई। पुलिस और डॉग स्क्वॉड टीम ने तुरंत कोर्ट परिसर खाली कराकर सघन तलाशी ली। लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई।

एसपी वंदिता राणा ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और यह पता लगाया जा रहा है कि धमकी भरा मेल कहां से भेजा गया। उल्लेखनीय है कि इससे पहले जिला कलेक्ट्रेट को भी चार बार बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है।

इस्लामाबाद की मस्जिद में सुसाइड बम ब्लास्ट में 31 की मौत

पाकिस्तान की राजधानी में जुमे की नमाज के दौरान हुए हमले में 169 घायल हुए

- **शिया मस्जिद में धमाके के बाद इस्लामाबाद में इमरजेंसी लागू कर दी गई। मस्जिद के आस-पास के इलाके को पुलिस व फोर्सेज़ ने घेर लिया।**

इस्लामाबाद, 06 फरवरी। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में जुमे की नमाज के दौरान शिया मस्जिद (इमामबाड़ा) में आत्मघाती हमला हुआ। पाकिस्तानी अखबार "द डॉन" के मुताबिक, हमले में 31 लोगों की मौत हो गई है और 169 घायल हुए हैं। मौत का आंकड़ा और बढ़ सकता है।

मस्जिद में धमाके के बाद इस्लामाबाद में इमरजेंसी लागू कर दी गई है। शिया मस्जिद के आसपास के इलाके को पुलिस और फोर्सेस ने घेर लिया है। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। अब तक धमाके के कारणों का पता नहीं चल पाया है और न ही किसी आतंकी संगठन या व्यक्ति ने धमाके की जिम्मेदारी ली है।

एचटीएन वर्ल्ड न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, एक शख्स ने मस्जिद के गेट पर खुद को बम से उड़ा लिया। इस्लामाबाद पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंच गए हैं और घायलों का रेस्क्यू किया जा रहा है। घायलों को पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (पीआईएमएस) और सीडीए हॉस्पिटल ले जाया गया है।

पीआईएमएस के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (ईडी) के निर्देश पर, अस्पताल में इमरजेंसी लागू कर दी गई है, एक प्रवक्ता ने पाकिस्तानी अखबार डॉन को इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि मुख्य इमरजेंसी, ऑर्थोपेडिक, बर्न सेंटर और न्यूरोलॉजी डिपार्टमेंट को एक्टिव कर दिया गया है।

इंदौर में दूषित पानी से 33 वीं मौत

इंदौर, 6 फरवरी। मध्यप्रदेश में इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी से फैली बीमारी के चलते एक और मरीज की मौत हो गई है। इस हादसे में अब तक मरने वालों की संख्या 33 हो चुकी है। ताजा मामले में पत्नी की मौत के बाद अब पति की भी जान चली गई है। भागीरथपुरा निवासी अलगूराम यादव (70) की गुरुवार देर रात इलाज के दौरान मौत हो गई। उन्हें 9 जनवरी को अरबिंदो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बताया गया है कि उन्हें उल्टी-दस्त की शिकायत के साथ सांस लेने में तकलीफ भी हो रही थी। इससे पहले उनकी पत्नी उर्मिला यादव की भी दूषित पानी से बीमार होने के बाद मौत हो चुकी है। मृतक के बेटे संजय यादव का कहना है कि उनके पिता को पहले से कोई गंभीर बीमारी नहीं थी। उल्टी-दस्त के कारण हालत बिगड़ने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी मौत हो गई।

देश के लिए पदक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसके बाद भी आबकारी विभाग इस खिलाड़ी की नियुक्ति के आदेश को दबाए बैठा रहा। करीब 2 माह के इंतजार के बाद 3 जनवरी 2025 विशेष योग्यजन आयुक्त ने आबकारी विभाग को अवमानना नोटिस थमाया, लेकिन फिर भी विभाग के अधिकारी नहीं जागे।

याचिकाकर्ता निहाल सिंह की ओर से अदालत में बताया गया कि, राजस्थान सरकार ने पैरालंपिक खिलाड़ी अवनी लेखरा, सुंदर गुर्जर और देवेन्द्र झांझड़िया को भी इस नियम-नीति के तहत "असिस्टेंट कन्जर्वेटर फॉरेस्ट" के पद पर नियुक्तियां दी है। परंतु निहाल सिंह के साथ भेदभाव किया जा रहा है। याचिकाकर्ता निहाल सिंह ने राजस्थान हाईकोर्ट में याचिका दायर करते हुए मांग रखी है कि, उन्हें नियुक्ति दी जाए। साथ ही अक्टूबर 2023 से नियमित मानते हुए अब तक वेतन और इस प्रकरण में अदालती कार्रवाई के दौरान खर्च होने वाली रकम का भुगतान करवाया जाए। निहाल सिंह की ओर से अदालत को बताया गया कि, "असिस्टेंट एक्साइज़ ऑफिसर" का पद सुपरवाईजर स्तर का होता है, जो कि फील्ड में दौड-भाग का नहीं है। उसके अधीनस्थ कार्मिक ही फील्ड मॉनिटरिंग का कार्य देखते है।

इस प्रकरण में वर्ष 2025 से अब तक राजस्थान हाईकोर्ट में भी कई बार सुनवाई हो चुकी है। गत 19 नवंबर 2025 को अदालत ने सुनवाई में यह टिप्पणी की थी कि, अभी तक राज्य सरकार ने इतनी सुनवाई के बावजूद कोई जवाब अथवा तथ्य रिकॉर्ड पर पेश नहीं किया है। इसलिए आबकारी आयुक्त और वित्त सचिव अगली सुनवाई पर पेश हों। इसके बाद 26 नवंबर की सुनवाई में अधिकारी पेश हुए और जवाब के लिए समय मांगा। इसके बाद 17 दिसंबर 2025 को सुनवाई में अतिरिक्त महाधिवक्ता ने अदालत को बताया कि खेल विभाग ने यह प्रकरण मुख्य सचिव के पास भेजा हुआ है। इस मामले में एक कमेटी बनाई जाकर 1 सप्ताह में निर्णय लिया जाएगा। लेकिन हैरानी की बात है कि डेढ़ माह के बाद भी अब तक मामला अधरझूल में है।

संसद में कांग्रेस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहे हैं, वहीं पार्टी के भीतर यह माना जा रहा है कि इन प्रभावी विरोध प्रदर्शनों के पीछे असली दिमाग और ताकत प्रियंका गांधी ही हैं। पहली बार कांग्रेस का विरोध वास्तव में असरदार नजर आया।

इस घटनाक्रम से राहुल गांधी के करीबी माने जाने वाले कुछ नेताओं में असहजता भी पैदा हुई है, जो अब तक संसद में पार्टी का प्रबंधन संभालते रहे थे।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा हर साल मीडिया और विभिन्न नेताओं के लिए एक लंच का आयोजन करते हैं। इस बार पहली बार राहुल गांधी और प्रियंका गांधी दोनों इस लंच में शामिल हुए और आकर्षण का केन्द्र बन गए। मीडिया और कांग्रेस नेताओं ने उन्हें लगभग घेर लिया।

गपशप से लेकर गोलगप्पों, टिक्कियों और मिठाइयों तक, भाई-बहन की इस जोड़ी ने कई व्यंजनों का स्वाद लिया। सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी को इस कार्यक्रम में आने और वहां मौजूद लोगों से बातचीत करने के लिए मनाने में प्रियंका गांधी की अहम भूमिका रही।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि गांधी परिवार की मौजूदगी ने हरियाणा कांग्रेस में हुड्डा परिवार की श्रेष्ठता को स्थापित कर दिया।

प्रियंका गांधी लंबे समय से औपचारिक रूप से किसी स्पष्ट भूमिका में नहीं थीं। अब लोकसभा में कांग्रेस के प्रदर्शन को संभालने के बाद, वे संगठन में कहीं बड़ी भूमिका की ओर देख रही हैं।

एक वरिष्ठ नेता के अनुसार, यह पूरा श्रेय प्रियंका गांधी को जाता है कि प्रधानमंत्री लोकसभा में बोल नहीं पाए, और यह पहली बार हुआ है।

बांग्लादेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के लिए राष्ट्रीय छात्र संगठनों के साथ गठजोड़ करने की कोशिश कर रही है।

कई छात्र संगठनों ने पहले राष्ट्रीय स्तर पर विरोध प्रदर्शन किए थे, जिनकी वजह से तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता छोड़नी पड़ी थी। प्रदर्शन हिंसक हो गए थे और हसीना के देश छोड़ने के बाद प्रधानमंत्री आवास पर हमला भी किया गया था।

हालांकि, बाद में बांग्लादेश में इस छात्र आंदोलन की अगुवाई इस्लामी संगठनों ने अपने हाथ में लेने की कोशिश की और जल्द ही बांग्लादेशी सेना की मदद से छात्रों को हाशिये पर डाल दिया गया।

इसके बाद अंतरिम प्रशासन के तहत एक नई सरकार ने काम संभाला, लेकिन उसकी पकड़ राजधानी तक ही सीमित रही। जब से शेख हसीना के देश छोड़ने से सत्ता का खालीपन पैदा हुआ है, बांग्लादेश लगातार हिंसा और कानून -व्यवस्था के टूटने के दौर से गुजर रहा है।

एसओजी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में गीतेश जादौन निवासी खैरिया पुरोहित डीग ने खुद परीक्षा न देकर, नीरज कुमार निवासी बहज डीग को डमी कैंडिडेट के रूप में बैठाया था। इस धोखाधड़ी के संबंध में एसओजी में 21 अक्टूबर 2024 को राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच अधिकारी निरीक्षक सीमा पठान ने साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी नीरज कुमार और मूल अभ्यर्थी गीतेश जादौन को गिरफ्तार किया। एसओजी ने दोनों आरोपियों को शुक्रवार को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें 9 फरवरी तक पुलिस रिमांड पर सौंपा गया है।

असम के मु.मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरमा के सार्वजनिक बयानों की एक श्रृंखला की ओर दिलाया, जो "प्रथम दृष्टया घृणास्पद भाषण, कार्यपालिका के भय और एक विशेष समुदाय की झूठी निन्दा एवं खुली बदनामी" के दायरे में आते हैं। यह संदर्भ मुख्यमंत्री की 'मियां' (बंगाली भाषी मुस्लिम) समुदाय के खिलाफ टिप्पणियों से जुड़ा है।

पत्र में उन्होंने मुख्यमंत्री के उस बयान की ओर भी ध्यान दिलाया, जिसमें उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं को आदेश दिया था कि वे इस समय चल रहे निर्वाचन सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान, बंगाली भाषी मुसलमानों को निशाना बनाकर आपत्तियां दर्ज करायें।

पत्र में कहा गया है, "संविधान द्वारा अनिवार्य और अर्ध-न्यायिक प्रक्रिया जैसे विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) को मुख्यमंत्री के इशारे पर पक्षपातपूर्ण या सांप्रदायिक अभियान में नहीं बदला जा सकता," और यह भी उल्लेख किया गया कि चुनाव आयोग ने अब तक इस मामले पर कोई संज्ञान नहीं लिया है।

पत्र में अंत में कहा गया, "इस तरह के खुले संवैधानिक उल्लंघनों के सामने चुप्पी या निष्क्रियता उन्हें सामान्य बना देने और स्वयं संविधान की नैतिक प्रामाणिकता को कमजोर करने का जोखिम पैदा करती है।

प्रशांत किशोर की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारत के मुख्य न्यायाधीश (चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया- सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने चुनाव हारने के बाद राहत पाने के लिए न्यायिक मंच का सहारा लेने पर पार्टी को फटकार लगाई। प्रशांत किशोर की पार्टी ने 2025 के चुनावों में 243 में से 242 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन एक भी सीट जीतने में असफल रही। अदालत ने कहा, "आपको कितने वोट मिले? जब जनता आपको नकार देती है, तो आप राहत पाने के लिए न्यायिक मंच का इस्तेमाल करते हैं! किसी को तब इस योजना को ही चुनौती देनी चाहिए थी। हमारे सामने ऐसी कोई प्रार्थना नहीं है। आप सिर्फ चुनाव को शून्य घोषित करवाना चाहते हैं।" अदालत ने कहा कि इस मामले के निर्णय के लिये उच्च न्यायालय उपयुक्त मंच है। अदालत ने कहा, "चूंकि यह मामला केवल एक राज्य से संबंधित है, इसलिए आप उसी राज्य के उच्च न्यायालय में जाएं। कुछ मामलों में मुफ्त योजनाओं (फ्रीबीज़) का गंभीर मुद्दा होता है, उसकी हम गंभीरता से जांच करेंगे।' न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, हम मुफ्त योजनाओं के मुद्दे पर विचार करेंगे, लेकिन हमें याचिकाकर्ता की मंशा भी देखनी होगी। हम किसी ऐसी पार्टी के कहने पर इस पर विचार नहीं कर सकते, जो अभी-अभी चुनाव हारी हो। जब आप सत्ता में आएंगे, तो आप भी वही काम करेंगे। आखिरकार, याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका वापस ले ली।

'कोई अदालत महिला को गर्भावस्था जारी रखने के लिये बाध्य नहीं कर सकती'

नई दिल्ली, 06 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक अहम फैसले में स्पष्ट किया है कि कोई भी अदालत किसी महिला को, खासकर नाबालिग को, उसकी इच्छा के विरुद्ध गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर नहीं कर सकती। यह टिप्पणी उस मामले में आई है,

- **सुप्रीम कोर्ट ने 30 हफ्ते की गर्भवती को गर्भपात की अनुमति देते हुए यह स्पष्ट किया।**

जिसमें शीर्ष अदालत ने 30 हफ्ते की गर्भवती महिला को गर्भपात की अनुमति दी। जानकारी के अनुसार, जब लड़की 17 साल की थी, तब वह एक संबंध के दौरान गर्भवती हो गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पहली नजर में यह गर्भावस्था अवैध प्रतीत हो सकती है, क्योंकि उस समय लड़की नाबालिग थी। हालांकि, अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले में यह तय करना जरूरी नहीं है कि संबंध उसकी मर्जी से था या यह यौन शोषण का मामला था। अदालत ने कहा कि सबसे अहम पहलू यह है कि लड़की खुद इस बच्चे को जन्म नहीं देना चाहती। प्रजनन से जुड़े मामलों में महिला का निर्णय सर्वोच्च महत्व रखता है और उसी को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की कि यह फैसला लेना आसान नहीं था।

छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ में 7 नक्सली मारे गए

रायपु, 06 फरवरी। छत्तीसगढ़ - महाराष्ट्र बॉर्डर पर शुक्रवार सुबह से नक्सली और जवानों के बीच मुठभेड़ जारी है। इस नक्सल ऑपरेशन में अब तक 7 नक्सली ढे र हुए हैं। ?

वहीं एक जवान के वीरगति प्राप्त होने की खबर है। दूसरी ओर, एक जवान

- **एजेंसियों के ऑपरेशन में एक जवान ने भी वीर गति पाई।**

को एयरलिफ्ट कर अस्पताल पहुंचाया गया। मुठभेड़ स्थल से एके-47 और एक इंसास राइफल बरामद हुई है। हालांकि इसकी आधिकारिकतौर पर पुष्टि नहीं हुई है।

जवानों ने नक्सलियों को चारों तरफ से घेर रखा है। दोनों तरफ से फायरिंग जारी है।

पेपर लीक से चयनित हुआ एईएन गिरफ्तार

जयपुर, 6 फरवरी। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) को राजस्थान में पेपर लीक माफियाओं के खिलाफ जारी कार्रवाई में एक और बड़ी कामयाबी मिली है। एसओजी ने, कनिष्ठ अभियंता (जेईएन) संयुक्त भर्ती परीक्षा-2020 (पुनः परीक्षा 2021) के पेपर लीक मामले में एक सहायक अभियन्ता (एईएन) को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पेपर माफियाओं से सांठगांठ कर परीक्षा से पहले ही पेपर हासिल कर लिया था और वर्तमान में सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) में कार्यरत था।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि कनिष्ठ अभियंता संयुक्त भर्ती परीक्षा-2020 (दिसंबर 2020) का पेपर लीक होने के कारण परीक्षा रद्द कर दी गई थी। इसके बाद 12 सितंबर

- **पेपर लीक की मदद से सुरेश कुमार कनिष्ठ अभियंता (सिविल) के पद पर चयनित हुआ और प्रमोट होकर एईएन बन गया।**

2021 को पुनः परीक्षा आयोजित की गई। जांच में सामने आया कि दोबारा आयोजित परीक्षा का पेपर भी माफियाओं के पास पहले ही पहुंच गया था। इस संबंध में 19 जनवरी 2026 को एसओजी थाने में नया मामला दर्ज किया गया था। अनुसंधान में यह तथ्य उजागर हुआ कि कुख्यात पेपर माफिया भूपेन्द्र सारण ने आरोपी सुरेश कुमार को परीक्षा से कुछ समय पूर्व ही लीक सॉल्व्ड पेपर मुहैया कराया था। इसी पेपर की मदद से सुरेश कुमार ने परीक्षा पास की और कनिष्ठ अभियंता (सिविल) के पद पर चयनित हो गया। चयन के बाद वह प्रमोट होकर सहायक अभियन्ता (एईएन) भी बन गया था। एसओजी ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे पुलिस रिमांड पर सौंपा गया है।

एसओजी की जांच में यह भी सामने आया है कि 12 सितंबर 2021 को जेईएन परीक्षा का पेपर लीक करने के ठीक बाद, 13 से 15 सितंबर 2021 के बीच आयोजित हुई उप निरीक्षक (एसआई) पुलिस भर्ती परीक्षा का पेपर भी इसी गिरोह ने लीक किया था। एसओजी अब आरोपी से पूछताछ कर रही है कि उसने पेपर के लिए कितनी राशि का भुगतान किया और इस गिरोह में कौन से सरकारी कर्मचारी शामिल हैं।

भारत और अमेरिका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हटाने का लक्ष्य अभी भी वास्तविकता से ज्यादा एक उम्मीद बना हुआ है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह समझौता प्रशासनिक है, किसी संधि पर आधारित नहीं है। कई अहम टैरिफ और गैर-टैरिफ शर्तों की औपचारिक घोषणा अभी बाकी है। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में टैरिफ, व्यापार नीति के साथ-साथ घरेलू राजनीति के साधन के रूप में भी काम करते हैं। निर्यातकों के लिए सबसे जरूरी चीज, नीतियों की स्थिरता, अब भी नाज़ुक बनी हुई है।

टैरिफ में राहत से भारत की आंतरिक समस्याएं भी खत्म नहीं होतीं। ऊँची लॉजिस्टिक लागत, नियामक टकराव (रैगुलेटरी फ्रिक्शन) और उत्पादन क्षमता की सीमाएं अब भी निर्यातकों को परेशान करती हैं, खासकर टेक्सटाइल और परिधान जैसे श्रम-आधारित क्षेत्रों में। वियतनाम और बांग्लादेश अभी भी तेजी से काम पूरा करने और अमेरिकी खरीददार नेटवर्क में बेहतर जुड़ाव (इंटिग्रेशन) देते हैं। घरेलू सुधारों के बिना, टैरिफ समानता से लगातार मार्केट शेयर में बढ़ोतरी नहीं होगी।

पारस्परिक लाभ की शर्त भी सामने आएगी। व्यापार समझौते आमतौर पर बिना कीमत के नहीं होते। डिजिटल व्यापार, डेटा लोकलाइजेशन, कृषि बाजार तक पहुंच और बौद्धिक संपदा जैसे मुद्दों पर दबाव फिर से सामने आ सकता है, जो भारत की नीतिगत स्वतंत्रता पर जोर देने की बात की परीक्षा लेगा।

फिर भी, भू-राजनीतिक रूप से दिशा साफ है। यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के साथ समझौतों के साथ यह रीसेट संकेत देता है कि भारत ने पश्चिमी आर्थिक व्यवस्था में खुद को और मजबूती से स्थापित करने का फैसला किया है, जबकि रूस और चीन के साथ रणनीतिक विकल्प बनाए रखने की बात भी करता है। यह पश्चिम का पीछे हटना नहीं था, यह भारत द्वारा सावधानी से, शर्तों के साथ और अपनी शर्तों पर तालमेल चुनना था।

टैरिफ रीसेट एक पुल है, मंजिल नहीं। यह भारत को कितनी दूर तक ले जाएगा, यह कूटनीति पर कम और अस्थिर वैश्विक व्यापार व्यवस्था में कार्यान्वयन (एग्ज़ीक्यूशन), सुधार और लचीलेपन पर ज्यादा निर्भर करेगा।

रैपिड रेल के लिए ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रूप से 2036 तक इसे पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। भारत के अन्य राज्यों से भी रैपिड रेल लाइनों के निर्माण की मांगें सामने आ रही हैं।

नैशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एनसीआरटीसी), जो आरआरटीएस की कार्यान्वयन एजेंसी है, के प्रबंध निदेशक शलभ गोयल ने राष्ट्रदूत से कहा कि भविष्य के आरआरटीएस कॉरिडोरों की निर्माण लागत लगभग 10 प्रतिशत कम हो सकती है, हालांकि अधिकतम गति 180 किमी प्रति घंटा बरकरार रहेगी। कुछ हिस्सों में ट्रेनें इससे भी अधिक गति हासिल करेंगी। उन्होंने कहा कि लागत में कमी दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर के निर्माण से मिले अनुभवों के आधार पर संभव होगी। उदाहरण के तौर पर, दिल्ली-मेरठ लाइन पर इस्तेमाल की गई 6.5 मीटर चौड़ी टनल बोरिंग मशीनों के बजाय, अन्य कॉरिडोरों में 5.8 मीटर चौड़ाई वाली टीबीएम का उपयोग किया जा सकता है। गोयल ने कहा, "अन्य वैल्यू इंजीनियरिंग रणनीतियां भी अपनाई जा सकती हैं, जैसे वायाडक्ट की चौड़ाई कम करना और स्टेशनों पर प्रवेश/निकास बिंदुओं की संख्या घटाना।"

पिछले सप्ताह संसद में प्रस्तुत वार्षिक आर्थिक सर्वेक्षण में विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 2,900 किमी संभावित आरआरटीएस कॉरिडोर की पहचान की गई है, जिनमें से अधिकांश दक्षिण भारत में हैं। इनमें बेंगलुरु-मैसूर-तुमकुर-होसुर, चेन्नई-वेल्लोर-विल्लुपुरम-चेंगपट्टु और हैदराबाद-वारंगल जैसी लाइनें शामिल हैं। सर्वेक्षण में कहा गया है, इन परियोजनाओं का उद्देश्य कॉरिडोर के साथ उच्च-घनत्व, मिश्रित-उपयोग विकास और रोजगार के विकेन्द्रीकरण को बढ़ावा देना है, जिससे महानगरीय केन्द्रों पर दबाव कम होगा और बहु-केन्द्रित क्षेत्रीय विकास को समर्थन मिलेगा।

2025 के अंत में पूरे 82 किमी खंड पर परीक्षण रन सफलतापूर्वक पूरे होने के बाद मेट्रो रेलवे सुरक्षा आयुक्त द्वारा दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर को प्रमाणित किए जाने के बावजूद, इस लाइन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अनुपलब्धता के कारण फिलहाल टलता नजर आ रहा है। वर्तमान में दिल्ली के न्यू अशोक नगर से मेरठ साउथ तक 55 किमी खंड पर व्यावसायिक परिचालन किया जा रहा है। राज्यमंत्री तोखन साहू ने गुरूवार को लोकसभा में कहा कि, "पूरे खंड पर परिचालन शुरू होने के बाद, इस कॉरिडोर से प्रतिदिन लगभग 1,67,000 यात्रियों के सफर करने की उम्मीद है।" एनसीआरटीसी के एक प्रवक्ता ने कहा, "लाइन का उद्घाटन शीघ्र होने की उम्मीद है, हालांकि तारीख अभी तय नहीं की गई है।"

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908